भारत सरकार एवं राजस्थान सरकार से सरकारी विज्ञापनों के लिए स्वीकृत अखबार

R.N.I.Regd.No.:RAJHIN/2015/61758

जागरूक जनता

7 अक्टूबर - 13 अक्टूबर 2026

jagrukjanta.net

भाद्रपद, पक्ष - कृष्ण, तिथि - द्वादशी, संवत 2083 पृष्ठ : 8+2 जयपुर, बुधवार वर्ष-12, अंक-32, मूल्य ₹ 5/- वार्षिक मूल्य : ₹ 250/- साप्ताहिक

पानी की मैन्यूफैक्चरिंग और एक्सपायरी डेट क्या?

आज पूरे विश्व में 'पानी बचाओ', 'जल है तो जीवन है' आदि श्लोगन से लोगों को पानी बचाने के लिए कहा जा रहा है। और यह सही भी है कि पानी बचाना चाहिए। देश-दुनिया में तालाब और झीलें गायब होते जा रहे हैं। बड़ी-बड़ी झीलें अस्तित्व में हो सकती हैं, लेकिन छोटी-मोटी झीलें तो अब इतिहास बन गई हैं या बनने की ओर अग्रसर हैं। खैर, बात पानी के ताजा या बासी होने की चल रही है। अब देखते हैं कि प्रातः जैसे ही नल में पानी आता है या गांवों में महिला-पुरुष बोरिंग पर पानी भरने जाते हैं तो घर में भरा हुआ पानी को बासी मानते हुए फैला दिया जाता है। क्यों फैला दिया जाता है क्योंकि अब ताजा पानी भरा जाएगा। जहां नल में पानी हर दिन आता है, वहीं पानी हर दिन बासी हो जाता है और हर दिन बहा दिया जाता है। इस पानी की समाप्ति समय अवधि एक दिन हुई। जहां दो दिन में पानी आता है वहां दो दिन बाद उसे बासी मानकर बहा दिया जाता है। जहां सप्ताह में पानी आता है वहां सप्ताह बाद वह बासी हो जाता है। इसी तरह विवाह समारोह या अन्य कार्यों में आजकल बिसलरी की बड़ी-छोटी बोतलें आने लगी हैं। कई जगह कैंपर भी आते हैं। अब कोई मेहमान आधी बोतल पानी पीता है तो आधी को फेंक दिया जाता है। इसी तरह समारोह समाप्ति के बाद जो पानी कैंपरों में होता है उसे फेंक दिया जाता है क्योंकि वह अब बासी हो गया है। हम कहीं यात्रा पर जाते हैं, दूर-दराज या फिर ऐसे स्थान पर जहां पानी की समस्या हो, तो हमारे पास जब तक पानी होता है उसे हम फेंकते नहीं है चाहे कितने ही दिन हो जाए। जब तक वह खत्म नहीं होता है उसे हम पीते रहते हैं। वह बासी होता ही नहीं है। बिसलरी बोतलों में पता नहीं कितना पुराना पानी भरा होता है, मगर उसे भी हम ताजा मानकर पीते रहते हैं। मगर, बोतल खुल गई और उसमें पीने के बाद जो पानी बच गया, वह अगले दिन बासी हो गया। बांध में कई सालों तक पानी भरा रहता है वह सप्लाई के लिए टंकी में जाता है टंकी से घरों में जाता है वह ताजा पानी होता है। अगर बोरवेल से पानी निकालते हैं तो वह ताजा होता है जबकि जमीन के नीचे तो पता नहीं वह पानी कितने समय पुराना होता है। जमीन के अंदर तो पता नहीं लाखों करोड़ों वर्षों से पानी भरा हुआ है वह भी ताजा माना जाता है। ग्लेशियर पानी का स्रोत होते हैं, ग्लेशियर भी पता नहीं कब के जमा होते हैं। वे भी नदियों में बहकर कई दिनों बाद आबादी क्षेत्र में पहुंचते हैं। उस जल को भी ताजा माना जाता है। समुद्र तो पता नहीं कब से इस पृथ्वी पर है मगर वह पानी भी शुद्ध ही माना जाता है। समुद्र से वाष्पीकरण द्वारा बादल बनते हैं और बादल जमीन पर बरसते हैं वह पानी भी ताजा माना जाता है तो फिर घर में रखे पानी को कुछ समय बाद ही बासी क्यों मान लिया जाता है। इस यह समझने की बात है कि पानी कभी बासी नहीं होता। उसकी कोई मैन्यूफैक्चरिंग डेट नहीं है तो एक्सपायरी डेट कैसे हो जाती है।

सटीक

शिव दयाल मिश्रा
@jagrukjanta.net

51वीं सब जूनियर एवं जूनियर राष्ट्रीय योगासन और स्पोर्ट्स चैम्पियनशिप

नशे की लत को छोड़ें, योग अपनाएं और विकसित भारत के निर्माण में दें योगदान

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि योग हमारी प्राचीन भारतीय संस्कृति और ऋषियों की अनमोल धरोहर है, जिसने पूरी दुनिया को स्वस्थ, संयमित और संतुलित जीवन जीने की कला सिखाई है। उन्होंने आमजन से आह्वान किया कि वे नशे की लत को छोड़ें और योग को अपने दैनिक जीवन का हिस्सा बनाते हुए विकसित भारत-विकसित राजस्थान के निर्माण में अपना योगदान दें। मुख्यमंत्री मंगलवार को अलंकार पीजी कॉलेज में 51वीं सब जूनियर एवं जूनियर राष्ट्रीय योगासन स्पोर्ट्स चैम्पियनशिप के समापन समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के दूरदर्शी प्रयासों और वैश्विक कूटनीति की बदौलत संयुक्त राष्ट्र ने हर साल 21 जून को अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के रूप में मनाने की घोषणा की। आज योग, ध्यान और प्राणायाम विश्व के करोड़ों लोगों की दिनचर्या का हिस्सा बन चुके हैं। यह ज्ञान परंपरा मानव कल्याण का वैश्विक माध्यम बन रही है। उन्होंने कहा कि एकाग्रता को बढ़ाने में, निर्णय क्षमता को मजबूत करने और जीवन में सकारात्मकता लाने में योग की अहम भूमिका है।

राजस्थान में रोड इंफ्रास्ट्रक्चर को लग रहे पंख

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। राजस्थान में रोड इंफ्रास्ट्रक्चर को पंख लग रहे है. भजनलाल सरकार का 'सड़क कनेक्टिविटी' को लेकर संदेश दिया। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने सोशल मीडिया एक्स पर पोस्ट में लिखा है कि सुदृढ़ सड़कें गांवों-बाजारों और शहरों को विकास से जोड़ने की कड़ी है. राज्य सरकार प्रदेश का सड़क तंत्र मजबूत बनाने में की दिशा में प्रयासरत है. सीएम भजनलाल शर्मा ने कहा कि नॉन पेचेबल-मिसिंग लिंक सड़कों के कायाकल्प की पहल साकार हो रही है. सड़कों के सुधार से लोगों का आवागमन ज्यादा सुरक्षित-सुविधाजनक होगा।

HBOT जीवन रक्षक प्रणाली द्वारा इलाज
ऑक्सीजन (प्राणवायु) ट्रीटमेंट

- मस्तिष्क चोट, पक्षाघात/लकवा
- सेरेब्रल पाल्सी, ऑटिज्म
- असाध्य घाव/शुगर के घाव
- कैंसर (रेडियो थेरेपी) के साईड इफेक्ट
- अचानक बहरापन (Hearing Loss)
- डाईबेटिक फुट में अम्पुटेशन (पैर कटने) से बचाव

अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें:-
98290-17133, 70737-77133
9983317133
डॉ. हिमांशु अग्रवाल M.B.B.S. M.D.

नेशनल हायपरबैरिक रिसर्च सैन्टर
594-B-C, जेम्स कॉलोनी, सैक्टर-3, मंदिर मोड, विद्याधर नगर, जयपुर

Dept. of Hyperbaric Medicine
Fortis Escorts Hospital
JLN Marg, Malviya Nagar, Jaipur

E-mail : hbotjaipur@gmail.com
www.nationalhbot.in

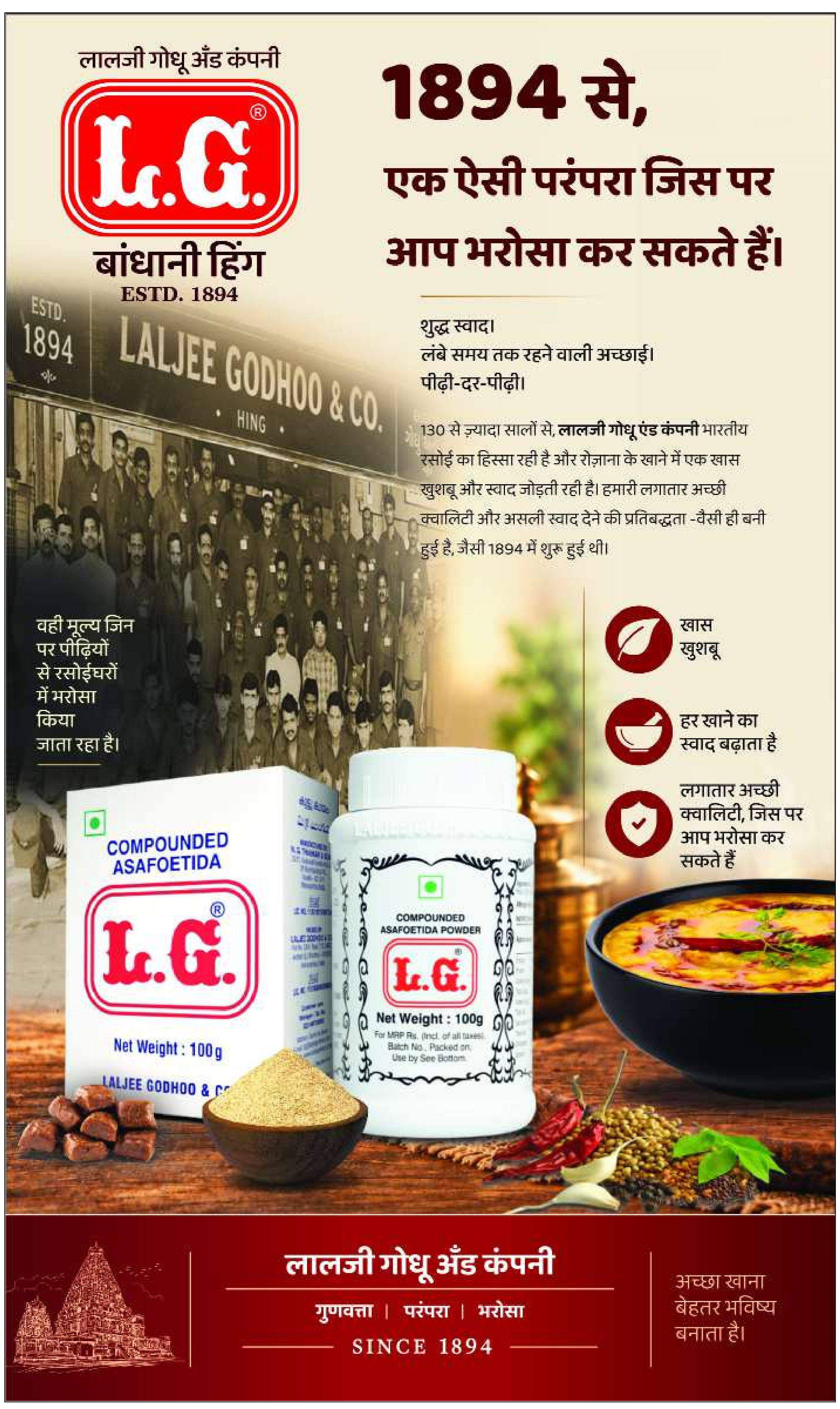

राजस्थान, गुजरात, हरियाणा, उत्तर प्रदेश में प्रसारित | जागरूक जनता www.jagrukjanta.net | ए-001, स्टारसिटी, कालवाड़ रोड, हाथोज, जयपुर-302012 फोन : 0141-3587886 | सम्पर्क करें | विज्ञापन प्रकाशित करवाने के लिए 9829329070 jagrukjantanews@gmail.com | समाचार प्रकाशित करवाने के लिए 9928022718 jagrukjantanews@gmail.com

जागरूक जनता
ऑन लाइन पढ़ने के लिए स्कैन करें
ई-पेपर व अन्य खबरें देखें
jagrukjanta.net

जागरूक खबरें

नवरात्रि से सड़कों पर दौड़ेंगी सभी 94 ई-बसें, यात्रियों को मिलेगी राहत

जयपुर @ जागरूक जनता। राजधानी जयपुर में नवरात्रि से सार्वजनिक परिवहन की सुविधा बढ़ने जा रही है। जयपुर सिटी ट्रांसपोर्ट सर्विसेज लिमिटेड (जेसीटीएसएल) की सभी 94 ई-बसों का संचालन शुरू हो जाएगा। फिलहाल शहर में 44 ई-बसें ही संचालित हो रही हैं, जबकि 50 बसें संचालन शुरू होने का इंतजार कर रही थीं। इन 50 अतिरिक्त ई-बसों के सड़क पर उतरने से त्योहारी सीजन में यात्रियों को सार्वजनिक परिवहन की अतिरिक्त सुविधा मिल सकेगी। दरअसल, जयपुर में जेसीटीएसएल के बेड़े में अब तक 94 ई-बसें शामिल हो चुकी हैं। इनमें से 44 बसों का संचालन पहले ही शुरू कर दिया गया था। वहीं, शेष 50 बसों का आरटीओ में रजिस्ट्रेशन नहीं होने के कारण संचालन अटका हुआ था। अब इन सभी 50 बसों के रजिस्ट्रेशन की प्रक्रिया पूरी कर ली गई है। इसके बाद बसों को सड़कों पर उतारने की तैयारी पूरी हो गई है। नवरात्रि के साथ ही त्योहारी सीजन शुरू हो जाएगा। इस दौरान जयपुर के बाजारों और प्रमुख मार्गों पर यात्रियों की आवाजाही बढ़ जाती है। ऐसे में 50 अतिरिक्त ई-बसों के संचालन से यात्रियों को सार्वजनिक परिवहन में अतिरिक्त विकल्प मिल सकेगा। खासकर प्रमुख रूटों पर बसों की उपलब्धता बढ़ने से यात्रियों को राहत मिलने की उम्मीद है।

राजस्थान पुलिस अकादमी में नव प्रशिक्षित 438 महिला कांस्टेबल के बैच का दीक्षांत समारोह

डीजीपी बोले- संगठित अपराध, ड्रोन की मदद से सीमापार से तस्करी बड़ी चुनौती, पुलिसिंग में महिलाओं की भागीदारी बढ़ी

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। राजस्थान पुलिस के मुखिया डीजीपी राजीव कुमार शर्मा ने कहा कि आज पुलिसिंग का स्वरूप बदल रहा है और पुलिस में महिलाओं की भागीदारी बढ़ी है. आज संगठित अपराध, नशे की तस्करी, ड्रोन की मदद से सीमापार से तस्करी, साइबर अपराध जैसी बड़ी चुनौतियां हैं, जिनसे पार पाना राजस्थान पुलिस की प्राथमिकता है. डीजीपी राजीव कुमार शर्मा सोमवार को राजस्थान पुलिस अकादमी में नव प्रशिक्षित कांस्टेबल के बैच के दीक्षांत समारोह को बतौर मुख्य अतिथि संबोधित कर रहे थे. यह बैच 438 महिला कांस्टेबल का बैच है, जिसकी ट्रेनिंग पूरी होने पर आज दीक्षांत परेड समारोह हुआ. इस मौके पर डीजी (कानून-व्यवस्था) संजय कुमार अग्रवाल, एडीजी (ट्रैनिंग) एचजीआर सुहासा, एडीजी बिपिन कुमार पांडेय, आरपीए के निदेशक संजीब कुमार नार्जारी भी मौजूद रहे.

आज समापन नहीं, यात्रा का आगाज

इस मौके पर डीजीपी राजीव कुमार शर्मा ने कहा, आज का दीक्षांत परेड समारोह समापन नहीं, समाज और राष्ट्र के प्रति सेवा समर्पण और उत्तरदायित्व की यात्रा का आगाज है. आज जो बेटियां पुलिस बेड़े में शामिल हो रही हैं, उनके परिजनों के प्रोत्साहन और त्याग ने बेटियों को इस मुकाम पर पहुंचने में अहम भूमिका निभाई है. केंद्र सरकार के मॉडल सिलेबस से इस बैच की ट्रेनिंग हुई है, जो पुलिस को महज फोर्स नहीं बल्कि सेवा और समर्पण की दिशा काम करने का प्रोत्साहन देने के लिए तैयार किया गया है.

लोग कठिन समय में आते हैं पुलिस के पास

वे बोले, जब भी हम वर्दी पहनते हैं तो कानून के प्रतिनिधि बनते हैं. लोग अपने जीवन के कठिन समय में पुलिस के पास आते हैं. अन्याय का सामना कर रहा व्यक्ति, उत्पीड़न झेल रही महिला, संकट में फंसा बच्चा या आपात स्थिति में घिरा परिवार, पुलिस की तरफ बड़ी उम्मीद से देखता है. ऐसे समय में आपका व्यवहार, संवेदनशीलता और प्रतिरि या उनके जीवन में स्थाई बदलाव ला सकता है. आज पुलिसिंग का तरीका बदला है. जनता भी संवेदनशील और जवाबदेह पुलिस की अपेक्षा करती है. उन्होंने नए प्रशिक्षित कांस्टेबल से नए कानूनों को दैनिक कामकाज में अपनाने पर जोर दिया.

पुलिसिंग में महिलाओं की भागीदारी बढ़ी

पुलिस में महिलाओं की भूमिका का लगातार विस्तार हुआ है. आज पुलिसिंग के हर क्षेत्र में महिलाएं अपनी अहम भूमिका निभा रही हैं. महिलाओं की भागीदारी से पुलिसिंग मजबूत हुई है. प्रदेशभर में कालिका यूनिट ने अलग पहचान बनाई है. उन्होंने कहा कि महिला पुलिसकर्मी के रूप में कई चुनौतियां भी आएंगी. परिवार और काम के बीच संतुलन बनाना आसान नहीं होगा, लेकिन महिलाओं के पास एक विशिष्ट शक्ति होती है. इससे चुनौती भरे पेशेवर कामकाज और पारिवारिक जिम्मेदारियों के बीच संतुलन स्थापित किया जा सकता है.

अफवाह, फेक न्यूज और डीपफेक भी चुनौती

आज पुलिस के सामने कई चुनौतियां हैं. राजस्थान भौगोलिक रूप से सबसे बड़ा राज्य है, जिसकी लंबी अंतरराष्ट्रीय सीमा है. मादक पदार्थों की तस्करी, सीमा पार से ड्रोन के सहारे हथियार और नशे की तस्करी और संगठित अपराध बड़ी चुनौती है. सोशल मीडिया पर फैलने वाली अफवाहें, फर्जी खबरें और डीपफेक भी कानून व्यवस्था को प्रभावित करती है. इससे भी बड़ी चुनौती है जनता का विश्वास अर्जित करना और उसे बनाए रखना भी बड़ी चुनौती है.

आपराधिक वारदातों में आई कमी

उन्होंने कहा कि पिछले साल राजस्थान पुलिस का अपराध नियंत्रण, साइबर सुरक्षा, संगठित अपराध पर कार्रवाई और तकनीकी पुलिसिंग पर फोकस रहा है. इससे हत्या, लूट जैसी संगीन आपराधिक घटनाओं में कमी आई है. एजीटीएफ संगठित अपराध के खिलाफ और एएनटीएफ नशे के खिलाफ प्रभावी कार्रवाई कर रही है. साइबर अपराध हेल्पलाइन 1930 को मजबूत किया जा रहा है. साइबर सुरक्षा के लिए राजस्थान साइबर क्राइम को-ऑर्डिनेशन सेंटर (Ry4) पूरी तरह वर्किंग में आ जाएगा. परीक्षाओं में धांधली और पेपर लीक के मामलों में एसओजी प्रभावी काम कर रही है.

सॉफ्ट स्किल, तनाव प्रबंधन पर भी रखें फोकस

उन्होंने कहा, आज आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस जीवन का अभिन्न अंग है. एआई के बिना आगे नहीं बढ़ सकते. इसके लिए निरंतर सीखना होगा. तकनीकी ज्ञान के साथ सॉफ्ट स्किल और तनाव प्रबंधन पर भी फोकस रखना होगा. योग खेल और पीटी को दिनचर्या का हिस्सा बनाना होगा. राजस्थान में साहस और बलिदान की गौरवशाली परंपरा रही है. इस विरासत और जिम्मेदारी को आगे बढ़ाना होगा. पुलिस बेड़े में शामिल नई कांस्टेबल को चुनौतियों के साथ सार्थक बदलाव लाने के अवसर मिलेंगे।

स्वेक्छिक रक्तदान शिविर आयोजित

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। महाराजा श्री अग्रसेन जी के जन्मोत्सव पर आयोजित अग्रसेन जयंती महोत्सव के उपलक्ष्य मे श्री श्याम सेवा महोत्सव सेवा समिति के तत्वाधान मे आयोजित स्वेक्छिक रक्तदान शिविर मे सहयोगी संस्था अंतर्राष्ट्रीय अग्रवाल सम्मेलन जयपुर राजस्थान की और से रक्तदान करवाने मे महावपूर्ण सहयोग किया गया रक्तदान शिविर से पूर्व बढ़ी संख्या मे ऑनलाइन पंजीयन करवा कर प्रचार प्रसार किया। शिविर का बीते दिनों शेखावटी विकास परिषद भवन, सेक्टर-1, विद्याधर नगर में हुआ, अंतर्राष्ट्रीय अग्रवाल सम्मेलन के शिविर संयोजक श्री मनीष गोयल के नेतृत्व मे,स के काफ़ी सदस्य महिला एवं पुरुष ने रक्तदान करवाने मे महत्वपूर्ण भूमिका निभाई

कार्यक्रम मे ओम प्रकाश अग्रवाल,राधेश्याम अग्रवाल,पवन कुमार मित्तल, मनीष गोयल, दिनेश अग्रवाल पंच, मनीष अग्रवाल (नावा वाले), गोकुल अग्रवाल, सिद्धार्थ अग्रवाल, वसुंधरा मित्तल, नमिता अग्रवाल, अलका अग्रवाल, किरण अग्रवाल, संतोष अग्रवाल, गीतांजलि अग्रवाल आदि सक्रिय रहे।

शहरी नागरिकों को सेवाओं का त्वरित मिलेगा लाभ, आज से सेवा सेतु अभियान-2026 शुरू

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा की सुशासन एवं जनसेवा की सोच के अनुरूप राज्य सरकार द्वारा शहरी नागरिकों को विभिन्न सेवाओं का त्वरित लाभ उपलब्ध कराने, जनसमस्याओं का मौके पर ही समाधान करने तथा शहरी क्षेत्रों को स्वच्छ एवं सुव्यवस्थित बनाने के उद्देश्य से 'सेवा सेतु अभियान-2026' आयोजित किया जा रहा है। अभियान के तहत जयपुर विकास प्राधिकरण द्वारा 7 अक्टूबर से 16 अक्टूबर 2026 तक प्राधिकरण परिसर स्थित नागरिक सेवा केन्द्र में जोनवार सेवा शिविर आयोजित किए जाएंगे। जयपुर विकास आयुक्त सिद्धार्थ महाजन ने बताया कि इस अभियान का उद्देश्य शहरी नागरिकों को विभिन्न सेवाएं उपलब्ध कराने के साथ-साथ उनसे संबंधित प्रकरणों का मौके पर ही यथासंभव त्वरित निस्तारण सुनिश्चित करना है। शिविरों में नागरिक अपने संबंधित प्रकरणों के संबंध में अधिकारियों से सीधे संपर्क कर सेवाओं एवं समस्याओं के समाधान का लाभ ले सकेंगे। उन्होंने बताया कि शिविर प्रातः 9:30 बजे से सायं 6 बजे तक आयोजित किए जाएंगे। अभियान के दौरान संबंधित जोन के अधिकारियों एवं कर्मचारियों द्वारा प्राप्त आवेदनों का यथासंभव शिविर दिवस पर ही निस्तारण किया जाएगा। संबंधित उपायुक्त द्वारा प्राप्त आवेदनों एवं उनके निस्तारण की अद्यतन सूचना एवं प्रगति रिपोर्ट भी प्रस्तुत की जाएगी।

जोनवार शिविर कार्यक्रम

7 अक्टूबर को जोन 19, 21, PRN एवं 14,
8 अक्टूबर को जोन, 11, 17 एवं 7,
9 अक्टूबर को जोन B, 12, 22 एवं 8,
10 अक्टूबर को जोन C, 13, 16 एवं 9,
12 अक्टूबर को PRN, 14, 23 एवं 24,
13 अक्टूबर को जोन 7, 15, 25 एवं 11,
14 अक्टूबर को जोन 8, 18, B एवं 12,
15 अक्टूबर को जोन 9, 19, 21 एवं 14 तथा
16 अक्टूबर को जोन 10, 20, 22 एवं PRN के शिविर आयोजित किए जाएंगे।

शिविरों के सफल संचालन के लिए संबंधित जोन के उपायुक्त शिविर प्रभारी तथा तहसीलदार सह-प्रभारी रहेंगे। साथ ही अभियान के लिए विभिन्न व्यवस्थाओं के लिए नोडल अधिकारियों की नियुक्ति की गई है।

ब्लिंकिट डार्क स्टोर पर खाद्य सुरक्षा विभाग की कार्रवाई

164 पैकेट खाद्य सामग्री नष्ट, घी के 2 सैंपल लिए

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। राज्य सरकार के "शुद्ध आहार-मिलावट पर वार" अभियान के तहत खाद्य सुरक्षा एवं औषधि नियंत्रण विभाग ने जयपुर में ब्लिंकिट के डार्क स्टोर का निरीक्षण कर खाद्य सुरक्षा मानकों के उल्लंघन पर कार्रवाई की। प्रमुख शासन सचिव चिकित्सा एवं स्वास्थ्य गायत्री राठौड़ के निर्देश एवं खाद्य सुरक्षा आयुक्त अविचल चतुर्वेदी के मार्गदर्शन में केंद्रीय दल के खाद्य सुरक्षा अधिकारियों ने विश्वा नगर, न्यू सांगानेर रोड, सोडाला स्थित डार्क स्टोर का निरीक्षण किया। अतिरिक्त आयुक्त भगवत सिंह ने बताया कि निरीक्षण के दौरान कोल्ड स्टोरेज में पनीर, चीज, दूध एवं दही जैसी तापमान-संवेदनशील खाद्य सामग्री निर्धारित तापमान के अनुरूप नहीं रखी मिली। पनीर एवं चीज करीब 13 डिग्री सेल्सियस तापमान पर रखे पाए गए। दूध के कुछ पैकेट फटे हुए थे और उनसे दूध रिस रहा था। दूध के गंदे कैरेट में ही चिकन के पैकेट भी रखे मिले। निरीक्षण में आटे के कट्टे फिनाइल के साथ रखे पाए गए। कुछ खाद्य सामग्री बिना पैलेट के रखी थी तथा खाद्य सामग्री रखने वाले स्थान की छत का प्लास्टर उखड़ा हुआ मिला। रैक पर जंग लगी थी और रैक के नीचे का फर्श भी गंदा पाया गया। बिक्री के लिए रखे तेल के पैकेट भी अत्यधिक गंदे मिले। फूड हैंडलर्स के निर्धारित प्रारूप में मेडिकल सर्टिफिकेट उपलब्ध नहीं पाए गए। परिसर में पेस्ट कंट्रोल संबंधी प्रमाण-पत्र एवं लॉग रजिस्टर भी उपलब्ध नहीं था। लोडिंग-अनलोडिंग क्षेत्र में गंदगी एवं थूक की पीक मिली।

माध्यमिक शिक्षा बोर्ड : अब साल में 2 बार होगी 10वीं की परीक्षा

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। राजस्थान में 10वीं बोर्ड परीक्षा की व्यवस्था में बड़ा बदलाव किया गया है। अब राजस्थान में माध्यमिक शिक्षा बोर्ड 10वीं की परीक्षा सीबीएसई की तर्ज पर होगी। बोर्ड ने साल में दो बार 10वीं की परीक्षा कराने का निर्णय लिया है। पहली मुख्य परीक्षा फरवरी-मार्च में होगी, जबकि मई में सुधारात्मक परीक्षा आयोजित की जाएगी। नई व्यवस्था के तहत सप्लीमेंट्री परीक्षा की पुरानी व्यवस्था को खत्म कर दिया गया है। मुख्य परीक्षा में अपेक्षित अंक नहीं आने पर विद्यार्थियों को परिणाम सुधारने का एक और अवसर मिलेगा। विद्यार्थी अधिकतम तीन विषयों में सुधारात्मक परीक्षा दे सकेंगे। इससे विद्यार्थियों को परीक्षा परिणाम सुधारने के साथ आगे की पढ़ाई में होने वाली देरी से भी राहत मिलने की उम्मीद है। राजस्थान माध्यमिक शिक्षा बोर्ड की ओर से जारी आदेश के मुताबिक मुख्य परीक्षा में उत्तीर्ण विद्यार्थी यदि अपने अंकों से संतुष्ट नहीं हैं तो वे मई में होने वाली सुधारात्मक परीक्षा में अधिकतम तीन विषयों में प्रदर्शन सुधारने के लिए शामिल हो सकेंगे। विद्यार्थी एक या दो विषयों में भी सुधारात्मक परीक्षा दे सकते हैं। हालांकि, मुख्य परीक्षा में चयनित विषयों में ही सुधार का अवसर मिलेगा और विषय बदलने की अनुमति नहीं होगी। सुधारात्मक परीक्षा के बाद मुख्य और दूसरी परीक्षा में प्रत्येक विषय में मिले अधिक अंक को अंतिम परिणाम में शामिल किया जाएगा। इसके आधार पर अंतिम परीक्षा परिणाम और उत्तीर्णता प्रमाण पत्र जारी किया जाएगा।

सप्लीमेंट्री परीक्षा व्यवस्था खत्म

बोर्ड ने वर्ष 2026-27 से माध्यमिक और प्रवेशिका परीक्षाओं की पूरक परीक्षा पूरी तरह समाप्त करने का निर्णय लिया है। माध्यमिक एवं प्रवेशिका परीक्षा में मुख्य परीक्षा में अंग्रेजी एवं एक अन्य विषय में अनुर्तीण छात्र को पूरक योग्य घोषित करने के स्थान पर किन्हीं भी दो विषयों में न्यूनतम उत्तीर्णांक (33 प्रतिशत) से कम अंक प्राप्त करने वाले परीक्षार्थी को Essential Improvement के लिए द्वितीय बोर्ड परीक्षा में प्रवेशाज्ञा दी जाएगी। यदि कोई परीक्षार्थी प्रथम मुख्य परीक्षा में तीन या अधिक विषयों में अनुपस्थित रहा है अथवा न्यूनतम उत्तीर्णांक (33 प्रतिशत) से कम अंक प्राप्त करता है तो उसे द्वितीय बोर्ड परीक्षा में शामिल होने की अनुमति नहीं दी जाएगी।

दो से अधिक संतान बाध्यता हुई समाप्त

शौचालय नहीं तो नहीं लड़ पाएंगे पंचायत चुनाव

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। राजस्थान में पंचायत चुनाव की तारीखों के ऐलान के बाद गांवों में सरपंच पद के दावेदार भी सक्रिय हो गए हैं. ऐसे में चुनाव लड़ने से पहले यह जानना जरूरी है कि कौन सा व्यक्ति सरपंच का चुनाव लड़ सकता है और किन परिस्थितियों में नामांकन खारिज हो सकता है. सरपंच का चुनाव लड़ने के लिए उम्मीदवार की उम्र कम से कम 21 साल होनी चाहिए. वहीं उसका नाम संबंधित ग्राम पंचायत क्षेत्र की मतदाता सूची में दर्ज होना जरूरी है. हालांकि सरपंच पद के लिए किसी न्यूनतम शैक्षणिक योग्यता की अनिवार्यता नहीं है.

घर में शौचालय की शर्त

सरपंच चुनाव में शौचालय से जुड़ा नियम भी महत्वपूर्ण है. उम्मीदवार के घर में कार्यशील सैनिटरी टॉयलेट होना चाहिए. इसके साथ परिवार के किसी सदस्य के खुले में शौच करने की स्थिति भी कानून में अयोग्यता से जुड़ी है.

इसलिए सिर्फ शौचालय बना होना ही पर्याप्त नहीं उसका इस्तेमाल योग्य और कार्यशील होना जरूरी है।

दो से ज्यादा बच्चे हैं तो चुनाव लड़ सकेंगे

दो से अधिक संतान को लेकर भी अब स्थिति बदल गई है. 2026 में पंचायती राज कानून में किए गए बदलाव के बाद, दो से अधिक संतान होने के आधार पर पंचायत चुनाव लड़ने से अयोग्य करने वाला प्रावधान हटा दिया गया है. यानी तीन या उससे अधिक बच्चे होने के कारण अब किसी व्यक्ति का सरपंच चुनाव लड़ना अपने आप नहीं रुकता।

आरक्षित सीट पर अलग पात्रता

अगर किसी ग्राम पंचायत का सरपंच पद अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, अन्य पिछड़ा वर्ग या महिला के लिए आरक्षित है तो उम्मीदवार को संबंधित आरक्षण की पात्रता पूरी करनी होगी. महिला के लिए आरक्षित सीट पर पुरुष उम्मीदवार चुनाव नहीं लड़ सकता. इसके अलावा कुछ दूसरी कानूनी अयोग्यताएं भी हैं. पंचायत से जुड़े कुछ अनुबंध या आर्थिक हित, निर्धारित पंचायत बकाया का भुगतान नहीं करना, कानून के तहत अयोग्य ठहराया जाना और कुछ मामलों में आपराधिक दोषसिद्धि चुनाव लड़ने में बाधा बन सकती है. संबंधित पंचायत द्वारा लगाए गए टैक्स या फीस की मांग का नोटिस मिलने के बाद निर्धारित अवधि तक भुगतान नहीं करने पर भी अयोग्यता हो सकती है. हालांकि नामांकन दाखिल करने से पहले बकाया भुगतान करने पर संबंधित प्रावधान में राहत दी गई है. वहीं नैतिक अधमता से जुड़े कदाचार के कारण राज्य सरकार की नौकरी से बर्खास्त व्यक्ति, यदि उसे सरकारी सेवा के लिए अयोग्य घोषित किया गया है, तो चुनाव नहीं लड़ सकता. इसलिए नामांकन से पहले उम्मीदवार को अपनी उम्र, मतदाता सूची में नाम, सीट की आरक्षण स्थिति, शौचालय की स्थिति और कानून में निर्धारित अयोग्यताओं की जांच कर लेना जरूरी है।

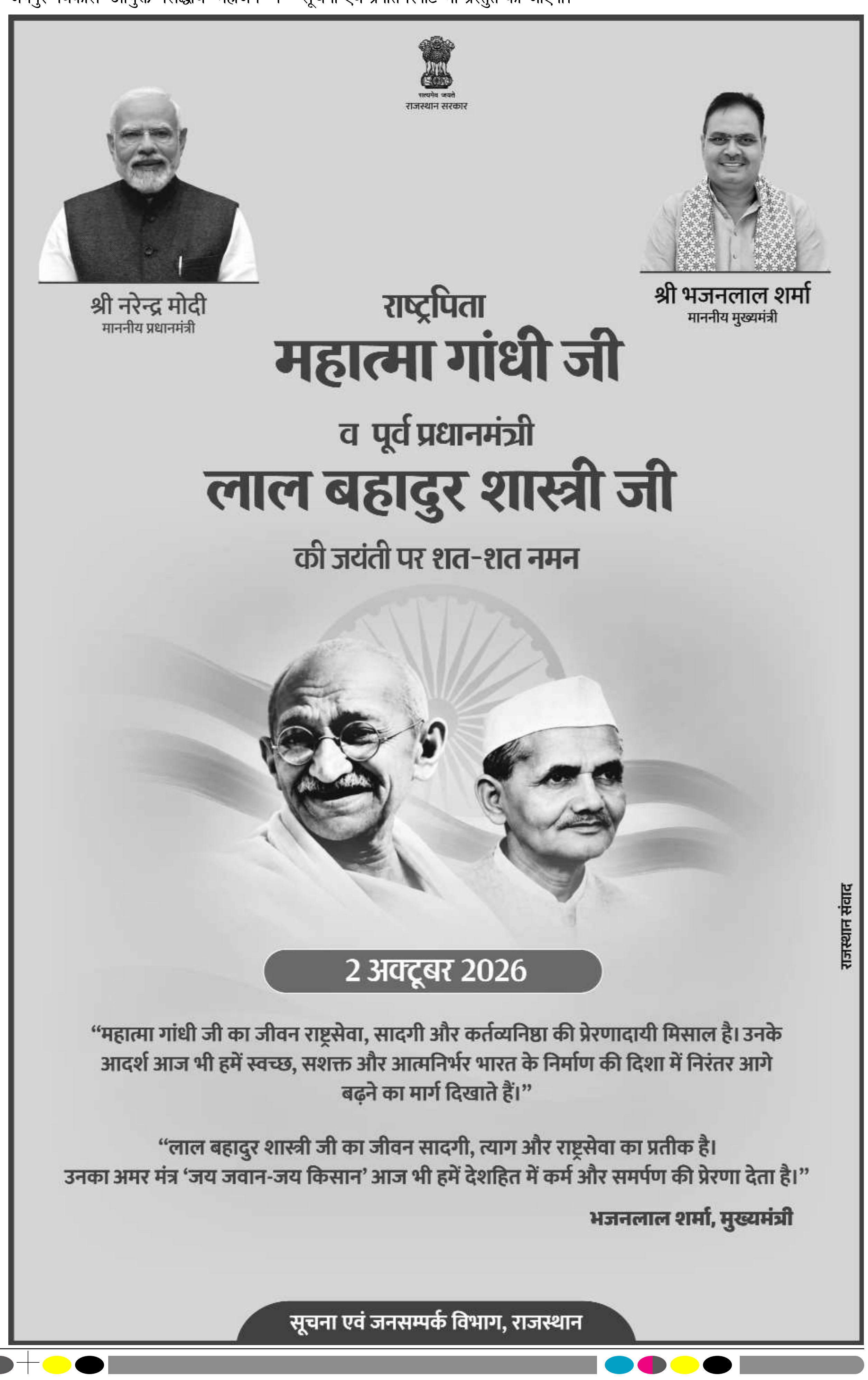

नारी शक्ति सम्मेलन एवं संवाद कार्यक्रम : सशक्त महिलाएं परिवार, समाज और राष्ट्र निर्माण का आधार

राजस्थान बनेगा आत्मनिर्भर और आर्थिक रूप से सक्षम-शर्मा

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि महिलाएं समाज का अभिन्न हिस्सा ही नहीं बल्कि परिवार, समाज और राष्ट्र निर्माण का आधार हैं। महिलाओं का सम्मान और सशक्तीकरण किसी भी सभ्य समाज की पहचान है। उन्होंने कहा कि हमारी संस्कृति में हमेशा से नारी शक्ति का सम्मान रहा है और यहां तो कहा भी गया है कि जहां नारियों की पूजा होती है, वहां देवता निवास करते हैं।

मुख्यमंत्री यूनिवर्सिटी कॉमर्स कॉलेज में आयोजित नारी शक्ति सम्मेलन एवं संवाद कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि हमारे यहां शक्ति, ज्ञान और समृद्धि की प्रतीक मां दुर्गा, मां सरस्वती और मां लक्ष्मी के रूप में नारी शक्ति की पूजा की जाती है। भारत का इतिहास महिलाओं के साहस, वीरता, त्याग और बलिदान की अनगिनत गाथाओं से भरा हुआ है। उन्होंने कहा कि मातृशक्ति की सफलता की कहानियों में संघर्ष, साहस, आत्मविश्वास और संकल्प की वह शक्ति दिखाई देती है, जो किसी भी समाज में बड़ा बदलाव ला सकती है। उन्होंने कहा कि लोकमाता देवी अहिल्याबाई होलकर के कुशल प्रशासन, न्याय-परायणता एवं कल्याणकारी कार्यों का आज भी गुणगान किया जाता है। रानी लक्ष्मीबाई का साहस, मातृभूमि के लिए उनका बलिदान, आज भी हम सभी देशवासियों के हृदय में प्रेरणा का दीप जलाता है। वहीं, सावित्रीबाई फुले ने महिला शिक्षा की ज्योति जलाई, उसका प्रकाश आज देश के कोने-कोने को आलोकित कर रहा है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राजस्थान की अनेक नारियों ने त्याग, समर्पण, भक्ति और बलिदान की मिसाल कायम की हैं। भक्त शिरोमणि मीराबाई ने कृष्ण-भक्ति और आध्यात्मिक साधना से राजस्थान की धरती को गौरवान्वित किया और पन्नाधाय ने अपने पुत्र का बलिदान देकर स्वामीभक्ति एवं कर्तव्यनिष्ठा का दुर्लभ उदाहरण प्रस्तुत किया। वहीं, हाड़ी रानी ने मातृभूमि की रक्षा और अपने कर्तव्य के लिए अद्वितीय साहस और बलिदान का परिचय दिया तथा वीर बाला कालीबाई ने अपने गुरु की रक्षा के लिए सर्वोच्च बलिदान देकर गुरु भक्ति की अमर गाथा लिखी। उन्होंने कहा कि अमृता देवी ने प्रकृति और वृक्षों की रक्षा के लिए अपने प्राण न्योछावर कर पर्यावरण संरक्षण की अनूठी मिसाल कायम की। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी कहते हैं कि माताएं, बहनें और बेटियां आज हर क्षेत्र में अपनी अद्भुत प्रतिभा और कौशल से मां भारती का गौरव बढ़ा रही हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री ने पिछले 12 वर्षों में महिला सशक्तीकरण की दिशा में नई सोच और संकल्प के साथ अनेक महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं। इसी कड़ी में बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ योजना, प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना, स्वच्छ भारत मिशन और जल जीवन मिशन जैसी योजनाओं ने महिलाओं के जीवन को आसान बनाया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री मुद्रा योजना में महिलाओं को स्वरोजगार के लिए ऋण सुविधा मिल रही है तथा लखपति दीदी योजना ने महिलाओं को आत्मनिर्भर बनने का अवसर दिया है। वहीं, प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना महिलाओं के स्वास्थ्य में अहम भूमिका निभा रही है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री के नेतृत्व में महिलाओं को नेतृत्व का अवसर प्रदान करने के लिए नारी शक्ति वंदन अधिनियम जैसी महत्वपूर्ण पहल की गई।

उन्होंने कहा कि प्रदेश में पिछले पौने तीन साल में महिलाओं के कल्याण के लिए अभूतपूर्व कदम उठाए हैं। प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना की राशि 5 हजार रुपये से बढ़ाकर 6 हजार 500 रुपये की गई है। मा वाउचर योजना के तहत सोनोग्राफी के लिए 5 लाख 74 हजार कूपन जारी किए जा चुके हैं तथा पात्र परिवारों को 450 रुपये में रसोई गैस सिलेंडर उपलब्ध करवा रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि बालिका शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए 13 लाख 85 हजार साइकिलों एवं कालीबाई उच्च शिक्षा स्कूटी योजना एवं देवनारायण छात्रा स्कूटी योजना के तहत लगभग 46 हजार स्कूटियों का वितरण किया गया है। वहीं, मुख्यमंत्री एकल नारी सम्मान पेंशन योजना के तहत करीब 19 लाख पेंशनर्स को 8 हजार 866 करोड़ रुपए की पेंशन राशि दी जा चुकी है। उन्होंने कहा कि लाडो प्रोत्साहन योजना के तहत गरीब परिवारों को बालिकाओं के जन्म पर डेढ़ लाख रुपये का सेविंग बॉण्ड दिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं, सहायिकाओं, शिशु पालना गृह कार्यकर्ताओं और साथिनों के मानदेय में पिछले तीन वर्षों में हर वर्ष 10 प्रतिशत की वृद्धि की गई है। राज्य की 1 करोड़ 22 लाख महिलाओं एवं बालिकाओं को हर माह 12 सैनेटरी नैपकिन निशुल्क दिए जा रहे हैं। वहीं, लखपति दीदी योजना के तहत 26 लाख से अधिक महिलाओं को लखपति दीदी का प्रशिक्षण प्रदान कर लगभग 20 लाख महिलाओं को लखपति दीदी की श्रेणी में लाया जा चुका है। मुख्यमंत्री ने कहा कि मातृशक्ति की प्रतिबद्धता, परिश्रम और सामूहिक शक्ति राजस्थान को आत्मनिर्भर और आर्थिक रूप से समृद्ध राज्य बनाएगी तथा उनकी सक्रिय भागीदारी ही वर्ष 2047 तक विकसित भारत और विकसित राजस्थान का संकल्प साकार करने की शक्ति बनेगी। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार की योजनाएं प्रदेश की महिलाओं में नया आत्मविश्वास और जीवन में नई ऊंचाइयां हासिल करने के लिए प्रेरित कर रही हैं।

मुख्यमंत्री ने कार्यक्रम में विभिन्न लाभार्थी महिलाओं से संवाद किया और योजनाओं के लाभ से उनके जीवन में आए सकारात्मक परिवर्तन को जाना। इससे पहले मुख्यमंत्री ने राजीविका की प्रदर्शनी का अवलोकन किया तथा विभिन्न उत्पादों की जानकारी ली। संवाद कार्यक्रम के बाद मुख्यमंत्री लाभार्थी महिलाओं के बीच पहुंचे और आत्मीयतापूर्ण बातचीत की। इस अवसर पर उप मुख्यमंत्री डॉ. प्रेम चन्द बैरवा, ग्रामीण विकास एवं पंचायतीराज राज्य मंत्री ओटाराम देवासी, सांसद मंजू शर्मा, विधायक गोपाल शर्मा, महेन्द्रपाल मीणा, मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास सहित विभिन्न विभागों के वरिष्ठ अधिकारीगण एवं बड़ी संख्या में मातृशक्ति उपस्थित रही तथा वीसी के जरिए सभी जिलों से भी महिलाएं जुड़ीं। इस कार्यक्रम से केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण राज्य मंत्री भागीरथ चौधरी, संसदीय कार्य मंत्री जोगाराम पटेल भी वीसी के जरिए जुड़े।

परिवहन विभाग के प्रमुख शासन सचिव की अध्यक्षता में सभी जिलों के साथ वीसी के माध्यम से बैठक आयोजित

सड़क सुरक्षा एक्शन प्लान को प्रभावी रूप से करें लागू

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। उच्चतम न्यायालय की सड़क सुरक्षा समिति द्वारा दिए गए निर्देशों के अनुसार राज्य में सड़क दुर्घटनाओं एवं उनमें होने वाली मृत्यु दर को कम करने के उद्देश्य से परिवहन एवं सड़क सुरक्षा विभाग तथा विश्व स्वास्थ्य संगठन (WHO) के सहयोग से तैयार की गई जिला स्तरीय सड़क सुरक्षा कार्य योजना (District Level Road Safety Action Plan) को प्रभावी रूप से लागू करने के संबंध में आज सभी जिलों के साथ वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से बैठक आयोजित की गई।

बैठक की अध्यक्षता परिवहन एवं सड़क सुरक्षा विभाग के प्रमुख सचिव भवानी सिंह देथा ने की। बैठक में परिवहन आयुक्त पुरुषोत्तम शर्मा, अतिरिक्त आयुक्त सड़क सुरक्षा निधि सिंह, विश्व स्वास्थ्य संगठन के प्रतिनिधि डॉ. अशील सहित सभी जिलों की सड़क सुरक्षा समितियों के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।बैठक में सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने के लिए जिलों द्वारा तैयार किए गए स्थानीय परिस्थितियों एवं उपलब्ध सड़क दुर्घटना आंकड़ों पर आधारित एक्शन प्लान की समीक्षा की गई। अधिकारियों को निर्देश दिए गए कि केवल कार्य योजना तैयार करना पर्याप्त नहीं है, बल्कि उसमें निर्धारित गतिविधियों को समयबद्ध तरीके से धरातल पर लागू किया जाए।

ब्लैक स्पॉट पर प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित करें

परिवहन आयुक्त पुरुषोत्तम शर्मा ने कहा कि जिलों द्वारा तैयार किए गए सड़क सुरक्षा एक्शन प्लान में दुर्घटना संभावित ब्लैक स्पॉट एवं संवेदनशील स्थानों को चिह्नित किया गया है। इन स्थानों पर संबंधित विभागों द्वारा तत्काल एवं प्रभावी सड़क सुरक्षा उपाय किए जाने चाहिए। उन्होंने कहा कि ब्लैक स्पॉट की पहचान के बाद वहां केवल संकेतक लगाने तक सीमित नहीं रहा जाए, बल्कि दुर्घटनाओं के वास्तविक कारणों का विश्लेषण कर आवश्यक इंजीनियरिंग, ट्रैफिक मैनेजमेंट एवं प्रवर्तन संबंधी उपाय किए जाएं। संबंधित विभाग आपसी समन्वय से इन स्थानों पर किए गए कार्यों की नियमित समीक्षा भी करें।

जिलों के एक्शन प्लान के आधार पर हो प्रभावी कार्रवाई- प्रमुख सचिव

प्रमुख सचिव भवानी सिंह देथा ने कहा कि राज्य सरकार का प्रमुख उद्देश्य सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने के साथ-साथ दुर्घटनाओं में होने वाली मृत्यु दर को न्यूनतम करना है। उन्होंने कहा कि राजस्थान देश में पहला राज्य है जहाँ विश्व स्वास्थ्य संगठन के समन्वय से सड़क दुर्घटनाओं को रोकने और सड़क दुर्घटनाओं में होने वाली मृत्यु दर को कम करने के लिए स्थानीय परिस्थितियों के अनुसार प्रत्येक जिले की अलग-अलग कार्य योजना बनाई जा रही है। प्रत्येक जिले में स्थानीय परिस्थितियों, दुर्घटना के कारणों, संवेदनशील मार्गों एवं ब्लैक स्पॉट को ध्यान में रखते हुए एक्शन प्लान तैयार किए गए हैं। उन्होंने अधिकारियों को एक्शन प्लान के अनुरूप गंभीरता से कार्य करने के लिए निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सड़क सुरक्षा एक सामूहिक जिम्मेदारी है। दुर्घटनाओं की रोकथाम के लिए संबंधित विभाग बेहतर समन्वय के साथ कार्य ?करें। साथ ही आमजन में सड़क सुरक्षा नियमों के प्रति निरंतर जागरूकता पैदा करने के लिए नियमित जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जाएं। उन्होंने वाहन चालकों के प्रशिक्षण पर विशेष रूप से जोर देते हुए कहा कि चालकों को सड़क सुरक्षा नियमों, सुरक्षित ड्राइविंग, गति नियंत्रण, थकान में वाहन नहीं चलाने तथा यातायात नियमों के पालन के संबंध में नियमित रूप से प्रशिक्षण दिया जाना चाहिए। श्री देथा ने सभी जिलों को अगले 7 दिवस में अपना जिला स्तरीय सड़क सुरक्षा एक्शन प्लान परिवहन एवं सड़क सुरक्षा विभाग को अनिवार्य रूप से उपलब्ध करवाने के निर्देश दिए।

डब्ल्यूएचओ ने जिला आधारित एक्शन प्लान की सराहना की

बैठक में विश्व स्वास्थ्य संगठन के प्रतिनिधि डॉ. अशील ने जिलों द्वारा तैयार किए गए सड़क सुरक्षा एक्शन प्लान की सराहना की। उन्होंने कहा कि प्रत्येक जिले की सड़क परिस्थितियां, यातायात का स्वरूप एवं दुर्घटनाओं के कारण अलग-अलग हो सकते हैं। ऐसे में जिले की स्थानीय परिस्थितियों के अनुरूप तैयार किए गए एक्शन प्लान को प्रभावी रूप से लागू करने से सड़क दुर्घटनाओं एवं उनमें होने वाली मृत्यु दर को कम करने में सहायता मिलेगी।

चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग की प्रमुख शासन सचिव ने किया राजस्थान संपर्क कॉल सेंटर का निरीक्षण

संपर्क एआई से जन शिकायतों का विश्लेषण और समाधान होगा आसान

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग की प्रमुख शासन सचिव गायत्री राठौड़ ने सोमवार को राजस्थान संपर्क हेल्पलाइन-181 के कॉल सेंटर का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने वीडियो एवं ऑडियो कॉल के माध्यम से परिवादियों से सीधे संवाद कर उनकी समस्याएं सुनीं और संबंधित अधिकारियों को मौके पर ही आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए।

सवाई माधोपुर निवासी नरेश ने वीडियो कॉल के माध्यम से मुख्यमंत्री आयुष्मान आरोग्य योजना (एमएए) में जनाधार एवं अन्य दस्तावेजों से संबंधित समस्या बताई। प्रमुख शासन सचिव ने जिला मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी को प्रकरण का शीघ्र समाधान सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

जयपुर निवासी यश ने सांगानेरी महिला चिकित्सालय में स्टाफ द्वारा अभद्र व्यवहार की शिकायत की। इस पर उन्होंने प्रकरण की जानकारी लेकर संबंधित अधिकारियों को आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए। इसी प्रकार धनराज एवं ताराचंद ने आशा सहयोगिनी से संबंधित शिकायतें तथा गंगापुर सिटी निवासी सूरज ने राजकीय अस्पताल में चिकित्सकों के समय पर उपलब्ध नहीं होने की शिकायत की। श्रीमती राठौड़ ने सभी प्रकरणों की जांच कर नियमानुसार कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

पैनी नजर : राजस्थान पुलिस ने ऑनलाइन प्रसार के खिलाफ चलाया अभियान

टेलीग्राम, डिस्कॉर्ड, व्हाट्सऐप और सोशल मीडिया पर बाल यौन शोषण सामग्री फैलाने वालों की खैर नहीं

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। पुलिस ने बाल यौन शोषण सामग्री Child Se&ual E&ploitationand Abuse Material (CSEAM) के ऑनलाइन प्रसार के खिलाफ बड़ा अभियान चलाया है। अतिरिक्त महानिदेशक पुलिस (साइबर क्राइम) वी.के. सिंह ने बताया कि टेलीग्राम, डिस्कॉर्ड, व्हाट्सऐप और अन्य सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स के माध्यम से बच्चों से जुड़ी आपत्तिजनक सामग्री शेयर करने वालों पर पुलिस की पैनी नजर है और उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई जारी है।

सूचनाओं पर आधारित तकनीकी विश्लेषण

राजस्थान पुलिस ने 25,000 से अधिक महत्वपूर्ण सूचनाओं और National Center for Missing & E&ploited Children (NCMEC) की टिपलाइनरिपोर्ट्स के आधार पर गहन तकनीकी विश्लेषण किया। इस प्रक्रिया में टेलीग्राम, डिस्कॉर्ड, व्हाट्सऐप जैसी मैसेजिंग ऐप्स और इंस्टाग्राम, फेसबुक, स्नैपचैट जैसे सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर सक्रिय नेटवर्क की पहचान की गई।

कोडेड हैशटैग नेटवर्क पर भी कड़ी निगरानी

पुलिस का फोकस उन लोगों पर है जो गुप्त और पेड ग्रुप्स के जरिए बाल यौन शोषण सामग्री का आदान-प्रदान कर रहे हैं। कोडेड हैशटैग नेटवर्क पर भी कड़ी निगरानी रखी जा रही है। पुलिस ने चेतावनी दी है कि ऐसी सामग्री देखना, डाउनलोड करना, रखना, शेयर करना POCSO अधिनियम, आईटी एक्ट और भारतीय न्याय संहिता (BNS) के तहत गंभीर और गैर-जमानती अपराध है।

7,800 से अधिक URL, प्रोफाइल और 15,000 मोबाइल नंबर ब्लॉक

अभियान के तहत 7,800 से अधिक यूआरएल और प्रोफाइल्स को ब्लॉक करवाया गया है। साथ ही 15,000 से अधिक मोबाइल नंबर और 100 डिवाइस भी ब्लॉक किए गए हैं। Telegram, Discord, WhatsApp, Instagram, Facebook, Snapchat और Cloud Storage पर चल रहे गुप्त व Paid Groups तथा Coded Hashtag Network पर भी कड़ी निगरानी रखी जा रही है। पुलिस इन प्लेटफॉर्म्स पर सक्रिय रहकर सामग्री फैलाने वाले नेटवर्क को तोड़ने में जुटी हुई है। बार-बार अपराध करने वाले (RepeatedOffenders) को चिन्हित कर चूरू, नागौर, अलवर, खैरथल-तिजारा, सीकर, हनुमानगढ़ और चित्तौड़गढ़ के विभिन्न थानों में एफआईआर दर्ज कर सख्त कानूनी कार्रवाई की गई है।

गलत ब्लॉक होने पर अनब्लॉक का प्रावधान

यदि किसी नागरिक का मोबाइल नंबर इस सूची में आने के कारण ब्लॉक हो गया है, तो वे अनब्लॉक करवाने के लिए ईमेल के जरिए sp.cybercrime@ rajpo-lice.gov.in पर अनुरोध भेज सकते हैं। पुलिस ने स्पष्ट किया कि निर्दोष लोगों को परेशानी न हो, इसके लिए उचित प्रक्रिया अपनाई जा रही है। साथ ही नागरिकों से अपील की गई है कि वे ऐसी किसी भी आपत्तिजनक या संदिग्ध सामग्री की सूचना तुरंत साइबर हेल्पलाइन 1930 या आधिकारिक पोर्टल पर दें।

सम्पादकीय

ई-चालान औ दूसरे पहलू

सुप्रीम कोर्ट ने यातायात नियमों के उल्लंघन से जुड़े वाहनों पर बकाया ई-चालान वसूली को लेकर राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों को सख्ती बरतने के निर्देश दिए हैं। कानून का डर बनाए रखने के साथ-साथ बढ़ते सड़क हादसों की रोकथाम की दिशा में सख्त कदम उठाए जाने जरूरी हैं। इसीलिए सुप्रीम कोर्ट ने रैंडम चेकिंग के दौरान बकाया भुगतान वाले ई-चालान वाले वाहनों को जब्त करने और बकाया भुगतान होने तक वाहनों से जुड़ी ऑनलाइन सेवाओं को रोकने तक की बात कही है। इन सेवाओं में वाहन के मालिकाना हक के ट्रांसफर को रोकना, फिटनेस-प्रदूषण संबंधी सर्टिफिकेट देने से इनकार करने तक शामिल है।

लालबत्ती पर टाइमर संकेतक सब जगह हैं भी नहीं। ऐसे में गफलत हो भी सकती है। कैमरे की जद में आकर ऐसे वाहन चालक के पास भी ई-चालान पहुंच जाता है।

यातायात नियमों के उल्लंघन के आदतन अपराधी जुर्माना व सजा से बच नहीं पाएं, यह जरूरी है। लेकिन यह भी उतना ही आवश्यक है कि किसी निर्दोष को बेवजह सजा नहीं भुगतनी पड़ जाए। सड़क सुरक्षा के जरूरी कदमों की दृष्टि से भी सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों की पालना होनी ही चाहिए। लेकिन इस तरह की सख्ती से जुड़े दूसरे पहलुओं को भी नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। चिंताजनक तथ्य यह है कि देशभर में वाहनों के बीस हजार करोड़ रुपए के ई-चालान बकाया है। इस आंकड़े में कई ऐसे मामले भी हो सकते हैं, जिनमें वाहन मालिक को पता तक नहीं कि उसके वाहन का ई-चालान हो चुका है। कई बार शहरों में वाहन चलाने के दौरान नियमों की पालना करते वक्त भी दूसरे वाहन चालकों की लापरवाही से नियमों का उल्लंघन करने की मजबूरी हो जाती है। लालबत्ती पर टाइमर संकेतक सब जगह हैं भी नहीं। ऐसे में गफलत हो भी सकती है। कैमरे की जद में आकर ऐसे वाहन चालक के पास भी ई-चालान पहुंच जाता है। आज भी बड़ी संख्या में लोगों की शिकायत रहती है कि उन्हें ई-चालान के बारे में कोई सूचना ही नहीं मिली। जब वे अपने वाहन से संबंधित किसी सुविधा के सिलसिले में परिवहन कार्यालय जाते हैं तब जाकर उन्हें इसकी जानकारी मिलती है।

कैमरों के माध्यम से वाहनों का ई-चालान तो हो जाता है लेकिन कई बार वाहन चालक के मोबाइल नंबर अपडेट नहीं होने पर उस तक सूचना पहुंचती ही नहीं। कभी-कभार वाहन बेच देने के बाद भी स्वामित्व परिवर्तन दर्ज नहीं होता, नंबर प्लेट की गलत रीडिंग हो जाती है या किसी दूसरे वाहन का चालान गलत व्यक्ति के खाते में दर्ज हो जाता है। ग्रामीण और दूरस्थ इलाकों में तो आज भी कई क्षेत्र ऐसे हैं जहां इंटरनेट है ही नहीं या उपलब्धता काफी सीमित है। ऐसे में तकनीकी परेशानियां कम नहीं।सड़क सुरक्षा उपायों में यातायात अपराधों की सजा देते वक्त यह ध्यान रखना होगा कि सूचना के अभाव, तकनीकी खामी या डिजिटल असमानता के कारण कोई बेवजह दंडित न हो। यातायात नियमों का उद्देश्य नागरिकों को जिम्मेदार बनाने का होता है। सख्ती के साथ-साथ संवेदनशीलता, दंड के साथ संवाद व पारदर्शिता का संतुलन व्यवस्था को और न्यायसंगत बना सकता है।

विपक्ष को धुंधला करता CJP का 'चुनाव लीक' प्रोटेस्ट

» जागरूक जनता
jagrukjanta.net

ज्ञानेन्द्र मिश्रा
पत्रकार
@jagrukjanta.net

कॉकरोच जनता पार्टी और देश की विपक्षी पार्टियां एक समानांतर आंदोलन चला रही है. बस, डिमांड एक है- मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार का इस्तीफा. लेकिन, जितना पेचीदा प्रोटेस्ट का अंतर्विरोध है, उतना ही ज्ञानेश कुमार को धर्मेंद्र प्रधान मान लेना.

कॉकरोच जनता पार्टी (CJP) के कर्ता-धर्ता अभिजीत दीपके ने महाराष्ट्र, हरियाणा और दिल्ली चुनाव नतीजों का पूरा ठीकरा भी मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के सिर ही फोड़ डाला. अब सोशल मीडिया पर 'फैक्ट चेकर्स' की बाढ़ आ गई, जो हाथ धोकर दीपके के पीछे पड़ गए कि भाई, ये तीनों चुनाव तो ज्ञानेश कुमार की नियुक्ति से पहले हुए थे. लेकिन ज्ञानी लोग यह भूल जाते हैं कि हमारे देश में प्रोटेस्ट किसी 'ब्यूरो ऑफ इंडियन स्टैंडर्ड्स' (BIS) से क्वालिटी चेक कराने के बाद लांच नहीं किए जाते। विरोध प्रदर्शनों में लॉजिक ढूंढना वैसा ही है जैसे जलेबी में कुछ सीधा होने की उम्मीद रखना. वरना, सुप्रीम कोर्ट में तमाम जिरह होने पर अफजल गुरु को सजा मिलने के यह नारा नहीं लगता कि 'अफजल हम शर्मिंदा हैं, तेरे कातिल जिंदा हैं.' जब किसी व्यवस्था के खिलाफ माहौल बनाने का फैसला हो जाता है, तो मुद्दों की गहराई, क्रोनोलॉजी और सच्चाई मायने नहीं रखती, बस एजेंडा मायने रखता है।

सवाल ये नहीं है कि CJP ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग क्यों कर रही है. जबकि, यह मुद्दा तो विपक्षी राजनीतिक दलों का है, जो चुनाव लीक के मामले में वैसे ही पीड़ित हैं, जैसे पेपर लीक के मामले में छात्र. दिलचस्प ये है कि CJP अपना 'प्रोटेस्ट' सीधे दिल्ली से शुरू कर सकती थी, जहां चुनाव आयोग से लेकर इस मुद्दे पर छाती पीटने वाली तमाम विपक्षी पार्टियों के दफ्तर मौजूद हैं. लेकिन उन्होंने मुंबई चुना. प्रीमियर को मुंबई के शिवाजी पार्क में हिट कराया गया. अब ऐलान किया गया है कि इस सुपरहिट सीरीज का 'सीजन-2' 10 अक्टूबर को दिल्ली में रिलीज होगा। CJP की रणनीति साफ है- "जहां कीवर्ड, वहां हम". यह एक बेहद चालाक और कामयाब डिजिटल रणनीति है. जिसने पेपर लीक मामले में कामयाबी भी हासिल की. लेकिन, अब जब इनका पुराना 'स्कूल ठीक करो' वाला आंदोलन सोशल मीडिया की ट्रेंडिंग दुनिया में धुंधला पड़ा, तो उन्होंने तुरंत उस वक्त के सबसे गरमा-गरम और ट्रेंडिंग कीवर्ड यानी 'SIR' और 'चुनाव आयोग' पर कब्जा कर लिया.यह मुद्दा मूल रूप से विपक्षी दलों का था, लेकिन विपक्ष जब तक इस मुद्दे पर एक हो पातीं, CJP ने उनके एजेंडे को लपक लिया और सीधे ज्ञानेश कुमार का इस्तीफा मांग लिया. CJP ने सिर्फ चुनाव आयोग पर ही निशाना नहीं साधा, बल्कि विपक्षी पार्टियों के दोहरे रवैये की भी धज्जियां उड़ा दीं. वे सीधे पूछ रहे हैं कि अगर चुनाव में वाकई धांधली हो रही है, तो विपक्षी नेता गालियां देने के साथ-साथ उन्हीं चुनावों में पर्चा क्यों भरते हैं? वे चुनाव का बायकाट क्यों नहीं करते? इस एक जुमले से CJP ने खुद को लोकतंत्र का अकेला असली रखवाला है. जो चुनाव आयोग और ज्ञानेश कुमार को लेकर बेहद स्पष्ट है. जो SIR पर घुमा-फिराकर बात नहीं करता है। मुद्दा भले ही एक दिखता हो, लेकिन CJP का यह प्रोटेस्ट मुख्य विपक्षी पार्टियों के साथ कभी भी कदमताल नहीं कर सकता. सबसे कड़वी हकीकत यह है कि CJP कोई रजिस्टर्ड राजनीतिक दल नहीं है. चुनाव आयोग का संवैधानिक दायरा केवल मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों से संवाद करने का है, किसी अनरजिस्टर्ड प्रेशर ग्रुप से नहीं. CJP के पास ऐसा कोई कानूनी या संवैधानिक जरिया ही नहीं है, जिससे वह चुनाव आयोग के दफ्तर में बैठकर अपनी मांगें रख सके. सिवाय कोर्ट जाने के। दूसरी तरफ, कांग्रेस और बाकी विपक्षी दल जानते हैं कि संसद और कोर्ट-कचहरी के रास्ते अलग होते हैं. वे CJP के इस आक्रामक, अनियंत्रित और केवल मीम्स तक सीमित रहने वाले 'रील्स आंदोलन' से दूरी बनाकर ही चल रहे हैं, ताकि उन पर किसी अराजक गैंग का ठप्पा न लग जाए. जब CJP खुद कह चुकी है कि वे विपक्ष के साथ मंच साझा नहीं करेंगे, तो यह साफ है कि दोनों का रास्ता अलग है.

मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार का मामला पूरी तरह अलग है. वे किसी राजनीतिक दल की मेहरबानी से नहीं, बल्कि एक संवैधानिक और स्वायत्त संस्था के मुखिया के तौर पर ब्यूरोक्रेसी से वहां पहुंचे हैं. उनका पद किसी जनभावना, रील्स के ट्रेंड्स या चुनाव हारने-जीतने के डर से तय नहीं होता. संविधान के तहत मुख्य चुनाव आयुक्त को हटाने का एकमात्र रास्ता संसद में महाभियोग जैसी बेहद पेचीदा प्रक्रिया है, जो राष्ट्रपति के जरिए ही संभव है. जब तक आयोग के तीनों आयुक्त एकसुर में काम कर रहे हैं और कोई ठोस वैधानिक आधार नहीं है।

NEET पेपर लीक मामले में धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मिसाल देकर ज्ञानेश कुमार को कुर्सी से हटाने का सपना देखना गलत नहीं है. और ऐसा होना असंभव भी नहीं. लेकिन, दोनों मामलों में जमीन-आसमान का फर्क है. धर्मेंद्र प्रधान वाले मामले में लाखों छात्रों और उनके गुस्से का सीधा कनेक्शन था. सोनम वांगचुक जैसे गंभीर चेहरे के अनशन ने उसे एक नैतिक आधार दिया था. सबसे बड़ी बात यह थी कि धर्मेंद्र प्रधान एक राजनेता हैं और उनका मंत्री पद प्रधानमंत्री की कृपा और आगामी चुनाव के वोट बैंक पर टिका था. जब सरकार को लगा कि युवा वोटर खिसक सकता है, तो प्रधान को बैकफुट पर जाना पड़ा और उन्होंने इस्तीफा थमा दिया। लेकिन मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार का मामला पूरी तरह अलग है. वे किसी राजनीतिक दल की मेहरबानी से नहीं, बल्कि एक संवैधानिक और स्वायत्त संस्था के मुखिया के तौर पर ब्यूरोक्रेसी से वहां पहुंचे हैं. उनका पद किसी जनभावना, रील्स के ट्रेंड्स या चुनाव हारने-जीतने के डर से तय नहीं होता. संविधान के तहत मुख्य चुनाव आयुक्त को हटाने का एकमात्र रास्ता संसद में महाभियोग जैसी बेहद पेचीदा प्रक्रिया है, जो राष्ट्रपति के जरिए ही संभव है. जब तक आयोग के तीनों आयुक्त एकसुर में काम कर रहे हैं और कोई ठोस वैधानिक आधार नहीं है। इन तमाम संवैधानिक पेचीदगियों के बावजूद इतना तो कहा ही जा सकता है-"एक कचौरी, दो समोसा, मोदी सरकार के सरप्राइज का क्या भरोसा". प्रधान के इस्तीफे से एक दिन पहले तक सरकार ने ऐसा कोई संकेत नहीं दिया था कि वह झुकेगी।

बढ़ता फ्लैट कल्चर, घटती रिश्तों की गहराई

» जागरूक जनता
jagrukjanta.net

किशन वासवानी
पत्रकार
@jagrukjanta.net

नोएडा की सुपरनोवा इमारत से 28 वर्षीय सॉफ्टवेयर इंजीनियर संभव जैन की आत्महत्या की घटना को सिर्फ एक पारिवारिक विवाद, कर्ज या अवसाद की कहानी मानकर आगे बढ़ जाना समस्या का सरलीकरण है. पुलिस की शुरुआती जांच में इन सभी पहलुओं की चर्चा हुई है. बच्चे के समय से पहले जन्म और उसके इलाज पर परिवार के अनुसार करीब 40 लाख रुपये खर्च होना, वैवाहिक विवाद, तलाक की प्रक्रिया, आर्थिक दबाव और मानसिक तनाव आदि ने संभव की जिंदगी को मुश्किल बना दिया था. पर इन सबके पीछे वास्तव में असल कारण हमारे महानगरों में मल्टीस्टोरी बिल्डिंगों में स्थित फ्लैट कल्चर की बहुत बड़ी भूमिका सामने आ रही है. महानगर के लोग पहले ही अकेले पड़ते जा रहे थे अब फ्लैट संस्कृति उन्हें और ज्यादा अकेला बना रही है.

संभव की कहानी आज के शहरी भारत के लिए कोई असाधारण कहानी नहीं है. दिल्ली-एनसीआर, मुंबई, बेंगलुरु, हैदराबाद जैसे महानगरों में लाखों परिवार ऐसे अपार्टमेंट में रह रहे हैं, जहां आसपास हजारों लोग होते हैं, लेकिन मुश्किल समय में अपनेपन का दायरा बहुत छोटा होता जा रहा है. घर के दरवाजे बंद हैं, पड़ोसी से परिचय सीमित है और रिश्तेदारों से दूरी अक्सर इतनी अधिक है कि छोटी से छोटी पारिवारिक समस्या भी पति-पत्नी के बीच निजी संघर्ष बनकर रह जाती है.

नोएडा की सुपरनोवा इमारत को इस बदलती शहरी संस्कृति के एक प्रतीक के रूप में देखना होगा.यह इमारत खुद को उत्तर भारत की सबसे ऊंची इमारत के रूप में प्रचारित करती रही है. हालांकि अभी तक शायद यह इमारत अभी तक पूरी बन नहीं सकी है. बुर्ज खलीफा ने ऊंचाई को आधुनिक महानगर की महत्वाकांक्षा का प्रतीक बना दिया है. लेकिन इसी ऊंचाई के भीतर बनती जीवनशैली का दूसरा पहलू भी है. यहां के तमाम स्टूडियो अपार्टमेंट अब शॉर्ट-स्टे और Airbnb जैसे ठहराव विकल्पों के लिए इस्तेमाल होते हैं और कपल्स के लिए आकर्षण का केंद्र हैं. समान्य अपार्टमेंट्स की तुलना में यहां रेट करीब डबल हैं. स्टेटस सिंबल के लिए लोग इस तरह की इमारतों में अनाप शनाप खर्च करने को तैयार रहते हैं.

यह बताने का मकसद यहां किसी व्यक्ति या किसी खास वर्ग के निजी जीवन पर सवाल उठाना कतई नहीं है. सहमति से बने वयस्क रिश्ते अपने आप में सामाजिक अपराध नहीं हैं. असली सवाल उस बदलती शहरी संस्कृति का है, जिसमें स्थायी पड़ोस, पारिवारिक निगरानी और सामाजिक पहचान की जगह अस्थायी ठहराव, निजी स्पेस और गुमनाम रिश्ते तेजी से जगह बना रहे हैं। फ्लैट कल्चर ने निश्चित रूप से जीवन को सुविधाजनक बनाया है, लेकिन उसने परिवार के सामाजिक ढांचे को भी बदल दिया है. संयुक्त परिवारों में रहने की अपनी समस्याएं थीं।

प्रदर्शन में मीम, मुहावरे और स्लोगन

» जागरूक जनता
jagrukjanta.net

तुषार पुरोहित
पत्रकार
@jagrukjanta.net

आंदोलनों में नारों का अंदाज़ बदल रहा है. भारी-भरकम शब्दों की जगह युवा पीढ़ी मीम्स, फ़िल्मी डायलॉग और गानों के जरिए बेबाक तंज कस रही है। हालांकि शब्दों की गरिमा भंग नहीं होनी चाहिए। मुंबई के प्रदर्शन में 'वोट चुराया मेरा, किसने ओ सनम...' और 'ज्ञानेश ब्रो, रिजाइन दो' जैसे चुटीले पोस्टरों ने नए 'मीम-क्रान्ति' दौर की झलक दिखाई. जब भी कहीं विरोध या प्रदर्शन होता है, तो नारे सिर्फ तेज आवाज में बोले गए शब्द नहीं होते, बल्कि किसी भी आंदोलन की जान और उसकी सबसे बड़ी ताकत होते हैं. नारे भीड़ को एक मकसद से जोड़ते हैं और बड़ी से बड़ी बात को दो-चार असरदार शब्दों में कह देते हैं. तीखे नारे सीधे सत्ता में बैठे लोगों तक जनता का आक्रोश पहुंचाते हैं, प्रदर्शन खत्म भी हो जाए, तब भी नारे याद रह जाते हैं और उस पूरे आंदोलन की पहचान बन जाते हैं. आज की युवा पीढ़ी (Gen-Z) ने तो नारों के अंदाज़ को पूरी तरह से बदल दिया है. अब नारे भारी-भरकम शब्दों तक सीमित नहीं रहे, बल्कि वे सोशल मीडिया, मीम्स, मुहावरों और गानों के ज़रिए नए रूप में सामने आ रहे हैं.

इसका उदाहरण मुंबई के शिवाजी पार्क में मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ हुए प्रदर्शन में देखने को मिला. प्रदर्शनकारियों ने सोशल मीडिया के मीम्स, बॉलीवुड अंदाज में कहे गए संवादों और तंज के जरिए अपनी बात रखी. युवा प्रदर्शनकारी रंग-बिरंगे पोस्टर और बैनर लेकर प्रोटेस्ट करने पहुंचे. इनमें से कई पर फिल्मी डायलॉगनुमा नारे, वायरल रील, लोकप्रिय गानों का इस्तेमाल किया गया था.

कुछ पोस्टरों पर गाने के अंदाज में लिखा था 'वोट चुराया मेरा, किसने ओ सनम ज्ञानू ने'. 'वोट चुराया, चोरी-चोरी, चुपके-चुपके'. एक पोस्टर पर 'एक जीरा, दो अजवाइन, ज्ञानेश कुमार, दे दो रिजाइन' लिखा था. तो दूसरे पर 'ज्ञानेश ब्रो, इस्तीफा दो' लिखा था.

एक अन्य पोस्टर में मराठी में तंज कसा गया था 'ज्ञानू, तुझा डेमोक्रेसी वार भरोसा नाय का' यानी 'ज्ञानू, तुम्हें डेमोक्रेसी पर भरोसा नहीं है क्या?' प्रदर्शन कर रहे युवाओं ने जो पोस्टर थाम रखे थे, उनमें फिल्मी डायलॉग्स को भी चुटीले अंदाज में कहा गया था. एक पोस्टर पर लिखा था 'तुमसे न हो पाएगा'. 'ज्ञानू तो गयो'. प्रदर्शनकारियों ने इंटरनेट की भाषा का भी जमकर इस्तेमाल किया. बैनरों पर लिखा था- '13 करोड़ वोटर डिलीट... एरर 404, डेमोक्रेसी नॉट फाउंड', 'ज्ञानू मस्ट गो'. 'ज्ञानू जी, इट्स टाइम टू लॉग आउट'. इतना ही नहीं, Gen-Z इस प्रोटेस्ट को एंजॉय करते भी दिखे. एक पोस्टर पर लिखा था 'गर्मी बहुत है, वाटर कैनन चालू करो.' वहीं, सीधे निशाना साधते हुए एक बैनर में CEC का नया अर्थ गढ़ा गया 'चीफ इरेज़र कमिश्नर'. मुंबई और यूपी के लोकप्रिय नाश्ते का भी प्रदर्शन में मजाकिया अंदाज में इस्तेमाल हुआ. एक पोस्टर पर लिखा था 'एक कचौरी, दो चाय, ज्ञानेश कुमार बाय-बाय.' इस तरह के नारों का इस्तेमाल सिर्फ मुंबई के शिवाजी पार्क में ही नहीं हुआ, बल्कि दिल्ली में लेडी श्रीराम कॉलेज फॉर वुमन की छात्राओं ने भी हाल ही में प्रोटेस्ट किया, उनके हाथों में जो तख्तियां थीं, उन पर लिखे स्लोगंस ने भी ध्यान खींचा. इसमें 'एक सुट्टा दो चाय मर्द जात हाय-हाय', 'नारी अपने आप की, नहीं किसी के बाप की', 'एक कचौरी दो समोसा, इन मर्दों का क्या भरोसा', 'शर्म नहीं है मर्दों में, औरत क्यों है पर्दों में', 'मेरे सिर में दर्द है, इसका कारण मर्द है' सरीखे नारे लिखे हुए थे. दरअसल, एक वायरल 'मीम' या एक चुलबुला 'वन-लाइनर' किसी लंबे भाषण से ज़्यादा तेज़ी से असर करता है. पहले एक नारा बहुत प्रचिलित था 'जो रोज़ी-रोटी दे न सके, वो सरकार निकम्मी है'. लेकिन अब इसका स्वरूप बदल गया है. आज युवा 'हमसे भूल हो गई, पर अब और नहीं' जैसे डायरेक्ट मीम का इस्तेमाल करते हैं.

नारों की ताकत जानने के लिए अतीत में झांकें तो महात्मा गांधी के 'अंग्रेजों भारत छोड़ो', 'करो या मरो', नेताजी सुभाष चंद्र बोस के 'तुम मुझे खून दो, मैं तुम्हें आजादी दूंगा', भगत सिंह के 'इंकलाब जिंदाबाद' नारे ने युवाओं में देशप्रेम का ज़बरदस्त जोश भर दिया था. वहीं, लाल बहादुर शास्त्री ने 'जय जवान, जय किसान' नारा दिया था. देश के रक्षकों और अन्नदाताओं का हौसला बढ़ाने वाला यह नारा आज भी सबके दिल के करीब है. बाल गंगाधर तिलक के नारे 'स्वराज मेरा जन्मसिद्ध अधिकार है और मैं इसे लेकर रहूंगा' ने लोगों को अहसास कराया कि आज़ादी उनका हक है. आपातकाल के दौरान 'सिंहासन खाली करो कि जनता आती है' नारे ने सरकार को हिलाकर रख दिया था.

मसलन, एक दौर था जब भारी-भरकम शब्दों, जोश से भरी शायरी और गंभीर नारों का माहौल होता था, लेकिन आज की पीढ़ी का अंदाज़ अलग है. अब नारों में सिर्फ़ गुस्सा या निराशा नहीं, बल्कि एक खास किस्म की चुलबुलाहट, व्यंग्य और बेबाकी साफ झलकती है. आज का युवा बात तो गंभीर मुद्दे की करता है, लेकिन उसे पेश करने का तरीका बिल्कुल बदल गया है. पोस्टर पर अब कोई उबाऊ लाइन नहीं होती, बल्कि ऐसा मीम या फ़िल्मी संवाद होता है जो सीधा दिल पर लगे और चेहरे पर हल्की सी मुस्कान भी छोड़ जाए।

ओपिनियन

सोच का स्याह पक्ष : बेटों के मुकाबले बेटियां ही सरकारी स्कूलों की उम्मीद क्यो?

» जागरूक जनता
jagrukjanta.net

डॉ. मोनिका शर्मा
पत्रकार
@jagrukjanta.net

आज इक्कीसवीं सदी के तीसरे दशक में एक तरफ महिला सशक्तिकरण, बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ और लैंगिक समानता के बड़े-बड़े दावे देशभर में गूंज रहे हैं, वहीं देश के भीतर से आने वाली कुछ तस्वीरें हमें अपने ही अंतर्विरोधों का सामना करने पर मजबूर करती हैं। जमीनी हकीकत भी समाज के इन दावों को पूरी तरह खारिज कर उसे आईना दिखा रही है। राजस्थान के शिक्षा विभाग से सामने आए हालिया आंकड़े ऐसे ही भेदभाव का जीवंत उदाहरण बने हैं। यह केवल सरकारी स्कूलों में दाखिले की संख्या नहीं हैं, बल्कि यह हमारे समाज की गहरी रूढ़िवादी सोच और संकीर्ण मानसिकता का एक जीवंत दस्तावेज हैं। आंकड़े बयां कर रहे हैं कि आज भी परिवारों के लिए बेटा एक आर्थिक निवेश है, जबकि बेटी एक वित्तीय जिम्मेदारी या पराया धन।

प्रदेश के शिक्षा विभाग के आंकड़ों पर गौर करें तो यही तस्वीर सामने आती है। यहां के सरकारी स्कूलों में दाखिले के आंकड़ों की यह सच्चाई समाज को न सिर्फ सोचने पर मजबूर कर रही है, बल्कि यह शिक्षा की नीतियों से लेकर परिवारों की सोच भी सामने ला रही है, जो ये कहते हैं कि बेटे और बेटी में कोई फर्क नही। नामांकन आंकड़ों के अनुसार, सरकारी स्कूलों में छात्राओं की संख्या लगातार छात्रों से अधिक रही है, जो शिक्षा के अवसरों में लैंगिक अंतर की ओर संकेत करता है। यदि परिवार अपनी बेटियों को सरकारी और बेटों को निजी स्कूलों में भेजने का निर्णय आर्थिक मजबूरी, सामाजिक मान्यता या शिक्षा की गुणवत्ता को लेकर धारणा के आधार पर ले रहे हैं, तो यह केवल स्कूल चुनने का मामला नहीं है।

यह उस सोच का प्रतिबिंब है, जिसमें बेटे की शिक्षा को भविष्य का निवेश और बेटी की शिक्षा को आवश्यक जिम्मेदारी समझा जाता है। पहली नजर में यह लग सकता है कि बेटियां पढ़ाई में आगे बढ़ रही हैं, लेकिन इस सिक्कें का दूसरा पहलू बेहद स्याह है। हकीकत यह है कि ग्रामीण और अर्ध-शहरी इलाकों में यदि किसी परिवार में एक बेटा और एक बेटी है, तो माता-पिता अपने सीमित संसाधनों का इस्तेमाल बेटे को महंगे प्राइवेट स्कूलों में भेजने के लिए कर रहे हैं। वहीं, बेटियों को मुफ्त या कम खर्चीली शिक्षा के लिए सरकारी स्कूलों के भरोसे छोड़ दिया जाता है।

सिर्फ विज्ञापनों, पोस्टरों और नारों पर करोड़ों रुपए बहाने से पितृसत्तात्मक सोच की जड़ें नहीं हिलने वालीं। सरकार योजनाएं बना सकती है, स्कूल खोल सकती है और छात्रवृत्तियां दे सकती है, लेकिन परिवार की सोच में बदलाव के बिना शिक्षा की समानता अधूरी रहेगी।

शिक्षा विभाग के आंकड़ों के अनुसार वर्ष 2023-24 में सरकारी स्कूलों में 38,40,925 छात्र और 42,91,737 छात्राएं थीं यानी छात्राओं की संख्या छात्रों से 4,50,812 अधिक थी। वर्ष 2024-25 में छात्रों की संख्या घटकर 35,24,563 रह गई, जबकि छात्राओं की संख्या 40,37,324 थी। इस साल दोनों के बीच अंतर बढ़कर 5,12,761 हो गया। वर्ष 2025-26 में सरकारी स्कूलों में 34,04,419 छात्र और 39,08,190 छात्राएं दर्ज की गईं। इस वर्ष भी छात्राओं की संख्या छात्रों से 5,03,771 अधिक रही। इन तीन वर्षों में एक महत्वपूर्ण बात यह भी है कि सरकारी स्कूलों में छात्र और छात्राएं, दोनों की संख्या में गिरावट आई है, लेकिन छात्राओं की संख्या छात्रों से अधिक ही बनी हुई है। हालांकि इसका अर्थ यह नहीं कि बेटियों के लिए शिक्षा की सभी बाधाएं समाप्त हो गई हैं, बल्कि यह संकेत है कि सरकारी स्कूल आज भी बड़ी संख्या में बेटियों की शिक्षा का आधार बने हुए हैं।

स्कूलों के नामांकन से यह सच्चाई सामने आ रही है कि कई परिवार बेटी और बेटे के लिए अलग-अलग स्कूल चुनते हैं। इस अंतर के पीछे सबसे बड़ा कारण आर्थिक स्थिति और शिक्षा की गुणवत्ता को लेकर बनी सामाजिक धारणा हो सकती है। निजी स्कूलों को अंग्रेजी माध्यम, बेहतर संचार कौशल, प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी और रोजगार के अवसरों से जोड़कर देखा जाता है। कई अभिभावक मानते हैं कि बेटे को निजी स्कूल में पढ़ाने से उसके भविष्य की संभावनाएं बढ़ेंगी। वहीं बेटी के मामले में सरकारी स्कूल को पर्याप्त मान लिया जाता है। यह सोच कई बार जानबूझकर किए गए भेदभाव के रूप में नहीं, बल्कि परिवार की प्राथमिकताओं और सीमित संसाधनों के बीच लिए गए निर्णय के रूप में भी सामने आती है।

ग्रामीण और निम्न आय वाले परिवारों में यह अंतर और जटिल हो जाता है। एक ही परिवार के दो बच्चों की फीस वहन करना संभव नहीं होने पर अभिभावक बेटे को निजी स्कूल और बेटी को सरकारी स्कूल में दाखिला दिला सकते हैं। बेटी की सुरक्षा, स्कूल की दूरी, परिवहन और सामाजिक परंपराएं भी उसके स्कूल चयन को प्रभावित करती हैं। हालांकि दूसरी ओर, सरकारी स्कूलों में छात्राओं की अधिक संख्या एक सकारात्मक पक्ष भी है। छात्रवृत्ति, निशुल्क पाठ्यपुस्तकें, पोषण योजनाएं और साइकिल जैसी सुविधाओं ने बेटियों की शिक्षा जारी रखने में सहायता की है, लेकिन इस व्यवस्था का सामाजिक असर दूरगामी हो सकता है। यदि परिवार अनजाने में भी बेटों को बेहतर शैक्षिक संसाधन उपलब्ध कराते हैं, तो आगे चलकर दोनों के आत्मविश्वास, भाषा कौशल, डिजिटल दक्षता और रोजगार के अवसरों में अंतर पैदा हो सकता है।

सवाल ये भी है कि बेटी पढ़ तो रही होगी, लेकिन क्या उसे वही अवसर मिल रहे हैं, जो बेटे को मिल रहे हैं? यही इस बहस का सबसे महत्वपूर्ण प्रश्न है। इसका असर केवल लड़कियों तक सीमित नहीं रहेगा। बेटों को बेहतर शिक्षा का प्राथमिक अधिकार देने वाली सोच उन्हें भी एक असमान सामाजिक व्यवस्था का हिस्सा बनाती है, जहां शिक्षा का मूल्य समान अवसर के बजाय लिंग के आधार पर तय होता है। लंबे समय में यह सोच महिलाओं की आर्थिक आत्मनिर्भरता, निर्णय लेने की क्षमता और कार्यक्षेत्र में भागीदारी को प्रभावित कर सकती है। समाज में समानता का आधार केवल बेटियों का स्कूल पहुंचना नहीं, बल्कि उन्हें समान गुणवत्ता वाली शिक्षा और आगे बढ़ने के समान अवसर मिलना है।

पंचांग

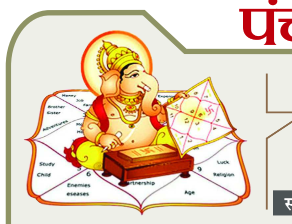

ज्योतिर्विद् अक्षय शास्त्री

साकेत पंचांग, अन्तरराष्ट्रीय स्वर्ण पदक विजेता

जागरूक जनता पंचांग, नक्षत्र, तिथि, चौघड़िया

सूर्योदय-सूर्यास्त, तिथि

बुधवार, 07/10/2026

सूर्योदय : 06:25 **सूर्यास्त** : 18:03 **चन्द्रोदय** : 02:55 **चन्द्रास्त** : 16:05 **शक सम्वत** : 1948 पराभव **विक्रम संवत** : 1983 सिद्धार्थी **अमान्ता महीना** : भाद्रपद **पूर्णिमांत** : आश्विन **सूर्य राशि** : कन्या **चन्द्र राशि** : सिंह **पक्ष** : कृष्ण **तिथि** : द्वादशी, 23:18 तक **वार** : बुधवार **कलियुग** : 5127 वर्ष **द्रिक ऋतु** : शरद **द्रिक-वैदिक अयन** : दक्षिणायन

नक्षत्र, योग, करण

नक्षत्र : मघा, 21:38 तक
योग : शुभा, 26:45 तक
प्रथम करण : कौवाला, 11:55 तक
द्वितीय करण : तैतिल, 23:18 तक

शुभ समय

ब्रह्म मुहूर्त	04:39 ए एम से
प्रातः सन्ध्या	05:04 ए एम से
अभिजित मुहूर्त	कोई नहीं
विजय मुहूर्त	02:06 पी एम से
गोधूलि मुहूर्त	06:00 पी एम से
सायाह्न सन्ध्या	06:00 पी एम से
अमृत काल	07:20 पी एम से
निशिता मुहूर्त	11:44 पी एम से 12:34 ए एम, अक्टूबर 08

निवास और शूल

दिशा शूल : उत्तर में
राहु काल वास दक्षिण-पश्चिम में
होमाहुति : केतु
कुंभ चक्र: कण्ठ

चौघड़िया

दिन का चौघड़िया	
लाभ	: 06:25 - 07:52
अमृत	: 07:52 - 09:19
काल काल वेला	: 09:19 - 10:46
शुभ	: 10:46 - 12:13
रोग वार वेला	: 12:13 - 13:40
उद्वेग	: 13:40 - 15:07
चर	: 15:07 - 16:35
लाभ	: 16:35 - 18:02

रात का चौघड़िया	
उद्वेग	: 18:02 - 19:35
शुभ	: 19:35 - 21:08
अमृत	: 21:08 - 22:41
चर	: 22:41 - 00:13
रोग	: 00:13 - 01:46
काल	: 01:46 - 03:19
लाभ	: 03:19 - 04:52
उद्वेग	: 04:52 - 06:25

अमृत, शुभ, लाभ और चर को शुभ चौघडिया माना जाता है एवं उदवेग, काल एवं रोग को अशुभ चौघडिया माना जाता है।

आज द्वादशी

आज कौन सा कार्य करें

द्वादशी : यात्रादि को छोड़कर सभी धार्मिक शुभ कार्य किये जा सकते हैं।

बुधवार को क्या करें

बुधवार की प्रकृति चर और सौम्य मानी गई है। यह भगवान गणेश और दुर्गा का दिन है। कमजोर मस्तिष्क वालों को बुधवार के दिन उपवास रखना चाहिए।

ये कार्य करें :- सूखे सिंदूर का तिलक लगाएं। बुधवार को दुर्गा के मंदिर जाना चाहिए। पूर्व, दक्षिण और नैऋय दिशा में यात्रा कर सकते हैं। इस दिन जमा किए गए धन में बरकत रहती है। मंत्रणा, मंथन और लेखन कार्य के लिए भी यह दिन उचित है। ज्योतिष, शेयर, दलाली जैसे कार्यों के लिए भी यह दिन शुभ माना गया है।

यह कार्य न करें:- उत्तर, पश्चिम और ईशान में यात्रा न करें। बुधवार को धन का लेन-देन नहीं करना चाहिए। बुधवार को लड़की की माता को सिर नहीं धोना चाहिए, ऐसा करने से लड़की का स्वास्थ्य बिगड़ता है या उसके समक्ष कोई कष्ट आता है।

नोट : शुक्ल पक्ष में एक से पंचमी तक तिथियां अशुभ कही गई हैं, क्योंकि इन तिथियों में चंद्रमा क्षीण बल होता है और चंद्र बल उन दिनों नहीं रहने से कार्य सफल नहीं होते हैं। इसी प्रकार कृष्ण पक्ष की एकादशी से अमावस्या तक तिथियों में चंद्र बल क्षीण होने से शुभ कार्य नहीं करने चाहिए।

राशिफल

भाद्रपद, कृष्ण, द्वादशी, 2083 बुधवार, 7 अक्टूबर - 13 अक्टूबर, 2026

मेष [चू, चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, अ]
कम समय में अधिक आर्थिक लाभ प्राप्त कर सकेंगे। मध्यान पश्चात मित्र-परिजनों के साथ मनोरंजन के अवसर मिलेंगे धार्मिक कार्यो में भी उपस्थिति देंगे। उत्तम भोजन वाहन सुख मिलेगा।

तुला [रा, री, रू, रे, रो, ता, ती, तू, ते]
संतान से पुराने मतभेद उभरने से पारिवारिक वातावरण अशान्त होगा। आर्थिक स्थिति बिगड़ने से कर्ज लेना पड़ सकता है। कार्य क्षेत्र पर आरंभिक बिक्री के बाद आज उदासीनता छायी रहेगी।

वृषभ [ई,उ, ए, ओ, वा, वी, वु, वे, वो]
क्रय-विक्रय के व्यापार से लाभ होगा विदेशी वस्तुओ के व्यापार में निवेश आगे के लिये लाभदायक रहेगा। प्रेम प्रसंगों में सम्बन्ध बिगड़ेंगे। संध्या बाद असंयमित दिनचर्या से थकान रहेगी।

वृश्चिक [तो,ना,नी, नू,या,यी,यू]
नौकरी पेशाओ को अतिरिक्त कार्य मिलने से असुविधा होगी काम लापरवाही से करेंगे। मित्रो के साथ बाहर घूमने का अवसर मिलेगा। ससुराल से लाभ होगा। पारिवारिक दायित्व बढ़ने से व्यस्तता रहेगी।

मिथुन [क, की,कु,घ, ड,छ,के,को,ह]
आकस्मिक यात्रा के योग बनेंगे यात्रा में चोटादि का भय है सावधान रहें। सरकारी दस्तावेजो को संभाल कर रखें। संतान के कारण हानि हो सकती है। विदेशी अथवा दूर रहने वाले व्यक्ति से लाभ हो सकता है।

धनु [ये, यो, भा, भी, भू, धा, फ, ढ, भे]
नौकरीपेशा जातको को मेहनत का फल मिलेगा। विरोधियो पर विजय प्राप्त करेंगे। शुभ समाचार मिलने से मन प्रसन्न रहेगा। साहित्यकार, लेखक एवं पत्रकारों के लिए सप्ताह विशेष लाभदायक रहेगा।

कर्क [हि, हू, हे, हो, डा, डी, डू, डे, डो]
कार्य क्षेत्र या घर में परिवर्तन अथवा साज सज्जा में बदलाव भी कर सकते है समाज के प्रतिष्ठित लोगो से सम्मान मिलेगा लेकिन आर्थिक लाभ थोड़ा विलम्ब से होगा। दाम्पत्य सुख उत्तम रहेगा।

मकर [भो, जा,जी, जू, खा, खू, गा, गी,]
परिजनों के साथ मित्रवत व्यवहार रहेगा। पारिवारिक दायित्वों की पूर्ति के कारण खर्च बढ़ने से असहज अनुभव करेंगे। उधार से बचे। सेहत ठीक रहेगी। आलस्य का वातावरण रहेगा।

सिंह [मा, मी, मू, मे, मो, टा, टी, टु, टे]
व्यवहार कुशलता व संतोषि स्वभाव से सम्मानित होंगे। उधारी वसूलने में परेशानी आ सकती है। घर में मेहमानों के आने से वातावरण आनंदित होगा। पारिवारिक खर्च बढ़ने से परेशानी भी होगी।

कुंभ [गू, गे, गो,सा, सी, सू, से, सो, दा]
नए कार्यो का आरंभ आज ना करें ना ही किसी को उधार दें। इसके बाद परिवार के सदस्यों का सहयोग मिलने लगेगा लेकिन घरेलू आवश्यकताओं को नजरअंदाज करने से अशांति बढ़ेगी।

कन्या [टो, पा, पी, पू, ष, ण, ठ, पे, पो]
मित्र परिजनों के साथ ज्यादा समय बिताना पसंद करेंगे। फिजूल खर्ची से बचें। शारीरिक स्वास्थ्य अच्छा रहने से सप्ताह उत्साह पूर्ण रहेगा।

मीन [दी, दू, थ, झ, ञ, दे, दो, चा, चि]
आर्थिक लाभ के लिए अधिक प्रयत्न करना पड़ेगा मध्यान के समय किसी मनोकामना की पूर्ति होने से प्रसन्न रहेंगे।

आचार्य राजेश शास्त्री, जयपुर

जरूरतमंदों की सेवा में बाबा फाउंडेशन ट्रस्ट का बेहतरीन प्रयास

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। बाबा फाउंडेशन ट्रस्ट की ओर से बीते दिनों राजधानी के विभिन्न क्षेत्रों में जरूरतमंद लोगों के लिए फूड डोनेशन कैंप का आयोजन किया गया। इस दौरान संस्था के सदस्यों एवं सहयोगियों ने जरूरतमंद लोगों को भोजन वितरित कर मानव सेवा का संदेश दिया। कार्यक्रम को सफल बनाने में शहरवासियों एवं ग्रामीण क्षेत्रों के लोगों का महत्वपूर्ण सहयोग रहा। बड़ी संख्या में लोगों ने अपनी क्षमता के अनुसार सहयोग प्रदान किया, जिसके चलते यह सेवा कार्य सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।

संस्था अध्यक्ष अंकित जसोरिया ने कहा की जरूरतमंद और असहाय लोगों की सेवा करना केवल सामाजिक जिम्मेदारी ही नहीं, बल्कि मानवता के प्रति हमारा कर्तव्य भी है। समाज के प्रत्येक व्यक्ति को अपनी क्षमता के अनुसार जरूरतमंद लोगों की मदद के लिए आगे आना चाहिए। उन्होंने कहा कि संस्था का उद्देश्य केवल भोजन या सहायता उपलब्ध कराना नहीं, बल्कि समाज में सेवा, सहयोग और मानवता की भावना को मजबूत करना है। जरूरतमंद लोगों के चेहरों पर मुस्कान देखकर उन्हें आत्मिक संतोष मिलता है और यही सेवा कार्यों को आगे बढ़ाने की प्रेरणा देता है। अंकित जसोरिया ने कहा कि यदि इसी प्रकार लोगों का सहयोग और समर्थन मिलता रहा तो बाबा फाउंडेशन ट्रस्ट द्वारा भविष्य में भी जयपुर सहित विभिन्न स्थानों पर ऐसे सेवा कार्य निरंतर आयोजित किए जाते रहेंगे। कार्यक्रम के मीडिया पार्टनर 'जागरूक जनता' रहा। वहीं कार्यक्रम के प्रमोटर्स में Mehai Edutech, Anamika Computers, Vastra Narnaul, Sez Mithas, Bharat Coders एवं Iz Software का सहयोग रहा।

कार्यक्रम को सफल बनाने में मिहाई एड्यूटेक के चेयरमैन डा. गौरव शर्मा का महत्वपूर्ण योगदान रहा। उनकी 2-3 दिन की मेहनत से कार्यक्रम सफलता पूर्वक हुआ । साथ ही अशोक कुम्हार, संजय ज्योतिषी एवं विकास करीर ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। इसके अलावा शहर एवं ग्रामीण क्षेत्रों के कई भामाशाहों जैसे डा. आयुष गुप्ता, गणेश अग्रवाल, भवानी शंकर, रवि चौधरी, अंकित जैन, इंद्रा वर्मा, प्रियंका सेन नारनौल, कोमल सेन, सरोज देवी, रामकिशन कुमावत, राकेश योगी, देशराज धोलीवाल, अजीत कुमार ज्योतिषी, दीपक सैनी, नितेश चांगिल, महेश सैन, रामवीर गुर्जर व अनेक लोगो ने भी आगे आकर अपना योगदान दिया।

बाबा फाउंडेशन ट्रस्ट ने सभी सहयोगियों, भामाशाहों एवं आमजन का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि समाज के जरूरतमंद वर्ग की सेवा के लिए भविष्य में भी ऐसे कार्यक्रम लगातार आयोजित किए जाएंगे।

राज्य स्तरीय स्कूल वेटलिफ्टिंग प्रतियोगिता में साई जयपुर सेंटर के खिलाड़ियों का उत्कृष्ट प्रदर्शन

पांच खिलाड़ियों का राष्ट्रीय स्तर की SGFI चैंपियनशिप के लिए चयन

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। भारतीय खेल प्राधिकरण (SAI) के जयपुर सेंटर के वेटलिफ्टिंग खिलाड़ियों ने हाल ही में आयोजित राज्य स्तरीय स्कूल वेटलिफ्टिंग प्रतियोगिता में शानदार प्रदर्शन करते हुए विभिन्न वर्गों में कुल 9 पदक अपने नाम किए। खिलाड़ियों ने प्रतियोगिता में 5 स्वर्ण, 2 रजत एवं 2 कांस्य पदक जीतकर सेंटर का गौरव बढ़ाया। साई जयपुर सेंटर के वेटलिफ्टिंग कोच कुलदीप सिंह शेखावत ने बताया कि सहायक निदेशक साहिला सासन एवं सेंटर इंचार्ज जॉय चाको के निर्देशन में खिलाड़ियों को नियमित रूप से प्रतिदिन प्रशिक्षण दिया जा रहा है। प्रशिक्षण के दौरान खिलाड़ियों की शारीरिक क्षमता, तकनीक, फिटनेस तथा प्रतियोगिताओं की तैयारी पर विशेष ध्यान दिया जाता है। इसी नियमित अभ्यास एवं बेहतर प्रशिक्षण का परिणाम है कि खिलाड़ियों ने राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में शानदार प्रदर्शन किया। कोच शेखावत ने बताया कि प्रतियोगिता में दीपांशु राणा, आयुष कुमार, यश पवार, अंशुल एवं आलोक कुमार ने शानदार प्रदर्शन करते हुए स्वर्ण पदक हासिल किए। वहीं रावेंद्र एवं प्रियांशु ने रजत पदक प्राप्त किए। इसके अलावा आग्निक एवं रितेश नायक ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए कांस्य पदक अपने नाम किए। प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले दीपांशु राणा, आयुष कुमार, यश पवार, अंशुल एवं आलोक कुमार का चयन स्कूल गेम्स फेडरेशन आफ इंडिया (SGFI) की राष्ट्रीय स्तर की चैंपियनशिप के लिए हुआ है। राष्ट्रीय स्तर की यह प्रतियोगिता 26 नवंबर से मणिपुर में आयोजित की जाएगी। राष्ट्रीय प्रतियोगिता के लिए चयनित खिलाड़ियों से बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद है।

कोच कुलदीप सिंह शेखावत ने बताया कि साई जयपुर सेंटर में खिलाड़ियों के लिए विश्वस्तरीय उपकरण एवं उत्कृष्ट खेल इन्फ्रास्ट्रक्चर उपलब्ध है। यहां खिलाड़ियों के खेल कौशल एवं प्रदर्शन में सुधार के लिए विशेषज्ञों द्वारा नियमित एवं वैज्ञानिक प्रशिक्षण दिया जाता है। सेंटर का उद्देश्य खिलाड़ियों को बेहतर सुविधाएं, उचित पोषण एवं गुणवत्तापूर्ण प्रशिक्षण प्रदान कर उन्हें उच्च स्तर की प्रतियोगिताओं के लिए तैयार करना है। इस अवसर पर कबड्डी कोच राहुल कुमार सहित सेंटर का समस्त स्टाफ उपस्थित रहा।

डॉ. धाकड़ के नेतृत्व में टीम को मिली सफलता

प्रदेश में पहली बार एक साथ 7 रोगियों के 13 जोड़ प्रत्यारोपित

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। सवाई मान सिंह चिकित्सालय के अस्थि रोग विभाग के चिकित्सकों ने जोड़ प्रत्यारोपण के क्षेत्र में एक नवीन आयाम एवं कीर्तिमान स्थापित किया है। अस्थि रोग विभाग की चतुर्थ इकाई के प्रमुख एवं वरिष्ठ आचार्य डॉ अनुराग धाकड़ ने बताया कि बीते दिनों अस्थि रोग विभाग में सात रोगियों के 13 जोड़ प्रत्यारोपित किए गए। 13 जोड़ों में 12 घुटने के एवं एक कूल्हे का जोड़ प्रत्यारोपित किए गए है । ये सभी 13 जोड़ 6 घंटे (प्रातः 8 बजे से दोपहर 2 बजे के दौरान) में प्रत्यारोपित किए गए जो कि राजस्थान राज्य के किसी भी राजकीय मेडिकल कॉलेज में तो पहली बार है ही संभवतः राष्ट्र के किसी भी राजकीय मेडिकल कॉलेज में भी पहली बार संभव हो पाया है। यह प्रयास सवाई मान सिंह चिकित्सालय के अस्थि रोग विभाग के शल्य चिकित्सकों की जोड़ प्रत्यारोपण के क्षेत्र में निपुणता को दर्शाता है। ये सभी जोड़ रोगियों को राज्य सरकार की मुख्यमंत्री आयुष्मान आरोग्य योजना (मा) के अंतर्गत निःशुल्क उपलब्ध कराए गए हैं। सभी रोगी पूर्ण रूप से स्वस्थ हैं तथा ऑपरेशन के दूसरे ही दिन से चल फिर रहें । ऑपरेशन करने वाले चिकित्सक दल में डॉ अनुराग धाकड़ (वरिष्ठ आचार्य), डॉ मुकेश असवाल (सहायक आचार्य), डॉ क्षितिज अग्रवाल (सहायक आचार्य), डॉ रिपुंजय अग्रवाल (सीनियर रेजिडेंट) डॉ प्रमोद (सीनियर रेजिडेंट) डॉ युवराज, डॉ अक्षय, डॉ सचिन (रेजिडेंट) सम्मिलित हैं। इन सभी ऑपरेशन में ऐनेस्थेसिया डॉ श्रीफल मीणा (वरिष्ठ आचार्य निश्चेतना), डॉ ममता खंडेलवाल (वरिष्ठ आचार्य) एवं डॉ भागचंद जैन के नाम प्रमुख हैं।

आयोग ने धनतेरस पर्व के दौरान धार्मिक आस्था और जनभावनाओं का रखा ध्यान

धनतेरस के चलते पंचायत चुनाव कार्यक्रम में बदलाव, तीन चरणों को किया रिशेड्यूल

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। पंचायत चुनाव कार्यक्रम में राज्य निर्वाचन आयोग की ओर से बड़ा बदलाव किया गया है. धनतेरस पर्व को देखते हुए राजस्थान में पंचायत चुनाव के कार्यक्रम में यह बदलाव किया गया है. धार्मिक आस्था और जन भावनाओं को ध्यान में रखते हुए राज्य निर्वाचन आयोग ने पहले, दूसरे और तीसरे चरण की पोलिंग पार्टियों के प्रस्थान की तारीख एक दिन पहले कर दी है, मतदान और नामांकन समेत कार्यक्रम की अन्य तिथियां चुनाव आयोग के नए निर्धारित कायक्रम के अनुसार होंगी.

धार्मिक आयोजन के चलते बदलाव

राज्य निर्वाचन आयोग के आयुक्त राजेश्वर सिंह के अनुसार केवल पोलिंग पार्टियों के प्रस्थान की तारीखों में बदलाव किया गया है और तीसरे चरण में पंच-सरपंच तथा उप सरपंच चुनाव से संबंधित तारीखों को भी संशोधित कार्यक्रम में स्पष्ट किया गया है. आयोग ने कहा है कि शेष घोषित चुनाव कार्यक्रम यथावत रहेगा. आयोग ने धनतेरस पर्व के दौरान धार्मिक आस्था और जनभावनाओं को ध्यान में रखते हुए यह संशोधन किया है.

संशोधित कार्यक्रम के अनुसार

पहले चरण की पोलिंग पार्टियां अब 21 अक्टूबर को रवाना होंगी. जिला परिषद और पंचायत समिति सदस्यों के लिए 22 अक्टूबर को मतदान होगा. इसके बाद 23 अक्टूबर को पंच और सरपंच पदों के लिए नामांकन , वहीं 24 अक्टूबर को मतदान कराया जाएगा. उप सरपंच का चुनाव 25 अक्टूबर को होगा. दूसरे चरण की पोलिंग पार्टियां 27 अक्टूबर को रवाना होंगी. जिला परिषद और पंचायत समिति सदस्यों के लिए 28 अक्टूबर को मतदान होगा. पंच-सरपंच के लिए 29 अक्टूबर को नामांकन और 30 अक्टूबर को मतदान होगा. उप सरपंच का चुनाव 31 अक्टूबर को कराया जाएगा.

तीसरे चरण में 3, 5 नवंबर को मतदान

तीसरे चरण में पोलिंग पार्टियों का प्रस्थान अब 2 नवंबर को होगा. जिला परिषद और पंचायत समिति सदस्यों के लिए 3 नवंबर को मतदान कराया जाएगा. पंच और सरपंच पदों के लिए 4 नवंबर को नामांकन और 5 नवंबर को मतदान होगा. इसके बाद 6 नवंबर को पूर्वाह्न में उप सरपंच का अप्रत्यक्ष चुनाव होगा।

वयोवृद्ध जनों के लिए सार्थक प्रयास फाउंडेशन द्वारा विशेष गरबा उत्सव

जयपुर @ जागरूक जनता। सार्थक प्रयास फाउंडेशन के सौजन्य से मातोश्री वृद्धाश्रम, जयपुर में वयोवृद्ध जनों के लिए दिनांक 30 सितंबर 2026 से 10 अक्टूबर तक नियमित गरबा अभ्यास कराया जा रहा है। मुख्य आयोजन 11 अक्टूबर को मातोश्री वृद्धाश्रम में ही किया जायेगा। इस आयोजन का संचालन सार्थक प्रयास फाउंडेशन की संचालिका उषा परिहार के माध्यम से किया जा रहा है। गरबा अभ्यास के माध्यम से वृद्धाश्रम में निवासरत वयोवृद्ध जनों को उत्साह, उमंग और मनोरंजन से जोड़ने का प्रयास किया जा रहा है। उम्र के इस पड़ाव पर भी उनके भीतर छिपी प्रतिभा और उत्साह को मंच प्रदान करना इस आयोजन का विशेष उद्देश्य है। मुख्य कार्यक्रम में वृद्धाश्रम के वयोवृद्ध जन पूरे उत्साह के साथ गरबा प्रस्तुत करेंगे। प्रतिभागियों का उत्साहवर्धन करने के लिए बेस्ट डांसर सहित विभिन्न पुरस्कार भी प्रदान किए जाएंगे। इसके अलावा बेस्ट डांसर पुरस्कार, बेस्ट ड्रेसअप पुरस्कार, वयोवृद्ध प्रतिभागियों के लिए विशेष सम्मान एवं पुरस्कार, गरबा एवं सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ और आनंद, उत्साह और अपनत्व से भरा विशेष आयोजन किया जायेगा। सार्थक प्रयास फाउंडेशन का यह आयोजन वरिष्ठजनों के जीवन में खुशियाँ, उत्साह और सकारात्मक ऊर्जा भरने की एक सराहनीय पहल है।

न्यायालय ने आरोपी को किया दोषमुक्त

13 साल जेल में रहने के बाद हाईकोर्ट से हत्या के आरोपी को मिली बरी होने की राहत

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। राजस्थान हाईकोर्ट की जयपुर बेंच ने करीब 13 वर्षों से जेल में बंद हत्या के आरोपी रामभरोस साहनी को बड़ी राहत देते हुए उसकी आपराधिक अपील स्वीकार कर ली। न्यायालय ने ट्रायल कोर्ट द्वारा सुनाई गई आजीवन कारावास की सजा को निरस्त करते हुए आरोपी को दोषमुक्त कर दिया और अन्य किसी मामले में आवश्यकता नहीं होने पर उसे तत्काल रिहा करने के निर्देश दिए।

मामला वर्ष 2013 का है। 18 जून 2013 को जयपुर के नाहरगढ़ रोड थाना क्षेत्र में एक महिला का शव उसके किराए के कमरे में मिला था। महिला के गले पर चाकू से चोट के निशान बताए गए थे। घटना के बाद उसके पति रामभरोस साहनी के मौके से नहीं मिलने पर उसके विरुद्ध हत्या का मामला दर्ज किया गया। पुलिस ने जांच के बाद भारतीय दंड संहिता की धारा 302 के तहत आरोप-पत्र पेश किया।

आरोपी को 25 जून 2013 को गिरफ्तार किया गया। मुकदमे के दौरान अभियोजन पक्ष ने 12 गवाहों के बयान करवाए और 42 दस्तावेज प्रदर्शित किए। ट्रायल कोर्ट ने 26 अप्रैल 2017 को आरोपी को हत्या के अपराध में दोषी मानते हुए आजीवन कारावास तथा 20 हजार रुपये जुर्माने की सजा सुनाई।

इसके बाद आरोपी की ओर से अधिवक्ता हरि किशन सैनी ने राजस्थान हाईकोर्ट, जयपुर में आपराधिक अपील प्रस्तुत की। हाईकोर्ट की खंडपीठ, माननीय न्यायाधीश महेंद्र कुमार गोयल एवं माननीय न्यायाधीश संदीप तनेजा ने मामले की सुनवाई के बाद 23 सितंबर 2026 को निर्णय सुनाया। हाईकोर्ट ने अपने निर्णय में कहा कि अभियोजन का पूरा मामला परिस्थितिजन्य साक्ष्य पर आधारित था और घटना का कोई प्रत्यक्षदर्शी नहीं था। न्यायालय ने पाया कि अभियोजन पक्ष आरोपी और मृतका के बीच अंतिम बार साथ देखे जाने की परिस्थिति को विश्वसनीय रूप से साबित नहीं कर पाया। साथ ही कथित चाकू और खून लगे कपड़े की बरामदगी को लेकर भी गवाहों के बयानों में गंभीर विसंगतियां सामने आईं।

न्यायालय ने यह भी कहा कि केवल आरोपी का घटना के बाद कुछ दिनों तक मौके से अनुपस्थित रहना, जब अभियोजन परिस्थितियों की पूरी कड़ी साबित करने में असफल रहा हो, अपने आप में दोषसिद्धि का आधार नहीं बन सकता।

हाईकोर्ट ने निष्कर्ष निकाला कि अभियोजन आरोपी के विरुद्ध अपराध सिद्ध करने वाली परिस्थितियों की ऐसी पूर्ण श्रृंखला स्थापित करने में असफल रहा, जिससे केवल आरोपी के दोषी होने का निष्कर्ष निकलता हो। इसके चलते अदालत ने ट्रायल कोर्ट का 26.04.2017 का दोषसिद्धि एवं सजा का निर्णय निरस्त करते हुए अपील स्वीकार कर ली और रामभरोस साहनी को आरोप से बरी कर दिया।

अदालत ने निर्देश दिया कि यदि आरोपी किसी अन्य मामले में वांछित नहीं है तो उसे तत्काल रिहा किया जाए। इस प्रकार 25 जून 2013 से जेल में बंद आरोपी ने लगभग 13 वर्ष जेल में बिताने के बाद हाईकोर्ट के फैसले से बरी होने की राहत प्राप्त की।

कार्यालय नगर परिषद् जैसलमेर (राज.) 345001

क्रमांक / क.ब./2026-27 / 862 दिनांकः- 29/09/2026

-:: प्रसारित नोटिस उजरदारी ::-

श्री बद्री प्रसाद पुरोहित पुत्र श्री केशरी मल पुरोहित जाति ब्राह्मण निवासी ग्राम / पोस्ट चांधन तहसील व जिला जैसलमेर राज द्वारा एक आवेदन पत्र पेश कर निवेदन किया है कि भूखण्ड संख्या ई-05 साईज 20 गुणा 45 - 900 वर्गफीट गफूर भट्टा कच्ची बस्ती जैसलमेर को श्री मधुकर माथुर पुत्र श्री भगवानदास निवासी गफूर भट्टा कच्ची बस्ती से जरिए पंजीकृत आम बेचाननामा से प्राप्त किया है। उक्त भूखण्ड श्री बद्री प्रसाद पुरोहित पुत्र श्री केशरी मल पुरोहित जाति ब्राहमण निवासी ग्राम / पोस्ट चांधन तहसील व जिला जैसलमेर राज द्वारा अपने नाम से दर्ज करवाना चाहता है।

अतः इस सम्बंध में किसी व्यक्ति / पार्टी को कोई उजर ऐतराज हो तो वह इस कार्यालय में 7 दिवस के भीतर पेश करे अन्यथा बाद म्याद कोई ऐतराज मान्य नहीं होगा तथा नामान्तरण की कार्यवाही कर दी जावेगी । सूचित रहे ।

आयुक्त, नगर परिषद् जैसलमेर

AI Images

मेरा बच्चा टॉपर बने... सभी पैरेंट्स की यही ख्वाहिश होती है। IIT, IIM में सिलेक्शन हो गया तो लाइफ सेट है। बचपन से इसी मंत्र को जब माइंड में भरा जाता है तो उसे यह समझ ही नहीं आता कि पढ़ाई से हटकर उसकी पहचान कुछ और है भी या नहीं। जब ऐसे बच्चे असली दुनिया में जाते हैं तो कई तरह की परेशानियों से जूझते हैं। आखिर पैरेंट्स क्या करें कि पढ़ाकू जीनियस सोशल भी बन सकें।

बच्चा टॉपर है पर कहीं लोगों से नज़रें तो नहीं चुराता?

आयुष जब छठी क्लास में था तब उसे बताया गया कि उसे इंजीनियर बनना है। आठवीं में पहुंचा तो कहा गया कि IIT जाना है। पैरेंट्स की बात को ही आयुष ने अपनी ज़िंदगी का मकसद बना लिया। महाभारत के अर्जुन की तरह पूरी एकाग्रता से मेहनत की, निशाना सिर्फ IIT था, लेकिन वह चूक गया। IIT नहीं पहुंच सका। स्कूल में टॉपर रहे आयुष को पैरेंट्स ने बुरा-भला नहीं कहा। किसी दूसरे कॉलेज में एडमिशन करा दिया। पढ़ाई में अच्छा था तो अच्छा कॉलेज मिल भी गया, लेकिन वहां के समीकरण किताबों के फॉर्मूलों जैसे नहीं थे। दो महीने बीत गए, पर आयुष वहां कोई दोस्त नहीं बना पाया। यहां तक कि कॉलेज के कॉरिडोर में चलते वक्त अगर देख लेता कि सामने से लड़कियां आ रही हैं तो अपना रास्ता बदल लेता। दरअसल, आयुष को IIT के लिए तैयार करते-करते शायद पैरेंट्स से उसे असल ज़िंदगी के लिए तैयार करना छूट गया। एक्सपर्ट के मुताबिक, यह सिर्फ आयुष की नहीं, ऐसे तमाम बच्चों की परेशानी है जिन्हें एक्सपोज़र नहीं मिलता, शुरुआती दौर में रियल लाइफ की परेशानियों को फेस करने को नहीं मिलता।

बच्चा 12 घंटे पढ़ रहा है, क्या इतने से रहें खुश?

मेरा बच्चा 12 घंटे पढ़ता है। अब तक स्मार्टफोन की भी डिमांड नहीं की। ज्यादा दोस्त भी नहीं हैं। बस घर से कॉलेज और कॉलेज से घर आता है। हम कहते हैं, तब भी पार्टी में नहीं जाता। बस अपने कमरे में पढ़ता रहता है। ये और ऐसी ही तमाम बातें अक्सर अपने सोशल सर्कल में बड़े गर्व से कहते हैं। इन बातों में पैरेंट्स को बच्चे की मेहनत और लगन दिखती है, लेकिन एक्सपर्ट्स को कभी-कभी इसमें एक दूसरा संकेत भी नज़र आता है। सीनियर क्लिनिकल साइकॉलजिस्ट डॉ. प्रीति श्रीवास्तव कहती हैं, जो बातें अक्सर पैरेंट्स गर्व से कहते हैं, वही आगे चलकर बच्चों की परेशानी बन सकती है। पैरेंट्स अक्सर सोचते हैं कि पहले बच्चा पढ़ाई कर ले, बाकी सब बाद में। पढ़ाई में अच्छा निकल गया तो कॉन्फिडेंस तो आ ही जाएगा, लेकिन कॉन्फिडेंस ऐसी चीज़ नहीं है जो उम्र के साथ आए। यह बच्चे में तभी आता है, जब वह अपने फैसले खुद लेता है और दुनिया का सामना करता है।

मुझे हर सवाल का जवाब तो मालूम है, लेकिन...

मुझे हर सवाल का जवाब मालूम है, लेकिन जब लोगों से बात करनी होती है तो समझ नहीं आता। सीनियर पैरेंटिंग एक्सपर्ट गीतांजलि शर्मा कहती हैं, बीते दिनों आए एक बच्चे ने मुझसे यह बात कही। वह टॉपर स्टूडेंट था। पैरेंट्स ने उसकी पढ़ाई के टाइम को ऐसे तय कर रखा था कि बर्थडे, आउटिंग, स्कूल ट्रिप्स, फैमिली फंक्शन, सोशल गैदरिंग में बहुत कम हिस्सा लेने दिया। जब वह कॉलेज गया तो नए लोगों से बात करने में उसे बहुत झिझक हुई। दरअसल, पैरेंट्स बच्चे को बरसों तक सवालों के जवाब देना सिखाते हैं, लेकिन यह नहीं सिखाते कि बातचीत कैसे शुरू करनी है। एग्जाम में सवाल कौन-कौन से आ सकते हैं, कैसे-कैसे घुमा कर पूछे जा सकते हैं, इसकी प्रैक्टिस तो उन्हें कराई जा सकती है, लेकिन किसी शख्स से कैसे बात शुरू करनी है, इसका कोई तय फॉर्मूला नहीं होता है। जब तक बच्चे को अनिश्चितता के लिए तैयार नहीं करेंगे, तब तक उसे ऐसी परेशानियां घेरती रहेंगी।

इंट्रोवर्ट होना अलग, पर सोशल एंग्जाइटी ना हो

जब बच्चा कम लोगों से घुलता-मिलता है, कम दोस्त होते हैं, कम बोलता है तो अक्सर उसे इंट्रोवर्ट कह देते हैं। इंट्रोवर्ट होना बिलकुल भी बुरा नहीं है। ऐसे बच्चों के चुनिंदा दोस्त होते हैं, लेकिन वे अपने दिल की बातें अपने दोस्तों से कर लेते हैं। कम दोस्त होना, अकेले रहना पसंद करना, हर पार्टी में ना जाना समस्याएं नहीं हैं। समस्या तब होती है, जब बच्चा अपनी बात कहने से ही डरने लगे। ऐसे बच्चे को इंट्रोवर्ट नहीं समझना चाहिए। यह सोशल एंग्जाइटी हो सकती है, जिसकी एक वजह बरसों तक समाज से दूर रहने और सिर्फ किताबों को ही दुनिया मानना हो सकती है। ऐसे में उसकी परेशानी को समझकर उससे बात करनी चाहिए।

एक काम जो पैरेंट्स आज से करें

दिन में कम से कम 15 मिनट निकालें और बच्चे से पढ़ाई के अलावा दूसरी बातें करें। आज क्या खाओगे से लेकर, छुट्टी में कहीं घूमने का प्लान तक वह सब, जिसमें पढ़ाई की बातें बिलकुल भी शामिल ना हो। इससे उसे लगेगा कि उसकी पहचान पढ़ाई के अलावा भी कुछ है। सबसे अहम बात यह है कि बच्चे को बोलने दें। ऐसे पढ़ाकू बच्चे ज्यादातर इसलिए नहीं बोलते, क्योंकि वे लोगों की बातों को भी एग्जाम का सवाल समझते हैं। जिस तरह किसी किताबी सवाल का एनालिसिस करते हैं, वैसे ही लोगों के सवालों के जवाब का एनालिसिस करने लगते हैं और नेचरल नहीं हो पाते।

बच्चे में ये बातें देखें

अगर इनमें से कई बातें आपके बच्चे में हैं, तो समय आ गया है कि ध्यान दें:

- पढ़ाई के अलावा उसे और किसी चीज़ में दिलचस्पी नही है।
- नए लोगों से बात करने में झिझकता है।
- कोई काम खुद करने के बजाए आप पर निर्भर रहता है।
- अपनी बात रखने से डरता है।
- दोस्त नही हैं या दोस्तो के साथ समय बिताना टाइम वेस्ट लगता है।
- स्कूल, कॉलेज में किसी सोशल ऐक्टिविटी में शामिल होने से बचता है।

नोट: इनमें से एक-दो बातें होना अपने आप में चिंता की बात नही है, लेकिन कई बातें लगातार दिख रही हो और बच्चे की रोज़मर्रा की जिंदगी पर असर डाल रही हो, तो ध्यान देना जरूरी है।

ऐसा ना करें तो बेहतर

अगर यहां बताई कुछ बातें आप भी करते हैं, तो इन्हें बदलने की कोशिश करें:

- हर बात में नंबर, रैंक, पढ़ाई को महत्व देना।
- अपने बच्चे की तुलना रिश्तेदारों, पड़ोसियों के बच्चों से करना।
- दोस्तों के साथ घूमने और सोशल ऐक्टिविटीज को टाइम वेस्ट समझना।
- बच्चे को हर मुश्किल से खुद बचा लेना।
- दोस्तों या दूसरे बच्चों से उसकी लड़ाई हो जाए तो हर बार खुद सामने आना।
- बच्चे की जगह हर मसले पर खुद टीचर और दूसरे लोगों से बात करना।
- सिर्फ पढ़ाई पर तारीफ करना, बाकी खूबियों को नज़रअंदाज करना।

एक्सपर्ट पैनल

गीतांजलि शर्मा
सीनियर पैरेंटिंग एक्सपर्ट

डॉ. प्रीति श्रीवास्तव
सीनियर क्लिनिकल साइकॉलजिस्ट

केयर ठीक, पर पूरी तरह कंट्रोल ना करें

डॉ. प्रीति कहती हैं, 'सभी पैरेंट्स अपने बच्चे का भला चाहते हैं। इसलिए केयर करते हैं और चाहते हैं कि पढ़ाई में ब्रिलियंट बने, लेकिन पूरी तरह कंट्रोल करने जैसे वह क्या पढ़ेगा से लेकर कब पढ़ेगा, उसके टीचर्स से बात, उसके दोस्त कौन होंगे, वह पार्टी में जाएगा या नहीं आदि सभी फैसले खुद करने से बच्चा अपनी पहचान नहीं बना पाता। ऐसे में अगर वह अपने पढ़ाई वाले लक्ष्य से चूक जाता है तो अक्सर आइडेंटिटी क्राइसिस से जूझने लगता है।'

IQ के साथ EQ भी ज़रूरी

IQ (इंटेलिजेंस क्वोशंट) बच्चे को किसी सवाल को हल करने, समझने और सीखने में मदद करता है। वहीं, EQ (इमोशनल क्वोशंट) उसे अपने इमोशन को समझने, संभालने और दूसरों के साथ रिश्ते बनाने में मदद करता है। पढ़ाई में तेज होना अच्छी बात है, लेकिन असल जिंदगी में सिर्फ किताबों के सवाल नहीं आते और दुनिया के हर सवाल के जवाब किताबों में नहीं मिलते। पैरेंट्स को यह बात भी बच्चों को सिखानी होगी कि पढ़ाई के अलावा भी उनकी दुनिया है, उनकी पहचान है। पढ़ाई सिर्फ अच्छी जॉब, अच्छी कमाई और अच्छी लाइफस्टाइल के लिए ज़रूरी है।

टिप्स, ट्रिक्स, आइडियाज़

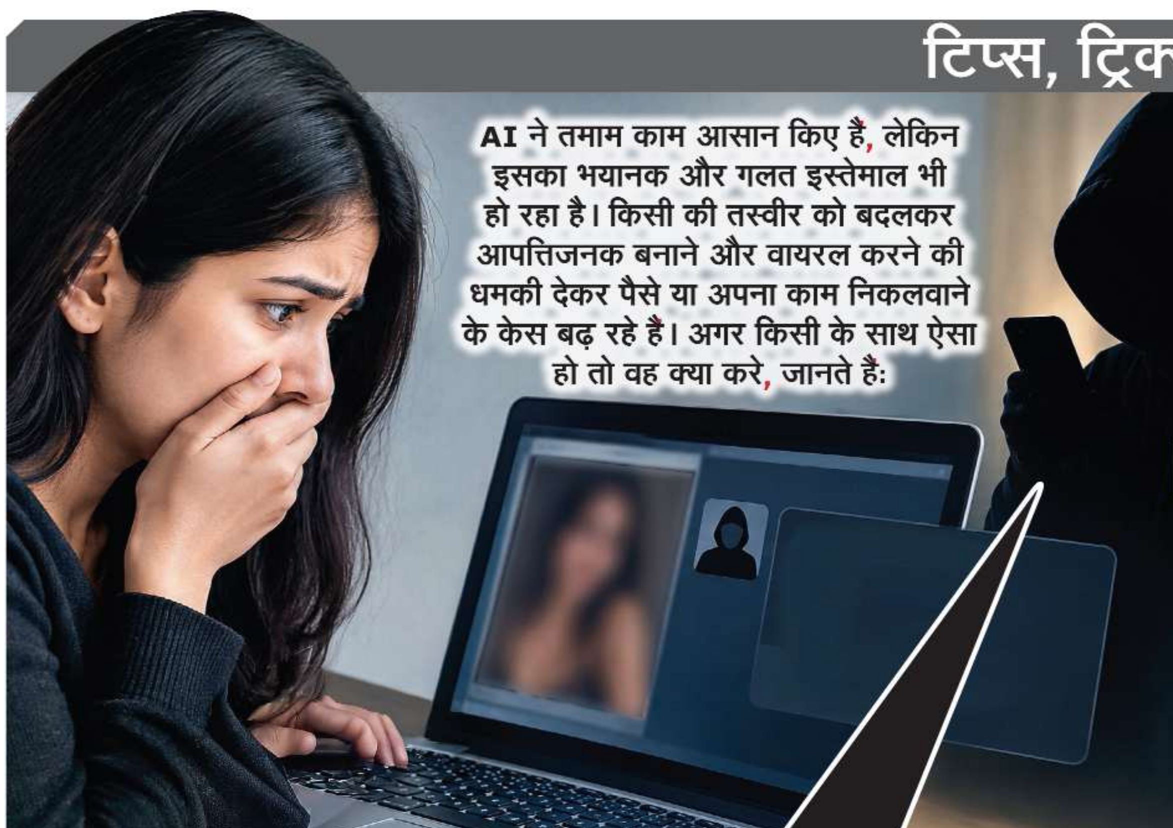

AI ने तमाम काम आसान किए हैं, लेकिन इसका भयानक और गलत इस्तेमाल भी हो रहा है। किसी की तस्वीर को बदलकर आपत्तिजनक बनाने और वायरल करने की धमकी देकर पैसे या अपना काम निकलवाने के केस बढ़ रहे हैं। अगर किसी के साथ ऐसा हो तो वह क्या करे, जानते हैं:

'पैसे दो, वरना फोटो वायरल'

धमकियों से डरें नहीं, ऐसे निपटें

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

इंटरनेट पर मिले एक युवक से दोस्ती करना एक नाबालिग लड़की को भारी पड़ गया। युवक ने AI की मदद से लड़की की अश्लील तस्वीर तैयार की और वायरल करने की धमकी देकर पैसे मांगने लगा। डर और बदनामी से बचने के लिए लड़की ने अपनी मां के बैंक अकाउंट से धीरे-धीरे करके करीब 1.2 लाख रुपये दे दिए। ...लेकिन धमकियां बंद नहीं हुईं। इस बीच लड़की के पिता को अकाउंट से पैसे कम होने का पता चला। बेटी से बातचीत में पूरा मामला सामने आया। इसके बाद पुलिस में शिकायत की गई और आरोपी युवक को गिरफ्तार कर लिया गया। हाल में दिल्ली में सामने आया मामला अपने जैसा अकेला नहीं है। ऐसे हालात में सामने वाला अक्सर डर में आकर ब्लैकमेलर की बात मान जाता है। ऐसे में घबराने के बजाए खुद को संभालें और कुछ जरूरी कदम उठाएं।

अपनी फोटो को ऐसे रखें सुरक्षित

- अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर अपनी प्रोफाइल और सभी फोटो को लॉक रखें, ताकि कोई अनजान ना देख सके।
- कोई भी फोटो सोशल मीडिया पर शेयर करने से पहले EXIF Remover टूल्स से उसका मेटा डेटा हटा दें। ये टूल्स iOS और एंड्रॉइड दोनों में मिल जाएंगे।
- मेटा डेटा में उस फोटो या विडियो की पूरी जानकारी जैसे वह कहां ली गई, पिक्सल, साइज आदि होती है।
- मेटा डेटा हटने से फोटो या विडियो को AI या एडिटिंग टूल्स की मदद से बदलने पर खराब क्वॉलिटी आएगी, जिसे देख कर समझ आ जाएगा कि वह फेक है।

AI Images

धमकी मिले तो ये करें

सबूत जुटाएं: ऐसे हालात में लोग अक्सर डर जाते हैं और धमकी देने वाले के मैसेज को डिलीट कर देते हैं। ऐसे में आपको उसकी धमकी के स्क्रीनशॉट लेने हैं, स्क्रीन की विडियो रिकॉर्डिंग करनी है। ब्लैकमेलर के नाम के साथ उसकी प्रोफाइल का पूरा URL (लिंक) कॉपी करना है और यह सब अपने पास सुरक्षित जगह पर रख लेना है।

पुलिस में दें शिकायत: कोई ब्लैकमेल करे तो सबूतों के साथ पुलिस या साइबर पुलिस में शिकायत करें। बताएं कि आरोपी ने किस नंबर या अकाउंट से धमकी दी, क्या मांग की और फोटो या विडियो वायरल करने की बात कब की। पैसे मांगने पर BNS की धारा 308 और धमकी देने पर धारा 351 लग सकती है। अगर किसी महिला की पर्सनल तस्वीर बिना उसकी मर्जी के बनाई या शेयर की जाती है तो BNS की धारा 77 भी लग सकती है। अश्लील या यौन तस्वीर/वीडियो ऑनलाइन शेयर करने पर IT Act की धारा 67 या 67A भी लागू हो सकती है। पुरुष भी इसी तरह शिकायत कर सकता है। उसके मामले में धारा 77 आमतौर पर लागू नहीं होगी, लेकिन धमकी, पैसे मांगने या अश्लील सामग्री फैलाने से जुड़ी दूसरी धाराएं लग सकती हैं।

पैसे देने से खत्म नहीं होगा खेल, सबसे पहले अपने डर पर पाएं काबू

डरें नहीं: 'मेरी इज्जत खराब हो जाएगी।' 'घर वाले, रिश्तेदार क्या कहेंगे?' 'मेरी तो ज़िंदगी ही बर्बाद हो जाएगी।' अक्सर ऐसी धमकियों के बाद सबसे पहले ऐसे ख्याल मन में आते हैं। आपका यह डर ही साइबर अपराधी के काम आसान करता है। ऐसे हालात में कोई भी कदम उठाने से पहले डर छोड़कर शांत हों। डर में फैसले हमेशा गलत ही होते हैं।

पैसे देना हल नहीं: अमूमन ऐसे लोगों का पहला मकसद पैसे लेना होता है। ब्लैकमेलर अक्सर पहली रकम मिलने के बाद डिमांड बढ़ाते जाते हैं। इसलिए 'एक बार पैसे दे देता हूं या दे देती हूं, मामला खत्म हो जाएगा' यह सोचकर कभी पैसे ना दें। ब्लैकमेलर की हिम्मत बढ़ती जाएगी और आप उसके जाल में फंसते जाएंगे।

पैसे दे दिए तो क्या करें: अगर डर कर जल्दबाजी में पैसे दे दिए हैं तो समय रहते कुछ अहम कदम उठाने से पैसे बच सकते हैं।

1930 पर करें कॉल: यह नैशनल साइबर क्राइम हेल्पलाइन नंबर है। जैसे ही ऐसा कुछ हो, बिना देर किए इस नंबर पर कॉल करें। फोन पर कुछ जानकारियां मांगी जाएंगी। उन्हें पहले ही नोट करके रख लें। अपना बैंक अकाउंट नंबर, जिससे पैसे ट्रांसफर हुए हैं। साथ ही UTR (यूनीक ट्रांजैक्शन रेफरेंस) नंबर, ट्रांजैक्शन की तारीख और समय, कितनी रकम ट्रांसफर हुई और किस अकाउंट या UPI आईडी में गई। इसके अलावा बैंक स्टेटमेंट या पेमंट का स्क्रीनशॉट आदि।

cybercrime.gov.in पर शिकायत: यह देश के गृह मंत्रालय (Ministry of Home Affairs) की वेबसाइट है और NCRP पोर्टल भी इससे लिंक्ड है। इसके होमपेज पर Register a Complaint में जाकर FINANCIAL FRAUD में अपनी शिकायत दर्ज करा सकते हैं।

फोटो या विडियो वायरल होने के बाद खुद उठाएं ये कदम

प्लैटफॉर्म पर शिकायत

जिस प्लैटफॉर्म जैसे फेसबुक, इंस्टाग्राम, X आदि पर आपकी कोई ऐसी फोटो या विडियो को लीक किया गया है, उसी प्लैटफॉर्म पर सबसे पहले इसकी शिकायत करें। IT नियम 2021 (जिसमें 2026 में नए बदलाव हुए हैं) के तहत NCII (अंतरंग तस्वीरों), डीपफेक या मॉर्फ्ड आपत्तिजनक तस्वीर की शिकायत मिलने पर उस सोशल मीडिया प्लैटफॉर्म को उस कॉन्टेंट को हटाना या ब्लॉक करना ज़रूरी है। ऐसा ना करने पर IT Act की धारा 79 के तहत प्लैटफॉर्म को मिला सेफ हार्बर कानूनी संरक्षण खत्म हो सकता है और उस कंपनी पर भी कानूनी कार्रवाई हो सकती है।

पूरे इंटरनेट से हटवाएं

अगर सामने वाले ने कोई ऐसी फोटो अपलोड कर दी है जो उस प्लैटफॉर्म के नियम नहीं तोड़ती, लेकिन आपकी छवि खराब करती है तो **stopncii.org** वेबसाइट काम आएगी। इस पर अपना केस बताना होगा और एक फोटो अपलोड करनी होगी। इसकी खासियत यह है कि यह आपकी तस्वीर को किसी सर्वर पर अपलोड नहीं करती, बल्कि आपके फोन या डिवाइस पर ही उस तस्वीर का एक डिजिटल फिंगरप्रिंट या हैश बना देती है। यह वेबसाइट उस हैश को सोशल मीडिया प्लैटफॉर्म वाली कंपनियों को भेजती है, ताकि अगर कोई शख्स वह तस्वीर अपलोड करने की कोशिश करे तो उसे अपने आप ब्लॉक कर दिया जाए। हालांकि, यह वेबसाइट केवल अपने पार्टनर प्लैटफॉर्म पर ही काम करती है, जो ज्यादातर सार्वजनिक हैं। यह वेबसाइट डार्क वेब के साथ-साथ एंड-टू-एंड एन्क्रिप्टेड ऐप्स से फोटो हटवाने में मदद नहीं कर सकती है।

पुलिस से लें मदद

पास के साइबर पुलिस स्टेशन पर जाएं। उन्हें अपनी परेशानी बताएं। अगर आपका केस बहुत सेंसिटिव है तो पुलिस अफसर तत्काल कदम उठाएंगे। उनके पास **sahyog.mha.gov.in** पोर्टल का एक्सेस होता है। इसके जरिए वह आपत्तिजनक कॉन्टेंट को तुरंत हटाने के लिए सोशल मीडिया प्लैटफॉर्म को कह सकते हैं।

थाने नहीं जाना तो...

अगर आप पुलिस के पास नहीं जाना चाहते हैं तो ऐसे में आपके पास **cybercrime.gov.in** पर शिकायत करने का ऑप्शन है। इस पर शिकायत करने पर वह शिकायत आपके नजदीकी पुलिस स्टेशन के साइबर सेल पर पहुंचेगी। आपके भेजे सबूतों को देखने के बाद उस पोस्ट को हटाया जाएगा जिसकी आपने शिकायत की है। इसके लिए वेबसाइट के Women/Children Related Crime+ पर Register ANONYMOUSLY के ऑप्शन में जाकर शिकायत करनी होगी।

18 साल से कम होने पर यह है रास्ता

अगर किसी ऐसे शख्स की तस्वीर वायरल की गई है, जिसकी उम्र 18 साल से कम है तो **takeitdown.ncmec.org** वेबसाइट की मदद ली जा सकती है। इस वेबसाइट को बाल यौन शोषण सामग्री (CSAM) को रोकने के लिए खासतौर पर डिजाइन किया गया है। Take It Down अमेरिका के नैशनल सेंटर फॉर मिसिंग एंड एक्सप्लॉइटेड चिल्ड्रन (NCMEC) की मुफ्त सेवा है।

मुख्य सचिव ने भरतपुर दौरे के दौरान साइबर थाने का किया निरीक्षण

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

भरतपुर। मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास दो दिवसीय दौरे पर भरतपुर पहुंचे। भरतपुर सर्किट हाउस पहुंचने पर उन्हें गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया। इस अवसर पर आईजी डॉ. प्रीति चंद्रा, जिला कलक्टर कमर चौधरी, जिला पुलिस अधीक्षक राजेश कुमार मीना ने अगवानी की।

अपराध की रोकथाम एवं त्वरित निस्तारण के लिए तकनीकी क्षमता बढ़ाएं–मुख्य सचिव ने साइबर अपराधों पर प्रभावी नियंत्रण एवं पीड़ितों को त्वरित राहत उपलब्ध कराने के उद्देश्य से जिला मुख्यालय स्थित साइबर थाने का निरीक्षण किया। उन्होंने कहा कि साइबर अपराधों की रोकथाम के लिए तकनीकी क्षमता, त्वरित प्रतिक्रिया और विभिन्न एजेंसियों के बीच बेहतर समन्वय अत्यंत आवश्यक है। साइबर अपराधों के बदलते स्वरूप को देखते हुए पुलिस तंत्र को आधुनिक तकनीक एवं नवाचारों के माध्यम से लगातार सुदृढ़ किया जाना चाहिए। उन्होंने साइबर क्राइम सेल की संरचना, उपलब्ध तकनीकी संसाधनों, हेल्पलाइन 1930 के संचालन तथा शिकायतों के निस्तारण की प्रक्रिया की जानकारी ली। श्री श्रीनिवास ने अधिकारियों को साइबर अपराध नियंत्रण प्रणाली को और अधिक सुदृढ़ एवं तकनीकी रूप से सक्षम बनाने के निर्देश दिए। मुख्य सचिव ने संभागीय जिलों में लंबित साइबर प्रकरणों की स्थिति की जानकारी लेते हुए आईजी डॉ. प्रीति चंद्रा को निर्देश दिए कि साइबर अपराधों के सफल निस्तारण से संबंधित सफलता की कहानियां समाचार पत्रों एवं मीडिया को उपलब्ध कराने के साथ ही सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर भी साझा की जाएं, ताकि आमजन में साइबर अपराधों के प्रति जागरूकता बढ़ाई जा सके।

दर्ज प्रकरणों की ली जानकारी— मुख्य सचिव ने साइबर क्राइम पुलिस स्टेशन में दर्ज प्रकरणों की जानकारी लेते हुए सभी प्रकरणों में ऑनलाइन रिपोर्टिंग के साथ आवश्यक ऑफलाइन दस्तावेजों का भी सुव्यवस्थित संधारण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने साइबर अपराध से संबंधित शिकायतों के प्रभावी निस्तारण के लिए कार्मिकों को आवश्यक संसाधन उपलब्ध कराने तथा उन्हें बेहतर प्रशिक्षण देने पर जोर दिया। उन्होंने साइबर अपराध की शिकायत दर्ज होने से लेकर एफआईआर एवं जांच की प्रक्रिया तक प्रत्येक स्तर की जानकारी ली। अधिकारियों द्वारा साइबर अपराध की शिकायत प्राप्त होने से लेकर उसके पंजीकरण, प्रारंभिक जांच, डिजिटल साक्ष्य के संकलन एवं विश्लेषण, बैंकिंग ट्रांजेक्जन की जांच, संदिग्ध बैंक खातों पर आवश्यक कार्रवाई, धनराशि के ट्रेल का अनुसरण तथा पीड़ितों को सहत प्रदान करने हेतु की जाने वाली कार्रवाई के संबंध में जानकारी दी।

बैंकिंग संस्थाओं से बेहतर समन्वय के निर्देश– मुख्य सचिव ने साइबर अपराध की सूचना प्राप्त होने तथा संबंधित बैंक खातों को ब्लॉक किए जाने में लगने वाले समय का विश्लेषण करने के निर्देश दिए, ताकि पीड़ितों को यथाशीघ्र राहत उपलब्ध कराई जा सके।

अर्बन बैंक संचालक मंडल की बैठक सम्पन्न, दीपावली पर होगा ऋण मेला

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

चित्तौड़गढ़। चित्तौड़गढ़ अर्बन को-ऑपरेटिव बैंक लिमिटेड के संचालक मंडल की अर्द्धवार्षिक बैठक प्रधान कार्यालय में बैंक चेयरमैन डॉ. आई.एम. सेठिया की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। बैठक में बैंक के व्यवसाय, ऋण वसूली, एनपीए, ग्राहक सेवा, साइबर सुरक्षा और शाखाओं के संचालन सहित विभिन्न विषयों पर चर्चा की गई।

बैठक में दीपावली एवं विजयादशमी के अवसर पर बैंक की सभी शाखाओं में विशेष ऋण मेला आयोजित करने का निर्णय लिया गया। मेले में ग्राहकों को कम ब्याज दर पर ऋण सुविधा उपलब्ध कराने के साथ ऋण प्रकरणों के त्वरित निस्तारण के लिए प्रधान कार्यालय की विशेष टीम शाखाओं में मौजूद रहेगी। बैंक की ऋण गुणवत्ता और वसूली व्यवस्था मजबूत करने के लिए ऋण खातों के शत-प्रतिशत सत्यापन का विशेष अभियान भी चलाया जाएगा। चेयरमैन डॉ. सेठिया ने गुणवत्तापूर्ण ऋण वितरण के साथ समय पर वसूली सुनिश्चित करने तथा नेट एनपीए को शून्य करने की दिशा में सामूहिक प्रयासों पर जोर दिया।

बैठक में उपाध्यक्ष वृद्धि चंद कोठारी, संचालक मंडल के सदस्य एवं प्रबंध निदेशक डॉ. वंदना वजीरानी सहित अन्य सदस्य उपस्थित रहे। बैठक का संचालन प्रबंध निदेशक वंदना वजीरानी ने किया, जबकि उपाध्यक्ष वृद्धि चंद कोठारी ने आभार व्यक्त किया। विदेश यात्रा से लौटे निदेशक रणजीत सिंह नाहर एवं हेमंत शर्मा का भी मंडल सदस्यों ने अभिनंदन किया।

तरंग शक्ति 2026: रक्षा मंत्री हो सकते हैं शामिल

वायु सेना दिवस कल, 'सूर्यकिरण' का होगा प्रदर्शन

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जोधपुर। जोधपुर में चल रहे वायुसेना के युद्धाभ्यास तरंग शक्ति के दौरान 8 अक्टूबर को वायुसेना दिवस के मौके पर जोधपुर के एअरफोर्स स्टेशन पर एरोबेटिक टीम का एयर शो भी होगा. सूर्यकिरण टीम अपने 9 हॉक जेट से आसमान में अलग-अलग फॉर्मेशन और एरोबेटिक करतब दिखाएगी. इनके साथ ही तेजस और सुखोई भी प्रदर्शन दिखाएंगे।

वायुसेना दिवस के समारोह में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के भी आने की संभावना है. एरोबेटिक शो के लिए एनसीसी के कैडेट्स व स्पेशल स्कूल के बच्चों को देखने के लिए बुलाने की संभावना है. सूर्यकिरण का एयर शो करीब 25 से 30 मिनट का होता है. एयर शो के दौरान कमेंट्री भी होती है. तरंग शक्ति में हर दिन अलग-अलग देशों के लड़ाकू विमान जोधपुर सहित पूरे पश्चिमी सीमा पर उड़ान भर रहे हैं. इन सबके बीच बेहतर सामांजस्य और तालमेल नजर आता है. वायुसेना ने इसे 'पावर ऑफ पार्टनशिप' का नाम दिया है. इसके तहत सभी देश एक दूसरे के साथ आसमान को नाप रहे हैं. इस दौरान एक दूसरे के जहाज में आसमान में ही रिफ्यूल भी कर रहे हैं. इनके कई वीडियो भी सामने आए हैं. जोधपुर में 26 सितंबर से तरंग शक्ति युद्धाभ्यास चल रहा है, जो 12 अक्टूबर तक चलेगा. इसमें भारत सहित आठ देशों की सेनाएं अपने लड़ाकू विमानों व संसाधनों के साथ भाग ले रही हैं, जबकि 32 देश बतौर पर्यवेक्षक भाग ले रहे हैं.

1996 से एसकेटी का प्रदर्शन

भारतीय वायुसेना की प्रसिद्ध सूर्य किरण एरोबेटिक टीम (SKAT) का गठन 1996 में किया गया था और यह दुनिया की बहुत कम नौ-विमान एरोबेटिक्स टीमों में से एक है और एशिया में एकमात्र है. यह अनूठी टीम भारत में कई प्रदर्शन कर चुकी है. इसके अलावा कई मौकों पर विदेश में होने वाले एयर शो में भी प्रदर्शन कर चुकी है. इसके विमान उड़ाने वाले पायलट बेहद अनुभवी होते हैं. सूर्यकिरण में हॉक विमानों के साथ ही हेलिकॉप्टर्स की भी एक टीम है, जिसका नाम सारंग है. इन दोनों टीमों को जोधपुर में पहले भी प्रदर्शन हो चुका हैं।

रामसिंह आक्या को श्रद्धांजलि देने पहुंचे बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि और गणमान्य नागरिक

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

चित्तौड़गढ़। चित्तौड़गढ़ विधायक चंद्रभान सिंह आक्या के पिता एवं ग्राम पंचायत आक्या के कई वर्षों तक सरपंच रहे रामसिंह आक्या के निधन से क्षेत्र में शोक की लहर है। दिवंगत आत्मा को श्रद्धांजलि देने और शोक संतप्त परिवार को सांत्वना देने के लिए बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि, सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधि, ग्रामीण एवं आमजन ग्राम आक्या पहुंच रहे हैं। केंद्रीय पर्यटन मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़, विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी, संसदीय कार्य एवं न्याय विभाग मंत्री जोगाराम पटेल, जयपुर ग्रामीण सांसद राव राजेंद्र सिंह, वल्लभनगर विधायक उदयलाल डांगी, उदयपुर ग्रामीण विधायक फूलसिंह मीणा, पिंडवाड़ा-आबू विधायक समाराम गरासिया, खंडेला विधायक सुभाष मील, बेगूं विधायक सुरेश धाकड़ सहित कई जनप्रतिनिधियों ने ग्राम आक्या पहुंचकर विधायक चंद्रभान सिंह आक्या से मुलाकात की और उनके पिता के निधन पर शोक संवेदना व्यक्त की। इससे पूर्व भी भाजपा के राष्ट्रीय महामंत्री हरीश द्विवेदी, प्रदेश भाजपा संगठन महामंत्री अजय कुमार, प्रदेश भाजपा उपाध्यक्ष नाहर सिंह जोधा, पूर्व भाजपा प्रदेशाध्यक्ष एवं सांसद सी.पी. जोशी, विधानसभा में मुख्य सचेतक जोगेश्वर गर्ग, राजस्व मंत्री हेमंत मीणा, जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी मंत्री कन्हैयालाल चौधरी, पूर्व मंत्री नरपत सिंह राजवी, पूर्व मंत्री एवं अजमेर दक्षिण विधायक अनिता भदेल, पूर्व मंत्री उदयलाल आंजना सहित कई जनप्रतिनिधि ग्राम आक्या पहुंचे। इनके अलावा ब्यावर विधायक शंकर सिंह रावत, सांचौर विधायक जीवाराम चौधरी, आहोर विधायक छगनसिंह राजपुरोहित, मनासा विधायक अनिरुद्ध माधव मारू, पूर्व विधायक बड़ी सादड़ी ललित ओस्तवाल, पूर्व विधायक वल्लभनगर प्रीति गजेंद्र सिंह शक्तावत, भाजपा जिलाध्यक्ष रतन लाल गाडरी, पूर्व कांग्रेस जिलाध्यक्ष भेरूलाल चौधरी, राजसमंद विधायक दीप्ति माहेश्वरी, बयाना विधायक ऋतु बनावत, नीमच विधायक दिलीप सिंह परिहार, पूर्व विधायक वल्लभनगर रणधीर सिंह भींडर एवं कांग्रेस जिलाध्यक्ष प्रमोद सिसोदिया सहित अन्य गणमान्य नागरिकों ने भी ग्राम आक्या पहुंचकर दिवंगत रामसिंह आक्या को श्रद्धांजलि अर्पित की और परिवारजनों को सांत्वना दी।

पंचायती राज चुनाव: नियंत्रण कक्ष स्थापित

उदयपुर @ जागरूक जनता। राज्य निर्वाचन आयोग, राजस्थान जयपुर द्वारा संपादित कराए जाने वाले पंचायती राज संस्थाओं के आम चुनाव-2026 के दौरान प्राप्त होने वाली समस्त शिकायतों के परीक्षण एवं समय पर निस्तारण तथा सूचनाओं के संकलन एवं सम्प्रेषण के लिए जिला कलेक्ट्रेट में नियंत्रण एवं शिकायत निवारण प्रकोष्ठ स्थापित किया गया है। चुनाव नियंत्रण कक्ष की सहायक प्रभारी रागिनी डामोर ने बताया कि यह प्रकोष्ठ जिला कलेक्टर के कमरा नंबर-219, कॉन्फ्रेंस हॉल, प्रथम तल में चुनाव समाप्ति तक संचालित रहेगा। उन्होंने बताया कि प्रकोष्ठ 24म7 कार्य करेगा। नियंत्रण कक्ष का फोन नंबर 0294-2420028 तथा ईमेल आईडी controlroom.udr@gmail.com पर चुनाव से संबंधित शिकायतों एवं सूचनाओं के लिए आमजन सम्पर्क कर सकते हैं।

डाक अदालत आज

उदयपुर @ जागरूक जनता। डाक विभाग के तत्वावधान में 7 अक्टूबर को प्रातः 11 बजे मंडल स्तर पर चेटक सर्कल स्थित प्रवर अधीक्षक, प्रधान डाकघर में डाक अदालत का आयोजन किया जाएगा। डाक अदालत में डाकघर काउंटर सेवा, मनी ऑर्डर, बचत बैंक, मूल्यदेय वस्तुएं, पार्सल एवं बीमा वस्तुएं, डाक जीवन बीमा तथा विदेश डाक वस्तुओं से संबंधित जनता की समस्याओं की सुनवाई कर उनका निराकरण किया जाएगा। डाक मण्डल के प्रवर अधीक्षक ने बताया कि उदयपुर मंडल के अधीन आने वाले डाकघरों के उपभोक्ताओं को उनकी शिकायतों का अभी तक संतोषजनक समाधान नहीं मिला है, वे अपनी शिकायत का पूर्ण विवरण निर्धारित प्रारूप में 7 अक्टूबर तक चेटक सर्कल, उदयपुर-04 स्थित कार्यालय, प्रवर अधीक्षक डाकघर को प्रेषित कर सकते हैं। उन्होंने बताया कि शिकायतकर्ता 7 अक्टूबर को आयोजित डाक अदालत में व्यक्तिगत रूप से भी उपस्थित हो सकते हैं। शिकायत के लिए शिकायतकर्ता का नाम व पता, जिस कार्यालय में प्रथम बार शिकायत दर्ज करवाई गई उसका नाम, शिकायत का पूर्ण विवरण तथा प्राप्तकर्ता का नाम व पता देना आवश्यक होगा।

कर्नाटक के राज्यपाल गहलोत ने किए सांवलिया सेठ के दर्शन

चित्तौड़गढ़ @ जागरूक जनता। कर्नाटक के राज्यपाल थावरचंद गहलोत ने प्रसिद्ध कृष्णधाम सांवलिया सेठ मंदिर पहुंचकर भगवान सांवलिया सेठ के दर्शन किए तथा देश-प्रदेश की खुशहाली एवं समृद्धि की कामना की। मंदिर पहुंचने पर मंदिर मंडल की ओर से उनका स्वागत किया गया। मंदिर के पुजारी ने राज्यपाल को सांवलिया सेठ की तस्वीर भेंट की तथा उपरना पहनाकर अभिनंदन किया। दर्शन के पश्चात राज्यपाल गहलोत नीमच जिले के हड़कियाखाल बालाजी मंदिर के लिए रवाना हुए। इस दौरान जिला कलक्टर डॉ. मंजू, पुलिस अधीक्षक धर्मेंद्र यादव, मुख्य कार्यपालक अधिकारी मंदिर मंडल दिनेश धाकड़, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक गजेंद्र सिंह जोधा सहित भदेसर एवं डूंगला के उपखंड अधिकारी तथा अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

दुर्ग पर सड़कों की शीघ्र दुरुस्तीकरण के निर्देश

चित्तौड़गढ़ @ जागरूक जनता। क्षेत्रीय सांसद सीपी जोशी ने दुर्ग पर भीमलत कीर्ति स्तम्भ की ओर जाने वाले मार्ग पर सड़कों की मरम्मत अतिशीघ्र करवाने के निर्देश देते हुए कहा कि नगर विकास न्यास एवं पुरातत्व विभाग के अधिकारी समय समय पर दुर्ग पर होने वाली समस्याओं पर मुस्तैदी के साथ समन्वयता से समाधान करें ताकि दुर्ग पर आने वाले पर्यटकों ओर स्थानीय निवासीयो को परेशानी न हो। अपनी न्युयार्क यात्रा पर जाने से पुर्व सांसद जोशी ने कालिका माता परिसर के पास अवस्थित कचरा और गाजर घास को स्वंय श्रमदान करते हुए हटाया। सांसद जोशी ने कहा कि विश्व विरासत दुर्ग पर पर्यटको के सुविधार्थ टिकिट विंडो को भी पाडन पोल पर स्थापित करने के प्रयास किये जा रहे है ताकि यातायात की समस्या से निजात मिल सकेगी।

गांधी के सत्य-अहिंसा और शास्त्री के संकल्प से गूंजा एस. एन. विद्यालय

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

नवलगढ़। एस. एन. विद्यालय, नवलगढ़ में महात्मा गांधी एवं लाल बहादुर शास्त्री जयंती देशभक्ति, राष्ट्रनिष्ठा और प्रेरणादायी प्रस्तुतियों के बीच गरिमापूर्ण ढंग से मनाई गई। कार्यक्रम का शुभारंभ प्रधानाचार्य रणजीत सिंह शेखावत ने राष्ट्रपिता महात्मा गांधी एवं पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री के चित्रों पर माल्यार्पण एवं पुष्पांजलि अर्पित कर किया।

विद्यालय के ऋग्वेद, यजुर्वेद, सामवेद एवं अथर्ववेद हाउस के विद्यार्थियों ने दोनों महान विभूतियों के जीवन, संघर्ष और राष्ट्र के प्रति समर्पण को अपने प्रभावशाली वक्तव्यों एवं प्रस्तुतियों के माध्यम से जीवंत कर दिया। कार्यक्रम का विशेष आकर्षण रहा साबरमती आश्रम से दांडी मार्च और नमक कानून तोड़ने की ऐतिहासिक घटना की जीवंत झांकी। विद्यार्थियों की प्रभावी प्रस्तुति ने मानो इतिहास के उस गौरवशाली अध्याय को विद्यालय परिसर में साकार कर दिया और उपस्थित जनों में राष्ट्रप्रेम की भावना को और प्रबल किया।

प्रधानाचार्य रणजीत सिंह शेखावत एवं मुख्य प्रशासनिक अधिकारी अरविंद भालोठिया ने गांधीजी के सत्य-अहिंसा तथा शास्त्रीजी के सादगी, अनुशासन एवं राष्ट्रसेवा के आदर्शों पर प्रकाश डालते हुए विद्यार्थियों को इन महान विभूतियों के विचारों को अपने जीवन में उतारने के लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर विद्यार्थियों के लिए निबंध लेखन एवं पोस्टर निर्माण जैसी रचनात्मक गतिविधियां भी आयोजित की गईं, जिनके माध्यम से विद्यार्थियों ने गांधीवादी विचारों एवं राष्ट्रभक्ति की भावनाओं को अभिव्यक्ति दी।

कार्यक्रम का प्रभावशाली मंच संचालन हिंदी व्याख्याता सुमन राठौड़ ने किया।

सनातन शौर्य गाथा की तैयारी बैठक आयोजित

चित्तौड़गढ़ @ जागरूक जनता। ईनाणी सिटी सेंटर पर आगामी 11 अक्टूबर से राष्ट्रीय सन्त आशीष बापू के मुखारविंद से आयोजित सनातन शौर्य गाथा की तैयारी को लेकर खड़ेश्वर महादेव मंदिर परिसर में बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में 11 से 19 अक्टूबर तक नौ दिन चलने वाले इस भव्य कार्यक्रम की रूपरेखा तैयार की गई। समिति गठित कर सभी पदाधिकारियों को जिम्मेदारियां सोंपी गई, जिससे कार्यक्रम की भव्यता में किसी तरह की कोई कमी न रह जाये। शहर में पहली बार नौ दिन तक चलने वाले इस अनूठे कार्यक्रम की शुरुआत 11 अक्टूबर को होगी।

मुख्य मार्ग पर उड़ती धूल को लेकर सभापति ने बिरला सीमेंट अधिकारियो को दिए सख्त निर्देश

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

चित्तौड़गढ़। नगर परिषद सभापति अनिल ईनाणी ने रविवार को उपनगरीय क्षेत्र चंदेरिया का दौरा कर क्षेत्र की व्यवस्थाओं की जमीनी स्थिति का जायजा लिया। उन्होंने साफ-सफाई, नालियों, स्ट्रीट लाइट सहित विभिन्न मूलभूत सुविधाओं का निरीक्षण के साथ ही स्थानीय लोगों से संवाद कर उनकी समस्याओं और आवश्यकताओं की जानकारी ली। निरीक्षण के दौरान सामने आई समस्याओं को लेकर सभापति ईनाणी ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश देते हुए तत्काल आवश्यक कार्रवाई करने को कहा। उन्होंने स्पष्ट किया कि आमजन से जुड़ी समस्याओं को प्राथमिकता के साथ लिया जाए और जहां भी व्यवस्था में कमी नजर आए, वहां समयबद्ध तरीके से सुधार सुनिश्चित किया जाए। सभापति ईनाणी ने कहा कि नगर परिषद का उद्देश्य केवल शिकायत मिलने के बाद कार्रवाई करना नहीं, बल्कि मौके पर पहुंचकर व्यवस्थाओं की वास्तविक स्थिति देखना और समस्याओं का समाधान सुनिश्चित करना है। उन्होंने अधिकारियों को नियमित रूप से क्षेत्र का निरीक्षण कर नागरिक सुविधाओं को सुचारू बनाए रखने के निर्देश दिए। चंदेरिया क्षेत्र के निरीक्षण के दौरान सभापति ने मुख्य मार्ग का जायजा लिया। यहां सड़क पर मिट्टी एवं सीमेंट की डस्ट जमा होने तथा वाहनों की आवाजाही से धूल उड़ने की समस्या सामने आई। इस पर सभापति ने तत्काल बिरला सीमेंट वर्क्स के अधिकारियों को मौके पर बुलाकर स्थिति की जानकारी लेकर समस्या के समाधान के लिए सख्त निर्देश दिए। सभापति ईनाणी ने बिरला सीमेंट अधिकारियों को मेन रोड पर जमा मिट्टी एवं सीमेंट की तत्काल सफाई कराने तथा वाहन धुलाई स्थल से सड़क तक मिट्टी-सीमेंट नहीं पहुंचे, इसके लिए प्रभावी व्यवस्था सुनिश्चित करने के सख्त निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि केवल एक बार सफाई कराने से समस्या का समाधान नहीं होगा, बल्कि ऐसी व्यवस्था विकसित की जाए जिससे भविष्य में सड़क पर मिट्टी और डस्ट जमा न हो। बिरला सीमेंट अधिकारियों ने सभापति को एक-दो दिन में सफाई कराने तथा आवश्यक व्यवस्था सुनिश्चित करने का आश्वासन दिया। सभापति ईनाणी ने नगर परिषद के अधिकारियों को निर्देशित किया कि सफाई, नालियों, स्ट्रीट लाइट और अन्य नागरिक सुविधाओं में किसी भी स्तर पर लापरवाही नहीं होनी चाहिए।

घर मंगवाये जागरूक जनता

सदस्यता फार्म दिनांक ....

जागरूक जनता हिन्दी अखबार एक उद्देश्य, एक मिशन, एक विश्वास के साथ आमजन की समस्याएं, वर्तमान राजनीतिक परिदृश्य, सांस्कृतिक गलियारा, भौगोलिक दृष्टिकोण को एक-दूसरे से साझा करने के लिए एक सेतु का काम कर रहा है। शहरी व ग्रामीण क्षेत्रों में आधुनिकतम एवं तकनीकी जानकारी पहुंचाकर शहरी एवं ग्रामीण विकास को प्रोत्साहित कर रहा है। जागरूक जनता समय-समय पर भिन्न-भिन्न विषयों के साथ- अपने पाठकों के बीच उपस्थित रहता है।

सदस्यता राशि

☐ एक वर्ष रु. 250/- ☐ दो वर्ष रु. 450/- ☐ तीन वर्ष रु. 600/- ☐ पांच वर्ष रु. 1000/-

डाक से नियमित रुप से निम्न पते पर जागरूक जनता भेजने के लिए डिमान्ड ड्राफ्ट/मनीऑर्डर जागरूक जनता के नाम भेज रहा हूं। फोन-पे, पेटीएम-9829329070

नाम / संस्था का नाम ....

पता : ....

फोन .... पिन कोड

राशि (रुपए) .... बैंक का नाम ....

डिमान्ड ड्राफ्ट / मनीऑर्डर क्रमांक (डीडी/एमओ जागरूक जनता के नाम भेजें)

• सदस्यता रजिस्ट्रेशन क्रं. ....रसीद क्रं. ....

दिनांक .... हस्ताक्षर

सदस्यता हेतु लिखे प्रसार प्रभारी →

जागरूक जनता
सकारात्मक हिन्दी अखबार

बी-132, जे.पी. कॉलोनी, सैक्टर-4, विद्याधर नगर, जयपुर (राज.) मो.- 9829329070, 9928022718

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक ज्ञानेन्द्र मिश्रा के लिए जैमन प्रिन्टर्स प्राइवेट लिमिटेड, जी-1-68, रोड नम्बर-14, वीकेआई, जयपुर से मुद्रित एवं प्रशासनिक और विज्ञापन कार्यालय : बी-132, जे.पी. कॉलोनी, सैक्टर-4, विद्याधर नगर, जयपुर-302039 से प्रकाशित। फोन : 0141-3587886

हवाई सफर होगा महंगा

नई दिल्ली @ जागरूक जनता। इंडिगो एयरलाइंस ने अपने ग्राहकों को झटका दिया है. कंपनी ने अपनी घरेलू और इंटरनेशनल फ्लाइट के लिए एयर टर्बाइन फ्यूल चार्ज बढ़ाने का फैसला किया है. ग्लोबल ATF (एयर टर्बाइन फ्यूल) की कीमतों में लगातार बढ़ोतरी के कारण इंडिगो को फ्यूल सरचार्ज बढ़ाने पड़े हैं. इंडिगो के घरेलू और इंटरनेशनल रूट पर फ्यूल सरचार्ज को फिर से संशोधित किया गया है. इंडिगो एयरलाइंस की ओर से ये नए फ्यूल सरचार्ज का ऐलान करने के साथ ही बता दिया गया है कि ये 6 अक्टूबर 2026 यानी मंगलवार से लागू होंगे. पुरानी बुकिंग पर नया चार्ज लागू नहीं होगा, बल्कि इसके प्रभावी होने के दिन से की जाने वाली सभी नई बुकिंग पर इन्हें लागू किया जाएगा।

भारत की सर्वाइकल वैक्सीन को WHO की मंजूरी

नई दिल्ली @ जागरूक जनता। WHO ने सर्वाइकल कैंसर की भारतीय वैक्सीन Cervavac को प्री-क्वालिफिकेशन मंजूरी दे दी है. इसका सीधा मतलब यह है कि इस वैक्सीन को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सुरक्षित, असरदार और उच्च गुणवत्ता का माना गया है. इस टीके को सीरम इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया ने बनाया है. यह सर्वाइकल कैंसर फैलाने वाले एचपीवी वायरस के चार स्ट्रेन के खिलाफ प्रभावी है. इसके लगने के बाद कैंसर की आशंका काफी हद तक कम हो जाती है. भारत सरकार ने भी सर्वाइकल कैंसर के खिलाफ टीकाकरण अभियानों में एचपीवी टीकों को शामिल किया गया है. अब WHO से मान्यता मिलने के बाद ये वैक्सीन दुनिया के कई देशों में भी पहुंच सकेगी।

8 दिन में 60 हजार से ज्यादा श्रद्धालु पहुंचे, ब्रह्मकपाल में पिंडदान-तर्पण को उमड़ी भीड़

कमल नयन सिलोड़ी @ जागरूक जनता। उत्तराखंड के बद्रीनाथ धाम में पितृपक्ष में श्रद्धालुओं का सैलाब उमड़ पड़ा है. ब्रह्मकपाल से लेकर बद्रीनाथ मंदिर परिसर तक हर तरफ भारी भीड़ नजर आ रही है. पितरों की मोक्ष की कामना लेकर देश के कोने-कोने से श्रद्धालु यहां पहुंच रहे हैं. हालात ऐसे हैं कि मंदिर में भगवान बदरी विशाल के दर्शन के लिए लंबी कतारें लगी हैं, तो बद्रीनाथ हाईवे पर सड़कों पर वाहनों की लंबी लाइन दिखाई दे रही है। बद्रीनाथ धाम स्थित ब्रह्मकपाल में पिंडदान और तर्पण का विशेष महत्व माना जाता है. यही वजह है कि इन दिनों यहां बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंच रहे हैं. श्रद्धालु अपने पूर्वजों की आत्मा की शांति और मोक्ष की कामना के साथ ब्रह्मकपाल में पिंडदान और तर्पण कर रहे हैं।

NTA में बड़ा बदलाव, 5000 नए सब्जेक्ट एक्सपर्ट्स का पैनल बनेगा

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

Jagruk Janta EXCLUSIVE

नई दिल्ली: परीक्षा सुधार के लिए पेपर सेट करने वाले 600 विशेषज्ञों को हटाने के बाद नैशनल टेस्टिंग एजेंसी (NTA) की टीम में बड़ी संख्या में सब्जेक्ट एक्सपर्ट्स पैनल को शामिल किया जा रहा है। एनटीए मेडिकल, इंजिनियरिंग, यूनिवर्सिटी समेत बड़ी परीक्षाओं का आयोजन करता है, जिसमें हजारों की संख्या में प्रश्नपत्र तैयार करने होते हैं। सूत्रों का कहना है कि एनटीए में नए एग्जाम सर्कल के लिए करीब 5000 सब्जेक्ट एक्सपर्ट्स का पैनल तैयार करने की कोशिश की जा रही है। नए एक्सपर्ट्स की संख्या को बढ़ाया जा रहा है, जो मॉडर्न टेक्नोलोजी को जानते हैं। अनुभवी सब्जेक्ट एक्सपर्ट्स का पैनल भी होगा। एनटीए द्वारा चुने गए सब्जेक्ट एक्सपर्ट्स का पैनल आमतौर पर 3 साल के लिए होता है और हर वर्ष इसकी समीक्षा होती है। 2026 की परीक्षाओं में गड़बड़ी के बाद एनटीए ने 600 एक्सपर्ट्स को हटा दिया था। एनटीए ने अब नए विशेषज्ञों के आवेदन आमंत्रित भी किए हैं।

अप्रैल आखिर में परीक्षा!

परीक्षा सुधारों पर हाई पावर्ड टास्क फोर्स की रिपोर्ट का इंतजार हो रहा है। यह तो तय है कि 2027 में NEET UG की परीक्षा कंप्यूटर बेस्ट टेस्ट मोड में होगी और जेईई मेन की तरह पैटर्न होगा। जिसमें कई दिनो तक अलग-अलग शिफ्ट में परीक्षा होगी और नॉर्मलाइजेशन भी करना होगा। अभी पेन एंड पेपर मोड में नीट यूजी की परीक्षा मई के पहले रविवार को होती है। नीट यूजी की परीक्षा अप्रैल के आखिरी हफ्ते से शुरू हो सकती है।

File

एजेंसी ने राज्यों से मांगे परीक्षा केंद्र

एनटीए ने इस बार सभी राज्य सरकारो, सभी सरकारी यूनिवर्सिटी, एआईसीटीई, स्कूल- कॉलेजो को केंद्र की बाबत लिखा है। 2027 सेशन की ज्यादातर परीक्षाएं सरकारी शिक्षा संस्थानो मे होगी। केंद्र सरकार ने सभी परीक्षा एजेंसियो से मिलकर काम करने को कहा है ताकि परीक्षाओ की तारीखो के टकरवा को टाला जा सके।

पेपर में AI के इस्तेमाल पर सवाल

यूजीसी नेट 2026 के प्रश्नपत्र तैयार करने मे बड़े स्तर पर AI के इस्तेमाल को लेकर सवाल उठे है। आरोप है कि AI की मदद से बिना पर्याप्त जांच के प्रश्न तैयार किए गए, जिससे समाजशास्त्रियो के नाम तक गलत छप गए। अब पेपर सेटर्स के लिए दिशा-निर्देश बनाए जा रहे है, ताकि एआई का इस्तेमाल सावधानी से हो।

पायलट ने लंदन-शिकागो फ्लाइट का इमरजेंसी अलर्ट भेजा, वजह साफ नहीं

28 हज़ार फीट नीचे आया विमान

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

लंदन के हीथ्रो एयरपोर्ट से शिकागो जा रही ब्रिटिश एयरवेज की फ्लाइट को उड़ान भरने के करीब एक घंटे बाद अचानक वापस ब्रिटेन लौटना पड़ा। फ्लाइट ट्रैकिंग आंकड़ों के मुताबिक, विमान ने आयरलैंड के ऊपर उड़ान के दौरान इमरजेंसी अलर्ट भेजा और कुछ ही मिनटों में करीब 28 हजार फीट नीचे आ गया।

फ्लाइट संख्या BA 295 ने स्थानीय समयानुसार सुबह 11:50 बजे हीथ्रो एयरपोर्ट से उड़ान भरी थी। बोइंग 777-200ईआर विमान को शिकागो ओ'हारे इंटरनैशनल एयरपोर्ट पहुंचने में करीब आठ घंटे 40 मिनट लगने थे।

फ्लाइट ने आयरलैंड के ऊपर यू-टर्न लिया

ट्रैकिंग आंकड़ों के अनुसार, उड़ान के करीब एक घंटे बाद विमान 37 हजार फीट की ऊंचाई पर पहुंच चुका था। इसी दौरान विमान में किसी समस्या के संकेत मिले और उसने सामान्य आपात स्थिति के लिए इस्तेमाल होने वाला अंतरराष्ट्रीय संकेत भेजा। इसके बाद विमान ने तेजी से नीचे आना शुरू किया। आंकड़ों के मुताबिक, कुछ ही मिनटों में इसकी ऊंचाई 37 हजार फीट से घटकर करीब 9 हजार फीट रह गई। यानी विमान करीब 28 हजार फीट नीचे आया। इसके बाद उसने दिशा बदली और वापस ब्रिटेन की ओर उड़ान भरने लगा।

फिलहाल यह स्पष्ट नहीं है कि विमान में किस तरह की समस्या आई थी और पायलट को इतनी तेजी से ऊंचाई कम करने की जरूरत क्यों पड़ी। उपलब्ध जानकारी के मुताबिक, विमान में सवार यात्रियों या चालक दल के सदस्यों के घायल होने की कोई सूचना सामने नहीं आई है।

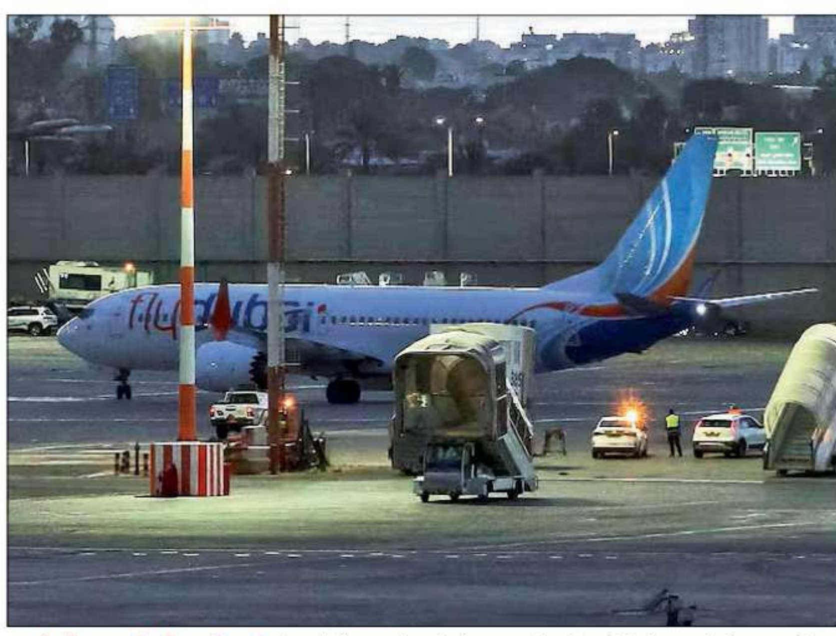

पहले ही कर ली थी साजिश? रॉयटर्स ने जांच से जुड़े दो इस्राइली अधिकारियों के हवाले से बताया कि को-पालयट हमामी ने विमानन कंपनी में नौकरी मिलने से पहले ही हमले की योजना बनाई थी।

तेल अवीव में विमान को गिराने का था प्लान: रिपोर्ट

रिपोर्ट: इटली के अखबार कोरिएरे डेला सेरा के मुताबिक, फ्लाईदुबई के ओमानी सह-पायलट हमाम अल-हमामी की कथित योजना भारतीय पायलट कैप्टन स्मित मच्छर की हत्या कर विमान को इस्राइल के तेल अवीव ले जाने और ऊंची इमारत से टकराने की थी। यह दावा इस्राइली खुफिया सूत्रों के हवाले से किया गया है। रिपोर्ट के अनुसार, हमामी ने नमाज पढ़ने का बहाना बनाकर आपातकालीन कुल्हाड़ी से स्मित पर हमला किया। पहली योजना नाकाम होने पर उसने विमान को सऊदी रेगिस्तान में गिराने की कोशिश की। रॉयटर्स के मुताबिक, हमामी ने नौकरी मिलने से पहले ही हमले की योजना बनाई थी। कोरिएरे की रिपोर्ट में दावा है कि उसने ऑटोपायलट बंद कर नियंत्रण संभाला और विमान करीब 30 सेकंड में 16 हजार फीट नीचे आ गया।

लादेन की सोच जिंदा

Lens खबरों के अंदर की बात

ओसामा बिन लादेन को 14 साल पहले अमेरिका ने मारा था, लेकिन आज भी अल कायदा की सोच जिंदा है। फ्लाईदुबई के को-पायलट को लेकर सामने आए दावों से भी यही संकेत मिलता है। अफगानिस्तान में अल कायदा के ठिकाने, ट्रेनिंग कैंप और ठिकाने मौजूद हैं। वह वहां दूसरे आतंकी संगठनों को भी प्रशिक्षण दे रहा है। अल कायदा से अलग हो चुका HTS अब सीरिया की सत्ता में है। यानी लादेन का संगठन भले बिखर गया हो, उसकी सोच आज भी जिंदा है।

बेटे की हालत जानने को बेचैन था परिवार

जागरूक जनता। विमान में हमले के बाद कैप्टन स्मित मच्छर की बहादुरी की दुनिया में चर्चा हुई, लेकिन उनके माता-पिता के लिए वह रात चिंता और डर से भरी रही। उनका इकलौता बेटा सऊदी अरब के सैन्य अस्पताल में घायल था और परिवार को उसकी हालत की पूरी जानकारी नहीं थी।

स्मित के पिता उपेंद्र मच्छर ने टाइम्स ऑफ इंडिया को बताया कि वह मुंबई से विमान में थे, तभी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने फोन कर उन्हें चिंता न करने को कहा। उन्होंने भरोसा दिया कि दिन खत्म होने से पहले स्मित से बात कराएंगे। बाद में परिवार को पता चला कि स्मित को सऊदी अरब से संयुक्त अरब अमीरात लाया गया है। भारतीय दूतावास ने पत्नी सोनल को बताया कि उन्हें दुबई के शेख के निजी विमान से अबू धाबी के सैन्य अस्पताल ले जाया गया है। परिवार वहां पहुंचा तो स्मित ने कहा कि उन्हें थोड़ा समय चाहिए और वह ठीक हो जाएंगे। पिता के मुताबिक, उनके शरीर पर गहरे घाव हैं और वह दर्द में हैं। अस्पताल ने कम से कम आठ दिन और लगने की बात कही है। स्मित के परिवार को उम्मीद थी कि वह पुश्तैनी कपड़ा कारोबार संभालेंगे, लेकिन उन्होंने पायलट बनने का सपना चुना। न्यूजीलैंड में 10 महीने की ट्रेनिंग के बाद बोइंग 737 की योग्यता के लिए परिवार ने करीब 26 लाख रुपये खर्च किए। लंदन में प्रशिक्षण लेकर वह स्पाइसजेट से जुड़े।

पहली बार 10 हज़ार से ज्यादा लड़कियां पास

JEE एडवांस्ड: लड़कियों ने बनाया नया रेकॉर्ड

AI Image

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

नई दिल्ली: देश के भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थानों (IITs) और अन्य प्रमुख इंजिनियरिंग संस्थानों में दाखिले के लिए हुई परीक्षा JEE एडवांस्ड 2026 के आधार पर IIT में 18861 सीट अलॉट हुई है, जिसमें से महिला उम्मीदवारों की संख्या 3814 (20.22%) रही है। जेईई एडवांस्ड में क्वालीफाई होने वाली महिला उम्मीदवारों की संख्या बीते 6 वर्षों में पहली बार 10 हजार से अधिक हुई है। 2024 में 7964 महिला कैंडिडेट ने एग्जाम क्वालीफाई किया, 2025 में यह नंबर बढ़कर 9404 हो गया था। अब 2026 में 10107 ने क्वालीफाई किया। IIT में महिला सुपरन्यूमेरी सीटों की योजना आने के बाद से लड़कियों के एडमिशन लेने की संख्या में बढ़ोतरी हुई है। परीक्षा के नतीजों में सुधार के बावजूद IIT में महिलाओं की भागीदारी में बहुत कम बदलाव आया। जेईई एडवांस्ड रिजल्ट के आधार पर आईआईटी के अलावा दूसरे इंजिनियरिंग संस्थानों में भी दाखिला होता है।

टॉपर्स की पहली पसंद IIT दिल्ली और मद्रास

टॉप 25 कैंडिडेट्स में से पहली तीन रैंक पाने वालों ने IIT दिल्ली में दाखिला लिया है और उसके बाद चौथी और पांचवी रैंक पाने वाले कैंडिडेट्स ने IIT मद्रास को चुना है। कुल मिलाकर देखें तो 8-8 कैंडिडेट्स ने IIT दिल्ली और IIT मद्रास में दाखिला लिया है। IIT बॉम्बे में 6 टॉपर्स गए है। IIT रूड़की में 2 और IIT कानपुर में 1 छात्र को दाखिला मिला है।

FBI डायरेक्टर काश पटेल ने की सगाई

जागरूक जनता @। अमेरिकी संघीय जांच ब्यूरो (एफबीआई) के निदेशक काश पटेल ने कंट्री सिंगर एलेक्सिस विल्किंस से सगाई कर ली है। दोनों ने एक्स पर पोस्ट के जरिए इसकी जानकारी साझा की। न्यूयॉर्क पोस्ट के मुताबिक, एलेक्सिस ने एक तस्वीर पोस्ट की, जिसमें वह सगाई की अंगूठी दिखाते हुए अपने मंगेतर काश पटेल के साथ नजर आईं। उन्होंने तस्वीर के साथ मजाकिया अंदाज में लिखा, 'कानून को बीच में ले आए।' पटेल ने एलेक्सिस की पोस्ट को दोबारा साझा किया और सगाई की अंगूठी और लाल दिल वाले इमोजी के साथ अपनी खुशी जाहिर की।

हेल्थ पॉलिसी में 10% जेब से देने का प्रस्ताव, विवाद

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

AI Image

जनरल इंश्योरेंस काउंसिल (GIC) के एक नए प्रस्ताव को लेकर स्वास्थ्य बीमा क्षेत्र में विवाद खड़ा हो गया है। प्रस्ताव के तहत व्यापक स्वास्थ्य बीमा लेने वाले मरीजों को भी इलाज के खर्च का 10% अपनी जेब से देना पड़ सकता है। अगर यह प्रस्ताव लागू होता है तो अगले साल 1 जनवरी से सभी सामान्य बीमा कंपनियों की स्वास्थ्य बीमा पॉलिसियों में यह शर्त लागू हो सकती है।

जनरल इंश्योरेंस काउंसिल ने प्रस्ताव पेश किया

प्रस्ताव में सह-भुगतान की अधिकतम सीमा 5 लाख रुपये रखने की बात कही गई है। आलोचकों का कहना है कि इससे 50 लाख रुपये तक के इलाज का खर्च मरीज पर 10% के हिसाब से आ सकता है। उदाहरण के तौर पर 20 लाख रुपये के अस्पताल बिल पर मरीज को 2 लाख रुपये खुद देने पड़ सकते हैं। GIC का तर्क है कि इससे अस्पतालों की ओर से अनावश्यक जांच, प्रक्रियाओं और लंबे समय तक मरीज को भर्ती रखने से बढ़ने वाले इलाज के खर्च पर लगाम लगाई जा सकेगी। आलोचकों के मुताबिक अस्पतालों की मनमानी रोकने की जिम्मेदारी मरीजों पर नहीं डाली जानी चाहिए। आंकड़ों के अनुसार, 2023 में भारत में औसत स्वास्थ्य बीमा दावा करीब 42,000 रुपये था। केवल 15 प्रतिशत दावे 1 लाख रुपये से अधिक और 0.2 प्रतिशत 10 लाख रुपये से अधिक थे। प्रस्ताव पर नियामकीय हस्तक्षेप की मांग की जा रही है।

File

US ने ब्रिटेन से वापस बुलाए सभी बॉम्बर विमान

■ **एपी, वॉशिंगटन:** अमेरिकी वायुसेना ने इंग्लैंड स्थित आरएएफ फेयरफोर्ड सैन्य अड्डे से अपने सभी बमवर्षक विमान वापस अमेरिका बुला लिए हैं। यह कदम अड्डे को निशाना बनाकर कथित आतंकवादी हमले की साजिश की जांच के बीच उठाया गया है। इन विमानों का इस्तेमाल ईरान पर हमले के लिए किया गया था। अमेरिकी रक्षा विभाग के एक अधिकारी ने बताया कि बमवर्षकों को अमेरिका में उनके मूल ठिकानों पर भेज दिया गया है। यह घटनाक्रम ऐसे समय हुआ है जब अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप ईरान के खिलाफ आगे की कार्रवाई के विकल्पों पर विचार कर रहे हैं।

रूस की प्लेग लैब में संक्रमण से मौत, दर्जनों लोग क्वारंटीन

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

File

रूस में प्लेग और अन्य संक्रामक बीमारियों पर शोध करने वाले संस्थान की 28 वर्षीय महिला लैब कर्मचारी की अज्ञात कारणों से हुई मौत के बाद कई लोगों को निगरानी में रखा गया है। CNN की रिपोर्ट के अनुसार, महिला इरकुत्स्क (Irkutsk) रिसर्च एंटी-प्लेग इंस्टिट्यूट में टेक्नीशियन थी। उसे अज्ञात कारणों से हुई निमोनिया की शिकायत के बाद अस्पताल में भर्ती कराया गया था।

रूस में रहस्यमयी मौत के बाद निगरानी बढ़ी

रूस की स्वास्थ्य निगरानी एजेंसी रोस्पोट्रेबनादजोर ने कहा कि महिला के नमूनों में उसके काम से जुड़े किसी सूक्ष्मजीव का पता नहीं चला है। एजेंसी के मुताबिक, इलाके में संक्रामक बीमारी की स्थिति सामान्य है। एजेंसी की प्रमुख अन्ना पोपोवा ने इरकुत्स्क का दौरा किया। स्थानीय गवर्नर के अनुसार, यह बैठक इलाके में किसी बेहद खतरनाक संक्रमण के संदिग्ध मामले को लेकर हुई थी। अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने कहा कि हम मामले पर नजर रख रहे हैं। घबराने की जरूरत नहीं है, लेकिन स्थिति पर ध्यान रखना जरूरी है।

WHO जानकारी जुटा रहा: विश्व स्वास्थ्य संगठन ने कहा कि वह रूसी अधिकारियों के संपर्क में है और घटना, जांच और प्रयोगशाला परीक्षणों के नतीजों की जानकारी जुटा रहा है। डब्ल्यूएचओ के मुताबिक, अभी उपलब्ध गैर-आधिकारिक जानकारी के आधार पर आम लोगों के लिए स्वास्थ्य जोखिम कम नजर आ रहा है।

दिमाग पर लाइट का असर समझाने वाले वैज्ञानिकों को मेडिसिन का नोबेल

डिप्रेशन जैसी बीमारियों के इलाज का नया रास्ता खुला

यह सम्मान लाइट-गेटेड आयन चैनल्स और ऑप्टोजेनेटिक्स की खोजों के लिए दिया गया है

कार्ल डिसेरोथ, पीटर हेगेमैन और जॉर्ज नागेल को संयुक्त रूप से मिला सम्मान

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

मेडिसिन का नोबेल पुरस्कार कार्ल डिसेरोथ, पीटर हेगेमैन और जॉर्ज नागेल को दिया गया है

नई दिल्ली। करोलिंस्का इंस्टिट्यूट की नोबेल असेंबली ने 2026 का फिजियोलॉजी या मेडिसिन का नोबेल पुरस्कार संयुक्त रूप से तीन वैज्ञानिकों को देने का फैसला किया है. ये हैं अमेरिका के स्टैनफोर्ड विश्वविद्यालय और हॉवर्ड ह्यूजेस मेडिकल इंस्टिट्यूट के कार्ल डिसेरोथ, जर्मनी के हम्बोल्ट विश्वविद्यालय के पीटर हेगेमैन और वुर्जबर्ग विश्वविद्यालय के जॉर्ज नागेल।

उन्हें यह सम्मान लाइट-गेटेड आयन चैनल्स और ऑप्टोजेनेटिक्स की खोजों के लिए दिया गया है. यह विधि न्यूरॉन सेल्स को रोशनी की मदद से नियंत्रित करने का तरीका देती है जिससे मस्तिष्क में यादों, भावनाओं और व्यवहारों को समझने में मदद मिलती है. नोबेल समिति के अनुसार इन खोजों ने तंत्रिका विज्ञान के एक नए युग की नींव रखी है. ऑप्टोजेनेटिक्स एक ऐसी तकनीक है जिसमें रोशनी का इस्तेमाल करके जीवित मस्तिष्क में न्यूरॉन सेल्स को चालू या बंद किया जा सकता है. पहले वैज्ञानिक मस्तिष्क के अलग-अलग हिस्सों के काम को समझते थे लेकिन वे कारण और प्रभाव का सीधा संबंध साबित नहीं कर पाते थे। उनकी समझ एक अधूरे नक्शे जैसी होती थी जिसमें कई सवाल रह जाते थे. अब ऑप्टोजेनेटिक्स से यह संभव हो गया है कि किसी खास न्यूरल सर्किट को रोशनी से सक्रिय करके देखा जाए कि वह याददाश्त या भावना पर क्या असर डालता है. समिति के अध्यक्ष पेर स्वेनिंगसन ने कहा कि यह तरीका मस्तिष्क को उस स्तर पर मैप करने का मौका देता है जिसकी पहले सिर्फ कल्पना की जा सकती थी।

शैवाल से शुरू हुई खोज की कहानी

पूरी कहानी एक छोटे से शैवाल से शुरू हुई. पीटर हेगेमैन यह जानना चाहते थे कि क्लैमाइडोमोनास नाम का एककोशिकीय शैवाल रोशनी की तरफ कैसे तैरता है. 2000 के दशक की शुरुआत में उन्होंने जॉर्ज नागेल के साथ मिलकर चैनलरोडॉप्सिन नाम का एक खास प्रोटीन खोजा. यह प्रोटीन शैवाल की कोशिका की सतह पर पाया जाता है. जब इस पर नीली रोशनी पड़ती है तो प्रोटीन में एक चैनल खुल जाता है. इससे आवेशित आयन कोशिका के अंदर प्रवेश करते हैं और एक विद्युत संकेत पैदा होता है. वैज्ञानिकों ने पाया कि यह प्रोटीन किसी भी कोशिका में डाल दिया जाए तो वह कोशिका रोशनी के प्रति संवेदनशील हो जाती है. यह खोज बहुत महत्वपूर्ण थी क्योंकि इससे पहली बार एक ऐसा जैविक स्विच मिला जो रोशनी से नियंत्रित हो सकता था. कार्ल डिसेरोथ ने इस खोज को आगे बढ़ाया. उन्होंने चैनलरोडॉप्सिन के जीन को चूहों की न्यूरॉन सेल्स में डाला. जब उन्होंने इन कोशिकाओं पर नीली रोशनी डाली तो न्यूरल संकेत पैदा हो गया. उन्होंने यह सफलता 2005 में प्रकाशित की।

बड़ी चुनौती फ्लावियो बोल्सोनारो को 5.6 करोड़ से ज्यादा वोट, जबकि लूला को करीब 5.36 करोड़ वोट मिले, फ्लावियो का प्रदर्शन बेहतर रहा

ब्राज़ील में सत्ता की जंग दूसरे दौर में, लूला-फ्लावियो में टक्कर

■ **एपी, ब्रासीलिया:** ब्राजील के राष्ट्रपति चुनाव में पहले दौर में किसी उम्मीदवार को बहुमत नहीं मिला। अब मौजूदा राष्ट्रपति लुइज इनासियो लूला दा सिल्वा और सीनेटर फ्लावियो बोल्सोनारो के बीच 25 अक्टूबर को दूसरे दौर का मुकाबला होगा। अगला राष्ट्रपति कार्यकाल 5 जनवरी 2027 से शुरू होगा।

चुनाव प्राधिकरण के आंकड़ों के मुताबिक, फ्लावियो बोल्सोनारो को 5.6 करोड़ से ज्यादा वोट, जबकि लूला को करीब 5.36 करोड़ वोट मिले। फ्लावियो का प्रदर्शन चुनाव से पहले के ज्यादातर सर्वेक्षणों के अनुमान से बेहतर रहा। पहले दौर में लूला और फ्लावियो के अलावा 10 उम्मीदवार मैदान में थे। अब इन उम्मीदवारों को मिले वोट और उनके समर्थकों का रुख दूसरे दौर में अहम हो सकता है। चुनाव में अपराध, सार्वजनिक सुरक्षा, महंगाई और जीवन-यापन की लागत प्रमुख मुद्दे रहे। महिलाओं के खिलाफ हिंसा भी बड़ा मुद्दा रही। चुनावी मतदाताओं में महिलाओं की हिस्सेदारी 53% है।

AP

ट्रंप ने सुधारी गलती: अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप ने भारत के बजाय ब्राजील के राष्ट्रपति चुनाव का उल्लेख करने वाली अपनी सोशल मीडिया पोस्ट में हुई गलती को सोमवार को सुधार लिया।

स्पेन: आवास मुद्दे पर घिरी सरकार

■ **एपी, मैड्रिड:** स्पेन के प्रधानमंत्री पेद्रो सांचेज ने सोमवार को समय से पहले आम चुनाव कराने की घोषणा की। चुनाव 29 नवंबर को होगा। उनकी सरकार को पिछले सप्ताह आवास संकट से जुड़े आपात उपायों पर संसद में हार का सामना करना पड़ा था। कई शहरों में हाल के हफ्तों में लोगों ने किफायती घर उपलब्ध कराने की मांग को लेकर प्रदर्शन किए हैं। पिछले महीने मैड्रिड में 87 वर्षीय एक महिला को घर से निकाले जाने की घटना टीवी पर प्रसारित होने के बाद लोगों का गुस्सा और बढ़ गया। दक्षिणपंथी विपक्षी दलों ने सरकार के दो आपात अध्यादेशों को रोकने के लिए एकजुट होकर मतदान किया था। इनमें बेदखली और रियल एस्टेट में सट्टेबाजी कम करने के उपाय शामिल थे।

29 नवंबर को चुनाव

स्पेन में अगला आम चुनाव 2027 की गर्मियों में होना था

पीएम ने समय से पहले चुनाव कराने की घोषणा की

संपादक : ज्ञानेन्द्र मिश्रा मो.-9829329070, फोन : 0141-3587886, ईमेल : jagrukjantanews@gmail.com (सभी मामलों का न्याय क्षेत्र जयपुर) * पीआरबी एक्ट के तहत खबर चयन के जिम्मेदार। संपादकीय कार्यालय : 132, जे.पी. कॉलोनी, सैक्टर-4, विद्याधर नगर, जयपुर (राजस्थान)-302039 समाचार संपादक- चेतेन्द्र कुमार मिश्रा

राजस्थान में विधिक माप विज्ञान विभाग की बड़ी कार्रवाई

108 फर्मों का निरीक्षण कर ₹2.61 की कम्पाउंडिंग

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। उपभोक्ता हितों की सुरक्षा तथा पैकेज्ड सामग्री के संबंध में निर्धारित विधिक प्रावधानों की प्रभावी पालना को सुनिश्चित करने के उद्देश्य से उपभोक्ता मामले विभाग का विधिक माप विज्ञान प्रकोष्ठ राज्यभर में विशेष निरीक्षण अभियान चला रहा है। अभियान के अंतर्गत राजस्थान के विभिन्न जिलों में कुल 108 फर्मों का निरीक्षण कर विभिन्न अनियमितताओं के संबंध में नियमानुसार प्रवर्तन कार्रवाई करते हुए 2,61,000 रूपये की कम्पाउंडिंग की गई। जयपुर में 22 गोदाम स्थित विट्रोमेड हैल्थकेयर के निरीक्षण में फर्म का पैकर रजिस्ट्रेशन नहीं मिलने पर 15,000 रूपये की कम्पाउंडिंग राशि अधिरोपित की गई।

पैकेज पर निर्धारित अनिवार्य घोषणाओं में कमी पाई गई। इन कमियों में सुधार के लिए फर्म को इम्प्रूवमेंट नोटिस जारी कर निर्धारित समयावधि में आवश्यक सुधार एवं वैधानिक अनुपालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिया गया। विधिक माप विज्ञान प्रकोष्ठ ने स्पष्ट किया है कि पैकेज्ड कमोडिटीज के निर्माताओं, पैकरों एवं संबंधित व्यापारिक प्रतिष्ठानों द्वारा वैधानिक पंजीयन तथा पैकेज पर निर्धारित अनिवार्य घोषणाओं का पूर्ण एवं सही अनुपालन सुनिश्चित नहीं होने पर कड़ी कार्रवाई होगी। उपभोक्ताओं को उत्पाद से संबंधित आवश्यक एवं सही जानकारी उपलब्ध कराना वैधानिक दायित्व है। इन प्रावधानों के उल्लंघन को विभाग द्वारा गंभीरता से लिया जा रहा है।

अग्रवाल समाज को बदलना होगा अपना सेवा एजेंडा- डॉ. मित्तल

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

कोलकाता। आए आज ही हम संकल्प ले। दूसरों के घर का दीपक जलाने से पहले,

अपने अग्र बंधु भाई के घर उजाला करना हमारा सामाजिक एवं नैतिक दायित्व है। बंधुओं, हम उस समाज का हिस्सा हैं जहाँ व्यक्ति भूखा सो सकता है, लेकिन अपने स्वाभिमान, आत्मसम्मान और लोकलाज के कारण किसी के सामने हाथ फैलाना नहीं चाहेगा । अपने स्वाभिमान के कारण हमारे अनेक अग्रबंधु कठिन परिस्थितियों में भी अपनी परेशानी किसी के सामने व्यक्त नहीं करते। इसलिए यदि कोई अग्रबंधु स्वयं आगे आकर सहायता मदद का अनुरोध लेकर आता है, तो हमें यह समझना होगा कि उसने अपनी ओर से हर संभव प्रयास कर लिया है और अब उसे वास्तव में हमारे सहयोग की नितांत आवश्यकता है। आज आवश्यकता इस बात की है कि हम केवल सहायता की प्रतीक्षा करने वालों तक सीमित न रहें, बल्कि अपने-अपने क्षेत्र में ऐसे जरूरतमंद परिवारों को स्वयं चिन्हित करें और उनके घर तक पहुँचें। उनकी पहचान और परिस्थितियों की पूर्ण गोपनीयता का अश्वासन देते हुए सम्मानपूर्वक सहायता की ऐसी व्यवस्था बनाई जाए, जिससे किसी भाई की जरूरत भी पूरी हो और उसका स्वाभिमान भी सुरक्षित रहे। हमारा उद्देश्य केवल किसी जरूरतमंद को तत्काल सहायता देना नहीं, बल्कि उसे आत्मनिर्भर बनने तक साथ देना होना चाहिए। ऐसा हमें प्रयास करना होगा। यही सच्चे अर्थों में भगवान श्री अग्रसेन जी के "एक ईंट-एक रुपया" के सिद्धांत को सार्थक करना होगा। सामाजिक सेवा में सबसे बड़ी चुनौती यह है कि हम अक्सर प्रशंसा की अपेक्षा के बिना सेवा करना भूल जाते हैं। इसलिए सभी पदाधिकारियों से विनम्र आग्रह है कि अपने पद के अनुरूप बिना किसी सम्मान, प्रशंसा, श्रेय या प्रतिफल की अपेक्षा के, अपने सामाजिक दायित्वों और कर्तव्यों का ईमानदारी से निर्वहन करे ऐसा हमारा मानना है। यदि कभी आपके कार्य का श्रेय मिल जाए, तो उसे "सेवा बोनस" समझ नमन करे। आइए, हम ऐसा अग्रवाल समाज बनाएँ जहाँ कोई जरूरतमंद भाई मदद माँगने के लिए मजबूर न हो, बल्कि जरूरत पड़ने से पहले समाज स्वयं उसके घर पहुँच जाए।

राज्य स्तरीय फर्टिलाइजर डिस्ट्रीब्यूशन रेगुलेटरी टास्क फोर्स की बैठक आयोजित

रबी सीजन में किसानों को मांग अनुरूप उपलब्ध करवायें गुणवत्तायुक्त उर्वरक

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। राज्य में आगामी रबी सीजन 2026-27 के दौरान किसानों को उनकी मांग के अनुरूप गुणवत्तायुक्त उर्वरकों की निर्बाध उपलब्धता सुनिश्चित करने तथा उर्वरकों की जमाखोरी एवं कालाबाजारी पर प्रभावी अंकुश लगाने की दिशा में मंगलवार को शासन सचिवालय में राज्य स्तरीय 'फर्टिलाइजर डिस्ट्रीब्यूशन रेगुलेटरी टास्क फोर्स' की बैठक आयोजित की गई। बैठक में रबी सीजन के दौरान उर्वरकों की उपलब्धता, आवंटन, आपूर्ति एवं गुणवत्ता से संबंधित विभिन्न बिंदुओं पर चर्चा की गई।

बैठक की अध्यक्षता करते हुए मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास ने कहा कि राज्य सरकार का प्राथमिक उद्देश्य किसानों के हितों की रक्षा करना है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि किसानों की मांग के अनुरूप डीएपी एवं यूरिया का सुचारू एवं पारदर्शी वितरण सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि केन्द्र सरकार द्वारा राज्य के लिए आवंटित उर्वरकों की मात्रा का उचित एवं समयबद्ध आवंटन सुनिश्चित करने के साथ ही संबंधित आपूर्तिकर्ता कंपनियों से निर्बाध आपूर्ति सुनिश्चित की जाए। उन्होंने कहा कि रबी बुआई के महत्वपूर्ण समय में प्रदेश में डीएपी एवं यूरिया की उपलब्धता में किसी प्रकार की कमी नहीं होनी चाहिए। इसके लिए सभी संबंधित अधिकारी एवं आपूर्तिकर्ता कंपनियां आपसी समन्वय से कार्य करें। उन्होंने सभी जिलों में डीएपी एवं यूरिया के स्टॉक की स्थिति की समीक्षा करते हुए, मांग एवं उपलब्धता की निरंतर मॉनिटरिंग करने तथा आवश्यकता के अनुरूप तत्काल कार्यवाही सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

बैठक में प्रमुख शासन सचिव, कृषि एवं उद्यानिकी श्रीमती मंजू राजपाल ने बताया कि प्रदेश में उर्वरक प्रबंधन को प्रभावी बनाने के लिए प्रत्येक उर्वरक वितरण केन्द्र पर कृषि पर्यवेक्षक एवं सहायक कृषि अधिकारियों की प्रत्यक्ष उपस्थिति में उर्वरक वितरण सुनिश्चित किया जा रहा है। इसके साथ ही प्रदेश में 744 उर्वरक निरीक्षकों के माध्यम से जमाखोरी, कालाबाजारी, टैगिंग एवं अवैध भंडारण जैसी अनियमितताओं को रोकने के लिए प्रभावी कार्रवाई की जा रही है। उन्होंने बताया कि 'धरती माता बचाओ अभियान' के तहत गठित समितियों द्वारा नियमित बैठकें आयोजित कर उर्वरकों की उपलब्धता एवं वितरण व्यवस्था की निगरानी की जा रही है।

बैठक में शासन सचिव, सहकारिता डॉ. समित शर्मा, आयुक्त कृषि श्री नरेश कुमार गोयल तथा इफको, कृभको, आईपीएल, सीएफसीएल, एनएफएल एवं एचयूआरएल सहित प्रमुख उर्वरक आपूर्तिकर्ता कंपनियों के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

प्रदेश में पर्याप्त उर्वरक स्टॉक उपलब्ध

वर्तमान में प्रदेश में 3 लाख 73 हजार मैट्रिक टन यूरिया, 1 लाख 04 हजार मैट्रिक टन डीएपी, 95 हजार मैट्रिक टन एनपीके तथा 2 लाख 09 हजार मैट्रिक टन एसएसपी का स्टॉक उपलब्ध है। उर्वरकों की आपूर्ति लगातार जारी है। भारत सरकार द्वारा राज्यों को उर्वरकों का माहवार एवं कम्पनीवार आवंटन किया जाता है। राज्य सरकार द्वारा प्राप्त आवंटन और जिलों की वास्तविक मांग के आधार पर जिलेवार आपूर्ति योजना तैयार कर उर्वरकों का पारदर्शी वितरण सुनिश्चित किया जा रहा है।

पूर्वी सिंहभूम जिला अंतरराष्ट्रीय अग्रवाल सम्मेलन, गोलमुरी शाखा द्वारा अग्रसेन जयंती महोत्सव का भव्य आयोजन

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जमशेदपुर। पूर्वी सिंहभूम जिला अंतरराष्ट्रीय अग्रवाल सम्मेलन की गोलमुरी शाखा द्वारा अग्रसेन जयंती के पावन उपलक्ष्य में भव्य सांस्कृतिक महोत्सव का आयोजन किया गया। इस अवसर पर समाज के बच्चों एवं युवाओं के लिए 3 विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। जिसमें शतरंज प्रतियोगिता, रामायण क्विज और हनुमान चालीसा पाठ शामिल था।

कार्यक्रम में समाज के वरिष्ठ पदाधिकारी शंकर अग्रवाल, ओम प्रकाश देबूका, संदीप रिंगसिया, दीपक अग्रवाल, सौरभ संथालिया,शशि लड्ढा सहित समाज के अन्य गणमान्य सदस्य उपस्थित रहे। सभी अतिथियों ने विजेताओं को बधाई दी और महाराजा अग्रसेन जी के आदर्शों पर चलने का संदेश दिया। इनके अलावा अध्यक्ष सुशील अग्रवाल, मोहित शाह, जगदीश खेमका, मनीष खन्ना, शिवम चेतानी, उमेश देबुका, रतन अग्रवाल, महावीर अग्रवाल, सक्षम पलसानिया, नेहा अग्रवाल, सिद्धि काउंटिया, रुचि जैन, कविता अग्रवाल, अंशु अग्रवाल, बिंदिया नरेदी मौजूद थे। कार्यक्रम में शतरंज प्रतियोगिता -सीनियर वर्ग में प्रथम -अक्षत चौधरी, द्वितीय-उमंग अग्रवाल, तृतीय -सान्वी मानका,चतुर्थ-तेजस अग्रवाल, पंचम -आश्वी अग्रवाल, शतरंज प्रतियोगिता- जूनियर वर्ग में एकलव्य सरायवाला, धैर्य अग्रवाल, आरव लड्ढा, दर्शित चौधरी, धान्या गोयल, रामायण क्विज में प्रथम- देवांश अग्रवाल, द्वितीय - राघव अग्रवाल, तृतीय- काव्या अग्रवाल रहे। वहीं, हनुमान चालीसा पाठ में प्रथम-काव्या अग्रवाल, द्वितीय- अद्विक अग्रवाल, तृतीय-रूहानिका बंसल रही। कार्यक्रम को सफल बनाने में संयोजिकाओं - शालिनी गुप्ता, मोनिका गुप्ता, नीरजा गुप्ता एवं प्रीति देबूका का विशेष योगदान रहा। अंत में सभी विजेताओं को आगामी 10 अक्टूबर को माइकल जॉन ऑडिटोरियम में होने वाले मुख्य अग्रसेन जयंती समारोह में सम्मानित करने की घोषणा की गई।

आबकारी आयुक्त के निर्देशन में अवैध मदिरा पर कार्रवाई - स्प्रिट जब्त, वॉश एवं भट्टियां नष्ट

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। आबकारी आयुक्त नमित मेहता के निर्देशानुसार प्रदेश में अवैध मदिरा निर्माण, भण्डारण, परिवहन एवं विक्रय पर रोकथाम के लिए नाकाबंदी, गश्त, रेड की प्रभावी कार्यवाही जारी है। पंचायती राज चुनावों की आचार संहिता के तहत उदयपुर के आबकारी थाना क्षेत्र मावली के ग्राम बड़ोदिया में एक फार्म हाउस पर दबिश देकर 125 लीटर स्प्रिट 200 लीटर के ड्रम में बरामद किया गया। आबकारी एक्ट के तहत अभियोग दर्ज कर अग्रिम अनुसंधान किया जा रहा है। उक्त कार्रवाई आबकारी आयुक्त नमित मेहता के निर्देशन में अतिरिक्त आबकारी आयुक्त प्रदीप सिंह सांगावत के सुपरविजन में की गई। इसी प्रकार जयपुर ग्रामीण चाकसू द्वारा देवगांव, बागरिया व सीतापुर में दबिश देकर 10 हजार लीटर वॉश सहित 10 मदिरा भट्टियां नष्ट की गई। फुलेरा थाना क्षेत्र में किंगफिशर बीयर के 20 केन 500 एमएल जब्त कर अभियुक्त को गिरफ्तार किया। पाली जिले में आबकारी निरीक्षक सोजत ने रेलवे पुलिस के साथ संयुक्त कार्रवाई में 36 बोतल अंग्रेजी मदिरा फोर सेल इन पंजाब जब्त करते हुए अभियोग दर्ज किया। सिरोही में आबकारी थाना आबूरोड़ द्वारा 2400 लीटर वॉश सहित एक मदिरा भट्टी नष्ट कर मौके से 2 अभियुक्तों को गिरफ्तार किया।

बियानी ग्रुप ऑफ कॉलेजेज में जनरेटिव एआई एवं एजेंटिक एआई पर सेमिनार आयोजित

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। बियानी ग्रुप ऑफ कॉलेजेज के डिपार्टमेंट ऑफ एजुकेशन की ओर से 'जनरेटिव एआई एवं एजेंटिक एआई' विषय पर व्यावहारिक प्रशिक्षण आधारित सेमिनार एवं कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम एडुनेट फाउंडेशन एवं आईबीएम के सहयोग से आयोजित हुआ। इसका उद्देश्य विद्यार्थियों एवं शिक्षकों को आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के प्रभावी उपयोग से परिचित कराना तथा उनके तकनीकी कौशल को विकसित करना था।

कार्यक्रम में एडुनेट फाउंडेशन के मास्टर ट्रेनर हिरन जे. मोधा, डीन एवं प्रिंसिपल डॉ. ध्यान सिंह गोठवाल, आईटी विभागाध्यक्ष सचिन बगोरिया, एसोसिएट प्रोफेसर राहुल अग्रवाल सहित आईटी विभाग के फैकल्टी सदस्य एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे।

मास्टर ट्रेनर हिरन जे. मोधा ने प्रतिभागियों को विभिन्न एजेंटिक एआई टूल्स के व्यावहारिक उपयोग की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि जनरेटिव एआई एवं एजेंटिक एआई की सहायता से दैनिक कार्यों को किस प्रकार आसान बनाया जा सकता है तथा जनरेटिव एआई का प्रभावी उपयोग कैसे किया जा सकता है। कार्यशाला के दौरान फैकल्टी सदस्यों एवं विद्यार्थियों ने विभिन्न जनरेटिव एआई एवं एजेंटिक एआई टूल्स का स्वयं प्रयोग कर उनके व्यावहारिक उपयोग को समझा। संवादात्मक एवं व्यावहारिक गतिविधियों के माध्यम से प्रतिभागियों ने जाना कि एआई को दैनिक जीवन में प्रभावी, जिम्मेदार एवं उद्देश्यपूर्ण तरीके से किस प्रकार शामिल किया जा सकता है। डायरेक्टर डॉ. संजय बियानी के विजन के अनुरूप विद्यार्थियों एवं शिक्षकों को नई तकनीकों से जोड़ने पर विशेष जोर दिया जाता है। इसी दिशा में प्रतिभागियों को एआई के प्रभावी एवं जिम्मेदार उपयोग के लिए प्रोत्साहित किया गया। सेमिनार के माध्यम से प्रतिभागियों को एआई के व्यावहारिक उपयोग की जानकारी मिली तथा उन्हें उपयुक्त एआई टूल्स को प्रभावी एवं जिम्मेदारी के साथ अपनाने के लिए प्रोत्साहित किया गया।

भुजेला में भूजल प्रदूषण पर प्रशासन हरकत में

तहसीलदार की उपस्थिति में विभाग की टीम ने लिए पानी के सैम्पल

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

सिरोही (तुषार पुरोहित)। सिरोही जिले के पिंडवाड़ा तहसील क्षेत्र में भुजेला के पास नायरा पेट्रोल पंप के आसपास भूजल प्रदूषण का मामला सामने आया है। स्थानीय लोगों का आरोप है कि क्षेत्र में संचालित कुछ केमिकल उद्योगों से निकलने वाले रासायनिक अवशिष्टों के जमीन में पहुंचने के कारण आसपास का भूजल प्रभावित हो रहा है। हालांकि, पानी प्रदूषित होने के वास्तविक कारणों की पुष्टि जांच और पानी के वैज्ञानिक परीक्षण के बाद ही हो सकेगी। पिंडवाड़ा तहसील क्षेत्र के भुजेला में नायरा पेट्रोल पंप के पास भूजल प्रदूषण से जुड़े मामले को लेकर प्रशासन ने गंभीरता दिखाई है। मीडिया मे द्वारा मामला सामने लाए जाने के बाद पिंडवाड़ा स्थ्ठरूनरेंद्र जांगिड़ और तहसीलदार चमनलाल मौके पर पहुंचे और पूरे क्षेत्र का निरीक्षण किया।

RJ इंडस्ट्रीज की जांच, लिए सैंपल

मौके पर प्रदूषण नियंत्रण विभाग की टीम भी पहुंची। टीम ने RJ इंडस्ट्रीज का निरीक्षण करते हुए वहां से पानी के सैंपल लिए। इसके साथ ही आसपास के कुओं और नलकूपों से भी पानी के नमूने लिए गए हैं। इन सैंपलों की जांच रिपोर्ट आने के बाद मामले में आगे की कार्रवाई की जाएगी।

किसान और होटल व्यवसायी परेशान

स्थानीय लोगों का कहना है कि क्षेत्र में जमीन से मटमैला पानी निकल रहा है। पानी की गुणवत्ता को लेकर किसान, होटल व्यवसायी और आसपास रहने वाले लोग परेशान हैं। स्थानीय लोगों ने पानी के प्रदूषण की निष्पक्ष जांच और जिम्मेदार पक्ष के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है।

स्वास्थ्य की चिंता

प्रदूषित पानी के इस्तेमाल से आमजन के स्वास्थ्य पर संभावित दुष्प्रभाव को लेकर भी लोगों में चिंता और आय़ेश है। ग्रामीणों का कहना है कि लंबे समय से पानी की गुणवत्ता को लेकर समस्या सामने आ रही है, ऐसे में प्रशासन से जल्द समाधान की उम्मीद है।

जांच रिपोर्ट के बाद होगी कार्रवाई

स्थ्ठरूनरेंद्र जांगिड़ ने मामले को गंभीरता से लेते हुए तत्काल मौके पर पहुंचकर स्थिति का जायजा लिया। प्रशासन और प्रदूषण नियंत्रण विभाग की ओर से लिए गए पानी के नमूनों की जांच रिपोर्ट के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

ग्राउंड जीरो पर मटमैला नजर आया बोरिंग का पानी

ग्राउंड जीरो पर पड़ताल के दौरान बोरिंग से निकलने वाला पानी मटमैला दिखाई दिया। स्थानीय लोगों का कहना है कि क्षेत्र में लंबे समय से पानी की गुणवत्ता को लेकर चिंता बनी हुई है। उनका आरोप है कि आसपास के कुओं और बोरिंग के पानी पर भी इसका असर देखने को मिल रहा है।

होटल व्यवसाय भी चिंतित

भुजेला क्षेत्र राष्ट्रीय राजमार्ग के आसपास होने के कारण यहां बड़ी संख्या में होटल और अन्य व्यावसायिक गतिविधियां संचालित होती हैं। स्थानीय लोगों के अनुसार पानी की गुणवत्ता खराब होने से किसानों के साथ-साथ हाईवे किनारे होटल संचालकों को भी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। वहीं पशुपालक परिवारों को अपने मवेशियों के लिए पानी की उपलब्धता और गुणवत्ता को लेकर चिंता है।

पेट्रोल पंप संचालक ने लगाए आरोप

नायरा पेट्रोल पंप के संचालक चिमनलाल जणवा का आरोप है कि पेट्रोल पंप के पास एक रासायनिक केमिकल फैक्ट्री संचालित है। उनके मुताबिक फैक्ट्री से विभिन्न प्रकार के केमिकल जमीन में डाले जाने के कारण आसपास के क्षेत्र का पानी प्रदूषित हुआ है। उनका दावा है कि इसका असर पेट्रोल पंप के साथ आसपास स्थित होटलों के पानी पर भी पड़ा है।

आरोपों की जांच के बाद ही साफ होगी असली वजह

हालांकि, केमिकल फैक्ट्री से भूजल प्रदूषण होने के आरोप लगाए जा रहे हैं, लेकिन इसकी स्वतंत्र पुष्टि अभी नहीं हुई है। पानी प्रदूषण के वास्तविक कारण का पता लगाने के लिए संबंधित विभागों की ओर से भूजल और पानी के नमूनों की वैज्ञानिक जांच जरूरी है।

प्रशासन की जांच पर टिकी निगाहें

अब सवाल यह है कि सिरोही जिला प्रशासन इस मामले को कितनी गंभीरता से लेता है और क्या संबंधित विभाग मौके पर पहुंचकर पानी के नमूने लेकर जांच करवाते हैं। यदि जांच में किसी उद्योग या अन्य स्रोत से भूजल प्रदूषण की पुष्टि होती है, तो जिम्मेदार लोगों के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई का रास्ता साफ हो सकता है। फिलहाल क्षेत्र के किसान, होटल व्यवसायी और पशुपालक प्रशासन की कार्रवाई और जांच रिपोर्ट का इंतजार कर रहे हैं।

पिंडवाड़ा उपखंड अधिकारी नरेंद्र जांगिड़ ने कहा कि भुजेला क्षेत्र में पानी प्रदूषण से जुड़े पूरे मामले की जांच करवाई जाएगी। जांच में यदि किसी व्यक्ति या उद्योग की लापरवाही अथवा जिम्मेदारी सामने आती है तो संबंधित दोषियों के खिलाफ नियमानुसार अग्रिम कार्रवाई की जाएगी।

सुमन 'शिक्षा गौरव सम्मान' से सम्मानित

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

झुंझुनूं। विश्व शिक्षक दिवस के अवसर पर 'साहित्य संगम संस्थान' द्वारा शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान और अनुकरणीय कर्तव्यनिष्ठा के लिए सुमन राठौड़ जी को प्रतिष्ठित "शिक्षा गौरव सम्मान" से अलंकृत किया गया है। संस्थान के राष्ट्रीय अध्यक्ष राजवीर सिंह 'मंत्र', महासचिव कविराज तरुण सक्षम, संयोजक डॉ. नवीन कुमार भट्ट 'नीर' और सह संयोजक दीपाली पण्डेय 'दीया' ने उनके राष्ट्र निर्माण में अमूल्य योगदान की सराहना करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की है।

सड़क निर्माण में गुणवत्ता और समयबद्धता सर्वोच्च प्राथमिकता-ईनाणी

चित्तौड़गढ़ @ जागरूक जनता। नगर परिषद सभापति अनिल ईनाणी ने नगर परिषद मे ठेकेदारों के साथ बैठक कर शहर में चल रहे विभिन्न विकास एवं निर्माण कार्यों की प्रगति की समीक्षा की। सभापति ईनाणी ने ठेकेदारों को सभी कार्य गुणवत्तापूर्ण तरीके से निर्धारित समय सीमा में पूरा करने के स्पष्ट निर्देश दिए। ईनाणी ने कहा कि सड़क निर्माण से पहले संबंधित विभागों के साथ समन्वय कर सभी आवश्यक भूमिगत लाइन, पाइपलाइन एवं अन्य अंडरग्राउंड कार्य पूर्ण किए जाएं। इसके बाद ही सड़क का निर्माण किया जाए, ताकि भविष्य में बार-बार सड़क की खुदाई और पेचवर्क की स्थिति उत्पन्न न हो।

बीएपी के ब्लॉक प्रभारी सहित 39 कार्यकर्ताओं ने ली भाजपा सदस्यता

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। भारतीय जनता पार्टी की जनहितकारी नीतियों, सुशासन एवं जनसेवा के संकल्प से प्रभावित होकर मंगलवार को जयपुर स्थित भाजपा प्रदेश कार्यालय में भारत आदिवासी पार्टी (बीएपी) के गलियाकोट ब्लॉक प्रभारी एवं सागवाड़ा विधानसभा क्षेत्र, डूंगरपुर के निवासी सुखलाल मकवाना सहित 39 कार्यकर्ताओं ने भारतीय जनता पार्टी की सदस्यता ग्रहण की।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने डूंगरपुर जिला महामंत्री पंकज जैन एवं एसटी मोर्चा प्रदेश कार्यसमिति सदस्य बलवीर आहरी की उपस्थिति में सभी कार्यकर्ताओं को भाजपा की सदस्यता ग्रहण करवाई। राठौड़ ने पार्टी का दुपट्टा पहनाकर एवं मिठाई खिलाकर सभी नवागत कार्यकर्ताओं का स्वागत किया।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी राष्ट्र प्रथम के भाव के साथ जनसेवा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए कार्य करती है। भाजपा की नीतियों और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश में हो रहे विकास कार्यों से प्रभावित होकर विभिन्न राजनीतिक दलों के कार्यकर्ता लगातार भाजपा से जुड़ रहे हैं। उन्होंने नवागत कार्यकर्ताओं से आह्वान किया कि वे संगठन को मजबूत करने के साथ ही राष्ट्र प्रथम एवं जनसेवा की भावना से सक्रिय होकर कार्य करें।

जागरूक खबरें

इग्नू पीएच.डी. प्रवेश परीक्षा 11 को

जयपुर @ जागरूक जनता। इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय (इग्नू) की जुलाई 2026 सत्र की पीएच.डी. प्रवेश परीक्षा दिनांक 11 अक्टूबर 2026 (रविवार) को देशभर के निर्धारित परीक्षा केन्द्रों पर आयोजित की जाएगी। जयपुर क्षेत्र के अभ्यर्थियों के लिए यह परीक्षा इग्नू परीक्षा केन्द्र कोड 2357, महात्मा ज्योतिराव फुले महिला बी.एड. कॉलेज, राम नगर एक्सटेंशन, सोडाला, जयपुर पर आयोजित होगी। परीक्षा समय प्रातः 10 बजे से दोपहर 1 बजे तक रहेगा।

विश्व बैंक ने 2026-27 के लिए भारत की वृद्धि के अनुमान को बढ़ा कर 7.1 प्रतिशत किया

नई दिल्ली @ जागरूक जनता। विश्व बैंक ने वैश्विक चुनौतियों के बावजूद भारत सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में वित्त वर्ष 2026-27 के दौरान वृद्धि के अपने अनुमान को बढ़ा कर 7.1 प्रतिशत कर दिया और कहा कि वैश्विक चुनौतियों के बाद भारतीय अर्थव्यवस्था की गति तेज बनी हुई है। विश्व बैंक का ताजा अनुमान इसी वर्ष जून के अनुमान से प्रतिशत 0.5 अंक ज्यादा है । विश्व बैंक ने अप्रैल में जारी अपने पिछले अनुमान में चालू वित्त वर्ष में वृद्धि 6.6 प्रतिशत रहने का अनुमान लगाया था। विश्व बैंक की मंगलवार को भारतीय अर्थव्यवस्था पर जारी नये अद्यतन अनुमान- 'इंडिया डेवलपमेंट अपडेट' में कहा गया है कि मजबूत घरेलू मांग और बेहतर निर्यात से देश की आर्थिक वृद्धि को समर्थन मिल रहा है। रिपोर्ट में कहा गया है कि " भारत दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ने वाली प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में बना हुआ है और वैश्विक विकास में महत्वपूर्ण योगदान दे रहा है।" अद्यतन अनुमान में कहा गया है कि भारत की मध्यम अवधि की आर्थिक संभावनाएं मजबूत हैं। हालांकि, बाहरी जोखिम बढ़े हुए हैं। इनमें वैश्विक तेल कीमतों में वृद्धि, अल नीनो (गर्मी और सूखे की परिस्थिति) और शेयर बाजार में गिरावट से जुड़े जोखिम शामिल हैं, जिनसे पूंजी प्रवाह में अस्थिरता पैदा हो सकती है। रिपोर्ट का विशेष विषय है "भारत और कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई): विकास के अवसर का लाभ उठाना" है और भारत की इस मामले में बुनियादी परिस्थितियां मजबूत हैं।

सतत कृषि उत्पादन के लिए कृषि एवं संबद्ध विज्ञान में नवीन प्रगति पर 21 दिवसीय प्रशिक्षण शुरू

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जोबनेर। श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि विश्वविद्यालय, जोबनेर एवं एनएडीसीएल, बारामूला के संयुक्त तत्वावधान में "सतत कृषि उत्पादन के लिए कृषि एवं संबद्ध विज्ञान में नवीन प्रगति" विषय पर 21 दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ मंगलवार को हुआ। कार्यक्रम में देशभर से 82 से अधिक वैज्ञानिक एवं प्रतिभागी भाग ले रहे हैं। प्रशिक्षण के दौरान 21 दिनों तक कृषि एवं संबद्ध विज्ञान से जुड़े विभिन्न विषयों पर ऑनलाइन कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।

उद्घाटन सत्र में मुख्य अतिथि के रूप में श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि विश्वविद्यालय के कुलगुरु प्रोफेसर डॉ. पुष्पेंद्र सिंह चौहान ने सहभागिता की। इस अवसर पर निदेशक पीएमई डॉ. एन.के. गुप्ता, निदेशक एचआरडी डॉ. ए.सी. शिवरान, अधिष्ठाता डॉ. एल.आर. यादव, कार्यक्रम आयोजक सचिव डॉ. उपेंद्र सिंह, एनएडीसीएल, बारामूला के नदीम रियाज सहित विश्वविद्यालय के अधिकारी एवं कर्मचारीयों ने भाग लिया। कुलगुरु डॉ. पुष्पेंद्र सिंह चौहान ने कृषि क्षेत्र में अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी, ड्रोन एवं कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) के बढ़ते महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि नई तकनीकों का विकास एवं उपयोग केवल तकनीकी दृष्टि से नहीं, बल्कि किसानों के दृष्टिकोण और उनकी वास्तविक आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए किया जाना चाहिए। कृषि में ड्रोन, कृत्रिम बुद्धिमत्ता तथा अंतरिक्ष आधारित तकनीकों का प्रभावी उपयोग किसानों को समय पर एवं उपयोगी जानकारी उपलब्ध कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है।

निदेशक पीएमई डॉ. एन.के. गुप्ता ने प्रशिक्षण कार्यक्रम की उपयोगिता पर प्रकाश डालते हुए कृषि एवं संबद्ध विज्ञान के नवीनतम ज्ञान और तकनीकों को किसानों तक पहुंचाने की आवश्यकता बताई। निदेशक एचआरडी डॉ. ए.सी. शिवरान ने कृषि विकास में नवीन तकनीकों, वैज्ञानिक ज्ञान तथा आपसी अनुभवों के आदान-प्रदान को महत्वपूर्ण बताया।

अधिष्ठाता डॉ. एल.आर. यादव ने सतत कृषि उत्पादन के लिए वैज्ञानिकों, शिक्षकों एवं किसानों के बीच प्रभावी समन्वय तथा ज्ञान के प्रसार पर जोर दिया। कार्यक्रम आयोजक सचिव डॉ. उपेंद्र सिंह ने बताया कि प्रशिक्षण कार्यक्रम में देशभर से 82 से अधिक प्रतिभागी भाग ले रहे हैं।

उन्होंने बताया कि 21 दिवसीय प्रशिक्षण के दौरान कृत्रिम बुद्धिमत्ता, फसलोत्तर प्रबंधन, एकीकृत कृषि प्रणाली, मत्स्यपालन, जलवायु परिवर्तन, कृषि में नवाचार सहित कृषि एवं संबद्ध विज्ञान के विभिन्न नवीन एवं समसामयिक विषयों पर देश-विदेश के वैज्ञानिकों द्वारा ऑनलाइन व्याख्यान एवं तकनीकी सत्र आयोजित किए जाएंगे। अंत में धन्यवाद डॉ मोहित कुमार ने दिया।

राज्यपाल ने राष्ट्रीय 'इंडियन हैयर एण्ड ब्यूटी कॉन्फ्रेन्स' का उद्घाटन किया

सौंदर्य का क्षेत्र आयुर्वेद भारतीय संस्कृति से हुआ विकसित-बागड़े

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। राज्यपाल श्री हरिभाऊ बागडे ने मंगलवार को सीतापुरा स्थित जयपुर एक्जीबिशन एंड कॉवेंशन सेंटर में राष्ट्रीय 'इंडियन हैयर एण्ड ब्यूटी कॉन्फ्रेन्स' का उद्घाटन किया। इस दौरान उन्होंने युवाओं में उद्यमिता का आत्मविश्वास जगाते हुए सौंदर्य प्रसाधन क्षेत्र व्यवसाय विकास का आव्हान किया। उन्होंने केश–प्रसाधन और सौंदर्य से जुड़े व्यवसाय में प्राकृतिक वस्तुओं का अधिक से अधिक प्रयोग करने पर जोर दिया। उन्होंने सौंदर्य प्रसाधन व्यवसाय के अंतर्गत 'मेक इन इण्डिया', 'लोकल फोर वोकल' से उद्यमिता विकास और इनसे युवाओं को अधिक से अधिक जोड़ने का आह्वान किया। राज्यपाल ने सौंदर्य प्रसाधन और सैलून उद्योग में भारतीय परिप्रेक्ष्य से जुड़ी विकास संभावनाओं पर कार्य किए जाने की आवश्यकता जताई। उन्होंने भारत के सैलून बाजार के एक लाख दो हजार करोड़ रूपये का होने की चर्चा करते हुए कहा कि सैलून उद्योग को भारतीय केश–विन्यास परम्परा के अंतर्गत विकसित किया जाए। उन्होंने प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना, उद्यमिता प्रोत्साहन आदि से कैसे लघु उद्यमियों को फायदा मिल सकता है, इस पर भी कार्य किए जाने पर जोर दिया। बागडे ने कहा कि हमारे यहां त्वचा को प्राकृतिक रूप में चमकदार बनाने और ठीक रखने के लिए एलोवेरा और शहद का इस्तेमाल होता रहा है। इसी तरह हमारे यहां आयुर्वेद में शरीर के बाहरी और अंदरूनी सौंदर्य के लिए बहुत सारे उत्पाद मिलते हैं। यह पूरी तरह से प्राकृतिक होते हैं। पेड़–पौधों के अर्क से, शहद से, हल्दी आदि से तैयार होते हैं। प्राचीन काल से केश और त्वचा के सौंदर्य के लिए इनका उपयोग लाभकारी रहा है। उन्होनें हैयर एंड ब्यूटी उद्योग की भारतीय दृष्टि और आयुर्वेद से जन जन को जोड़ने का आह्वान किया।

बजट घोषणाओं के क्रियान्वयन, केंद्रीय सहायता प्राप्त करने और प्रमुख परियोजनाओं को समय पर पूरा करने के मुख्य सचिव श्रीनिवास ने दिए निर्देश

बजट का प्रभावी उपयोग कर विकास कार्यों में तेजी लाएं

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास ने सरकारी व्यय की गुणवत्ता सुधारने और बजट राशि के बेहतर उपयोग से प्रदेश के विकास को गति देने पर जोर दिया। मंगलवार को शासन सचिवालय में वित्त व्यय विभाग की समीक्षा बैठक में उन्होंने नीति आयोग की राजकोषीय स्वास्थ्य सूचकांक संबंधी रिपोर्ट का उल्लेख करते हुए कहा कि व्यय को तर्कसंगत बनाने के प्रयास और मजबूत किए जाएं। उपलब्ध संसाधनों का उपयोग प्राथमिकता वाले कार्यों में किया जाए, ताकि योजनाओं का बेहतर लाभ आमजन तक पहुंचे।

मुख्य सचिव ने बजट घोषणाओं के क्रियान्वयन में तेजी लाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जिन घोषणाओं के प्रस्ताव वित्त विभाग को प्राप्त नहीं हुए हैं, उनकी संबंधित विभागों के शासन सचिव स्तर पर नियमित समीक्षा की जाए। प्रस्ताव शीघ्र भिजवाए जाएं और प्रगति से अवगत कराया जाए।

उन्होंने केंद्र प्रवर्तित योजनाओं की लंबित केंद्रीय सहायता और आगामी किस्तों की स्वीकृति के लिए संबंधित अतिरिक्त मुख्य सचिवों एवं प्रमुख शासन सचिवों को केंद्रीय मंत्रालयों से प्रभावी समन्वय करने के निर्देश दिए। जल जीवन मिशन, विकसित भारतङ्करोजगार और आजीविका गारंटी मिशन (ग्रामीण) तथा राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के लिए धनराशि प्राप्त करने के प्रयास तेज करने को कहा। इन योजनाओं से संबंधित राज्य स्तरीय समितियों की बैठकें भी समय पर आयोजित करने के निर्देश दिए।

श्रीनिवास ने आर्थिक विकास को गति देने वाली प्रमुख परियोजनाओं को प्राथमिकता देने पर जोर दिया। उन्होंने जल संसाधन, सार्वजनिक निर्माण और जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग की प्रमुख परियोजनाओं को चिह्नित कर राज उन्नति पर सूचीबद्ध करने तथा उनकी नियमित निगरानी के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि कार्यों की प्रगति की नियमित समीक्षा कर परियोजनाओं को निर्धारित अवधि में पूरा किया जाए।

बैठक में स्वास्थ्य, शिक्षा, सामाजिक सुरक्षा, विद्युत अनुदान और कर्मचारी हितलाभों से संबंधित प्रस्तावों पर विचार-विमर्श किया गया। इस दौरान मुख्य सचिव ने पेंशन भुगतान से जुड़ी समस्याओं और जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग के लंबित भुगतान के मामलों के समाधान पर जोर दिया। उन्होंने संबंधित विभागों को वित्त विभाग के साथ समन्वय और स्पष्ट संवाद रखते हुए आवश्यक कार्रवाई करने के निर्देश दिए। प्रमुख शासन सचिव, वित्त वैभव गालरिया ने बताया कि योजनाओं के बजट के उपयोग में पिछले वर्ष की तुलना में बढ़ोतरी हुई है। 30 सितंबर, 2026 तक राज्य निधि और केंद्रीय सहायता सहित योजनाओं के कुल बजट का 41.16 प्रतिशत उपयोग किया गया है। शासन सचिव, वित्त (व्यय) डॉ. टीना सोनी एवं विशिष्ट शासन सचिव, वित्त (बजट) श्रीमती शिवांगी स्वर्णकार ने बजट घोषणाओं पर विभागों द्वारा की गई कार्रवाई और वित्तीय स्वीकृतियों की स्थिति प्रस्तुत की। बैठक में केंद्र प्रवर्तित योजनाओं में केंद्रीय सहायता की स्वीकृति तथा आगामी किस्तें प्राप्त करने के लिए आवश्यक कार्रवाई की जानकारी भी दी गयी। प्रस्तुतीकरण में राज्य की आय, योजनाओं एवं सेवाओं पर व्यय, बुनियादी ढांचे के विकास के लिए पूंजीगत व्यय और वेतन-पेंशन सहित प्रमुख व्यय मदों का विवरण रखा गया। बैठक में संयुक्त शासन सचिव, वित्त (व्यय-1) डॉ. भारती दीक्षित सहित संबंधित विभागों के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

बिल्लियों ने बचाई लॉरेंस के गुर्गे की जान... प्रदेश की सबसे हाई सिक्योरिटी जेल की सुरक्षा संभाले है 'कैट्स'

अजमेर जेल में आठ से अधिक बिल्लियों की जरूरत क्यों पड़ी और क्यों रखते हैं कैदी एवं प्रहरी इनका ध्यान

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

अजमेर। आपको यह जानकर ताज्जुब होगा कि अजमेर की हाई सिक्योरिटी जेल की सुरक्षा का जिम्मा केवल प्रहरी नहीं उठा रहे. सुरक्षा में उनका साथ दे रही है आधा दर्जन से अधिक बिल्लियां. बिल्लियां ना केवल जेल को चूहों से बचा रही है बल्कि एक हार्डकोर अपराधी की जान भी बचा चुकी हैं. बिल्लियां जेल प्रहरियों के साथ कैदियों को पसंद आने लगी है. प्रहरियों के साथ बिल्लियां गश्त करती है तो उनकी अठखेलियां कैदियों का मनोरंजन भी करती हैं. बिल्लियां नहीं दिखने पर कैदी खुद प्रहरियों से उनकी खैरखबर लेते हैं.

प्रदेश की सबसे सुरक्षित जेल

अजमेर की इकलौती सिक्योरिटी जेल में हार्डकोर अपराधी को रखा जाता है. 264 कैदियों की क्षमता वाली प्रदेश की सबसे सुरक्षित हाई सिक्योरिटी जेल की स्थापना 2015 में हुई थी. शहर के बाल सुधार गृह को बदलकर कुख्यात अपराधियों की जेल में परिवर्तित कर दिया गया. जेल में कई अधीक्षक रहे, लेकिन कोई भी ज्यादा समय नहीं टिक पाया. पारस जांगिड़ एकमात्र जेलर हैं, जो सबसे ज्यादा समय तक

यहां अधीक्षक रहे. वर्तमान में पारस जांगिड़ जेल अधीक्षक हैं.

इस वजह से पाली गई थी

अजमेर जेल अधीक्षक पारस जांगिड़ बताते हैं, हाई सिक्योरिटी जेल की सुरक्षा काफी अहम है, लेकिन वर्ष 2022 में चूहों ने यहां आतंक मचा दिया. आसपास जंगल होने के कारण चूहे नालियों के जरिए जेल में आ जाते थे. चूहे जेल की रसद सामग्री के अलावा कैदियों के सामान को भी नुकसान पहुंचाते थे. चूहों पर अंकुश के लिए बिल्ली का एक जोड़ा लाया गया. इस जोड़े का कुनबा बढ़ा एवं कई बिल्लियां हो गई. ये बिल्लियां जेल की सुरक्षा का हिस्सा बन गई. बिल्लियों के कारण जेल में चूहे नहीं आते हैं. ये बिल्लियां जेल प्रहरियों और कैदियों से भी घुल मिल गई है.

कोबरा से बचाई कैदी की जान

जेल अधीक्षक जांगिड़ ने बताया, सवा महीने पहले कुख्यात लॉरेंस बिश्नोई गैंग के एक गुर्गे की बिल्लियों ने जान बचाई. उन्होंने बताया कि रात को कैदी सो रहा था, तब नाली से कोबरा सांप सेल में आ गया. गनीमत रही कि तब बिल्लियां सेल के आसपास थी. कोबरा सांप देख बिल्लियों ने शोर मचाया. इससे कैदी भी जग गया एवं प्रहरियों को बुलाकर सांप के बारे में बताया. सांप को रेस्क्यू कर जंगल में छोड़ा. इस घटना ने बिल्लियों की उपयोगिता सामने आई।

प्रहरियों के साथ बिल्लियां करती हैं गश्त

अधीक्षक ने बताया कि जेल में 8 से अधिक बिल्लियां हैं. प्रहरियों एवं कैदियों ने इनके नाम रखे हैं. जैसे काली या भूरी. जेल में कैदी बाहरी दुनिया से कटे है. मनोरंजन के नाम पर किताबें हैं, लेकिन बिल्लियों की अठखेलियां भी उनका मन बहलाती हैं. बिल्लियां जेल के हर हिस्से में बेखौफ घूमती हैं. प्रहरियों के साथ गश्त में भी आगे चलती है. गश्त के दौरान जेल अधिकारी और प्रहरी जहां रुकते हैं, वहां बिल्लियां भी रुक जाती हैं. आगे बढ़ते ही बिल्लियां भी आगे बढ़ जाती हैं.

3 अक्टूबर मध्यरात्रि से आगामी आदेश तक निषेधाज्ञा लागू

उल्लंघन पर भारतीय न्याय संहिता 2023 की धारा 223 के तहत होगी दण्डात्मक कार्रवाई

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। पंचायतीराज संस्थाओं के चुनाव शांतिपूर्ण, स्वतंत्र, निष्पक्ष एवं सुव्यवस्थित ढंग से सम्पन्न कराने के लिए जयपुर जिले के क्षेत्रों एवं सभी वर्ग के मतदाताओं एवं अभ्यर्थियों द्वारा अपने मत एवं अधिकार का प्रयोग करने तथा चुनाव प्रचार में अवांछित, असामाजिक, अवांछित एवं बाह्यक तत्वों की गतिविधियों को नियंत्रित करने तथा कानून व्यवस्था एवं लोकतांत्रिक बनाये रखने हेतु प्रतिबंधात्मक उपाय किए गए हैं। राज्य निर्वाचन आयोग के निर्देशों के क्रम में, जिला मजिस्ट्रेट, जयपुर संदेश नायक ने भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023 की धारा 163 के तहत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए जिला जयपुर में जयपुर पुलिस आयुक्तालय क्षेत्र के अलावा समस्त क्षेत्र जो जिला प्रशासन जयपुर ग्रामीण एवं कोटपूतली-बहरोड़ के क्षेत्र में है, क्षेत्र में प्रतिबन्ध लागू किया है। आदेशानुसार कोई भी व्यक्ति किसी भी प्रकार का विस्फोटक पदार्थ, रासायनिक पदार्थ, आग्नेय अस्त्र-शस्त्र, जैसे रिवाल्वर, पिस्टल, बंदूक, एमएल गन, डीएल गन आदि एवं अन्य हथियार जैसे गंडासा, फरसा, तलवार, भाला, कृपाण, चाकू छुरी, छुरा, गुप्ती, कटार, बरछीया, धारदार/सरिया जो किसी धातु के शस्त्र के रूप में बना हो आदि तथा विधि द्वारा प्रतिषेधित हथियार और मोटे हथियार लेकर यात्रा नहीं करेगा और न ही धारण करेगा और न ही प्रदर्शन करेगा और न ही साथ में लेकर चलेगा। यह आदेश राष्ट्रीय सीमा सुरक्षा बल, राजस्थान सशस्त्र पुलिस बल, राजस्थान सिविल पुलिस, चुनाव ड्यूटी में तैनात अर्द्धसैनिक बल, होमगार्ड एवं चुनाव ड्यूटी में तैनात अधिकारियों, कर्मचारियों पर लागू नहीं होगा।

बीसलपुर में बढ़ेगी कनेक्टिविटी और पर्यटन की संभावनाएं

बनास नदी पर बनेगा अनोखा हैंगिंग ब्रिज

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

मेवदाकलां। जयपुर, अजमेर और टोंक की प्यास बुझाने वाले बीसलपुर बांध की पहचान में अब आधुनिक इंजीनियरिंग का नया अध्याय जुड़ने जा रहा है। बांध की डाउनस्ट्रीम बनास नदी पर प्रस्तावित एक्स्ट्रा-डोज्ड हैंगिंग ब्रिज क्षेत्र के आवागमन को सुगम करने के साथ पर्यटन की नई संभावनाएं भी खोल सकता है। करीब 144.21 करोड़ रुपए की सैद्धांतिक स्वीकृति वाली इस परियोजना के तहत पुल और एप्रोच रोड को मिलाकर करीब डेढ़ किलोमीटर लंबा मार्ग विकसित किया जाएगा।

प्रस्तावित पुल एक्स्ट्रा-डोज्ड पीएससी बॉक्स ब्रिज तकनीक पर आधारित होगा। इसमें केबल और विशेष संरचनात्मक व्यवस्था के जरिए पुल को मजबूती दी जाएगी। पुल में कुल 20 स्पान प्रस्तावित हैं। इनमें 144 मीटर का एक मुख्य स्पान, 72-72 मीटर के दो स्पान और 25-25 मीटर के 17 स्पान शामिल हैं। करीब 25 मीटर ऊंची संरचना की चौड़ाई लगभग 12 मीटर होगी।

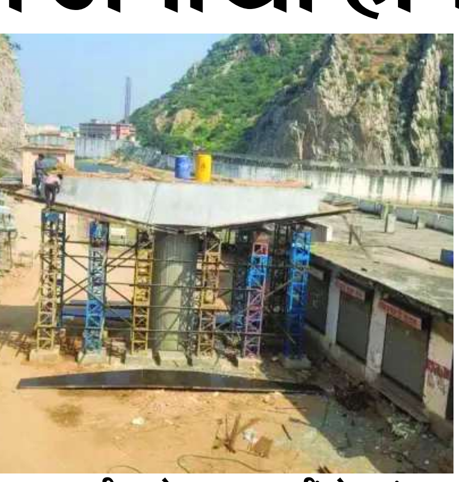

देवली-टोडारायसिंह की ओर बनेंगी एप्रोच रोड

परियोजना के तहत टोंक जिले में देवली की ओर 550 मीटर और टोडारायसिंह की तरफ 250 मीटर एप्रोच रोड प्रस्तावित है। पुल के दोनों ओर डेढ़-डेढ़ मीटर चौड़े फुटपाथ तथा आकर्षक रोशनी की व्यवस्था भी योजना में शामिल है। इससे वाहनों के साथ पैदल आवागमन भी सुरक्षित और सुगम होने की उम्मीद है।

पानी बढ़ने पर रास्ता नहीं होगा बंद

बीसलपुर बांध की डाउनस्ट्रीम बनास नदी में बारिश के दौरान पानी की आवक बढ़ने अथवा बांध के गेट खुलने पर नदी क्षेत्र के रास्ते प्रभावित होते रहे हैं। इससे देवली, टोडारायसिंह सहित आस-पास के गांवों के लोगों को लंबा वैकल्पिक रास्ता अपनाना पड़ता है। उच्च स्तरीय पुल बनने के बाद बारहमासी आवागमन सुविधा मिलने की उम्मीद है। इससे दोनों क्षेत्रों के बीच संपर्क मजबूत होगा।

111.63 करोड़ की टेंडर वैल्यू, 730 दिन निर्माण अवधि

सार्वजनिक निर्माण विभाग की निविदा के अनुसार परियोजना की टेंडर वैल्यू करीब 111.63 करोड़ रखी गई थी। निर्माण की निर्धारित अवधि 730 दिन है। परियोजना स्थल बीसलपुर बांध की डाउनस्ट्रीम बनास नदी में इंटेक पंप हाउस के पास प्रस्तावित है। हालांकि, निर्माण की मौजूदा प्रगति और समयसीमा की विभागीय पुष्टि किया जाना जरूरी है।

पर्यटन को मिल सकता है नया आकर्षण

बीसलपुर बांध की जलराशि, तक्षकगिरी की पहाड़ियां और प्राकृतिक वातावरण पहले से पर्यटकों को आकर्षित करते हैं। प्रस्तावित पुल की आधुनिक बनावट, केबल आधारित संरचना और रात्रिकालीन रोशनी इसे पर्यटन स्थल के रूप में नई पहचान दे सकती है। पुल बनने से आस-पास पर्यटन आधारित आर्थिक गतिविधियों को भी गति मिलने की संभावना है। इस परियोजना से बीसलपुर को पेयजल स्रोत और बांध की पहचान के साथ आधुनिक सड़क संपर्क व पर्यटन का नया आयाम मिलने की उम्मीद है।

विश्व आयुर्वेद परिषद महिला प्रकोष्ठ की कार्यशाला आयोजित

स्त्री रोग, अग्निकर्म एवं मर्म चिकित्सा पर हुआ मंथन

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

अजमेर। विश्व आयुर्वेद परिषद राजस्थान-महिला प्रकोष्ठ द्वारा पुष्कर में "स्त्री रोग, अग्निकर्म एवं मर्म चिकित्सा" विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला का सफल आयोजन किया गया। प्रदेश महासचिव डॉ पवन सिंह शेखावत ने बताया कि कार्यक्रम के मुख्य अतिथि आयुर्वेद विभाग अजमेर के उपनिदेशक डॉ. हनुमान मीना रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रदेशाध्यक्ष डॉ. राकेश कुमार शर्मा ने की। विशिष्ट अतिथि चिकित्सक प्रकोष्ठ प्रदेश प्रभारी डॉ. जे. एस. राजावत एवं महिला प्रकोष्ठ सह-प्रभारी डॉ. ममता ताखर ने दीप प्रज्ज्वलन कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। मंच संचालन डॉ. सुचेता एवं डॉ. स्वाति ने किया। कार्यशाला की

मुख्य वक्ता राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान जयपुर के स्त्री रोग एवं प्रसूति विभाग की सेवानिवृत्त प्रोफेसर डॉ. सुशीला शर्मा ने विभिन्न स्त्री रोगों के कारण, लक्षण एवं आयुर्वेदिक चिकित्सा सिद्धांतों पर विस्तृत व्याख्यान दिया। द्वितीय सत्र में डॉ. अंजू कटारे ने अग्निकर्म एवं मर्म चिकित्सा की सैद्धांतिक एवं प्रायोगिक जानकारी दी और प्रतिभागियों को चिकित्सा का अभ्यास भी करवाया। कार्यक्रम के अंत में जिला संयोजक अजमेर डॉ. प्रियंका ने सभी अतिथियों एवं प्रतिभागियों का आभार व्यक्त किया।